



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 136]
No. 136]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 13, 2006/भाद्र 22, 1928
NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 13, 2006/BHADRA 22, 1928

दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 जुलाई, 2006

संदर्भ सं. जी/18-सीडब्ल्यूए/9/2006.—कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स एक्ट, 1959 के खण्ड 5 के अनुसरण में, दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया की परिषद् की वार्षिक रिपोर्ट और उक्त संस्थान की 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के ऑडिट किए हुए लेखों को सामान्य सूचना के लिए प्रकाशित किया जा रहा है।

47वीं वार्षिक रिपोर्ट, 2005-2006

दि काउंसिल ऑफ दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया दिनांक 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिए आईसीडब्ल्यूएआई की वार्षिक रिपोर्ट और लेखापरीक्षित लेखाओं को प्रस्तुत करती है।

काउंसिल ने दिनांक 22 जुलाई, 2005 को हुई अपनी बैठक में वर्ष 2005-2006 के लिए इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष पद के लिए श्री प्रवाकर मोहन्ती, एम.काम, एलएलबी, एफआईसीडब्ल्यूए का और उपाध्यक्ष पद के लिए श्री बी.एम. शर्मा, एम.कॉम, एफआईसीडब्ल्यूए, जी.डी.सी. एण्ड ए. का चयन किया।

वर्ष 2005-2006 के दौरान काउंसिल की छह बैठकें हुईं।

डॉ. एच. आर. सुब्रमण्य, सेन्ट्रल काउंसिल मेम्बर और हाल के पूर्व-अध्यक्ष महोदय का दिनांक 6 दिसम्बर, 2006 को निधन हो गया। काउंसिल ने इस संबंध में दिनांक 22 जनवरी, 2006 को होटल स्वोस्ति प्लाजा, भुवनेश्वर में हुई 229वीं विशेष बैठक में एक शोक संकल्प पारित किया।

काउंसिल की समितियाँ

काउंसिल द्वारा गठित विभिन्न समितियों की अद्यतन संरचना अनुबंध-1 में दी गई है।

**प्रशिक्षण, शैक्षिक सुविधाएं और कंप्यूटरीकरण
पंजीकृत विद्यार्थी**

चालू वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट में 14,343 विद्यार्थियों का पंजीकरण किया गया। यह संख्या पिछले वर्ष पंजीकृत 13,165 विद्यार्थियों की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। वर्ष के अंत में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 1,44,614 रही। वर्ष 2004-2005 और 2005-2006 के दौरान पंजीकृत विद्यार्थियों का क्षेत्रवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

पंजीकरण		
क्षेत्र	2004-2005	2005-2006
पश्चिमी	2,641	2,798
दक्षिणी	5,052	5,663
पूर्वी	1,620	2,062
उत्तरी	2,349	2,362
योग	11,630	12,885
नए सिरे से	1,535	1,458
कुल योग	13,165	14,343

परीक्षा हेतु तैयारी (कोचिंग)

वर्ष के दौरान कोचिंग के लिए 33,380 विद्यार्थियों ने अपना-अपना नामांकन दर्ज कराया। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 9% अधिक है। क्षेत्र-वार ब्यौरा निम्नानुसार है :-

पाठ्यक्रम	क्षेत्र	डाक द्वारा		मौखिक द्वारा		कुल	
		2004-05	2005-06	2004-05	2005-06	2004-05	2005-06
फाउंडेशन	उत्तरी	1,055	875	906	809	1,961	1,684
	पूर्वी	148	183	391	445	539	628
	पश्चिमी	317	303	811	1,036	1,128	1,339
	दक्षिणी	764	3,049	1,778	2,263	2,542	5,312
अपूर्ण योग		2,284	4,410	3,886	4,553	6,170	8,963
इंटर	उत्तरी	3,434	3,204	1,058	1,363	4,492	4,567
	पूर्वी	1,034	1,279	1,495	1,840	2,529	3,119
	पश्चिमी	1,718	1,916	3,072	3,520	4,790	5,436
	दक्षिणी	4,197	2,306	4,851	6,192	9,048	8,498
अपूर्ण योग		10,383	6,705	10,476	12,915	20,859	21,620
फाइनल	उत्तरी	556	496	130	78	686	574
	पूर्वी	338	290	195	202	533	492
	पश्चिमी	398	304	289	339	687	643
	दक्षिणी	1,148	424	527	664	1,675	1,886
अपूर्ण योग		2,440	1,514	1,141	1,283	3,581	2,797
कुल योग		15,107	14,629	15,503	18,751	30,610	33,380

इंस्टीट्यूट ने छात्रों को वर्ष के दौरान क्षेत्रीय परिषदों की मार्फत अध्ययन टिप्पणियों, परीक्षा-पत्रों की सफाई के रूप में डाक द्वारा कोचिंग हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान करना जारी रखा और छात्रों के उत्तरों का भी सुझाव दिया। डाक द्वारा कोचिंग के अलावा, यह इंस्टीट्यूट विद्यार्थियों को देशभर में फैले 107 केन्द्रों और दुबई स्थित एक विदेशी कोचिंग केन्द्र की मार्फत मौखिक कोचिंग भी प्रदान करता है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण योजना

इंस्टीट्यूट में अर्थव्यवस्था के उद्योग, सेवा तथा अन्य क्षेत्रों में अनुभव प्राप्त करने में छात्रों की सहायता हेतु एक व्यावहारिक प्रशिक्षण योजना कार्यान्वित है। प्रतिष्ठित संगठन अपने-अपने यहां लागत प्रशिक्षुओं को रख रहे हैं।

अध्ययन टिप्पणियों का संशोधन और पूरक सामग्री का प्रकाशन

हमेशा की तरह, वित्त अधिनियम, 2005 जिसके आधार पर व्यवसाय कराधान एवं कार्यनीति प्रबंधन संबंधी प्रश्न-पत्र की जून, 2006 और दिसंबर, 2006 परीक्षाओं के लिए प्रश्न निर्धारित किए जाएंगे, के आधार पर प्रत्यक्ष कराधान एवं अप्रत्यक्ष कराधान के संबंध में पूरक सामग्री प्रकाशित की गई और उसे हमारी वेबसाइट पर डाल दिया गया।

विद्यार्थियों को पत्र-व्यवहार

वर्ष के दौरान, विद्यार्थियों के साथ उचित पत्राचार बनाए रखा गया और उनकी पूछताछों का तत्काल उत्तर दिया गया। अब कोई भी विद्यार्थी अपनी कोचिंग संबंधी स्थिति को वेबसाइट अथवा मुख्यालय से तुरंत जान सकता है।

कोचिंग स्थिति का कंप्यूटरीकरण

क. दैनिक आधार पर कोचिंग स्थिति अद्यतन बनाना

विद्यार्थियों की कोचिंग स्थिति को मुख्यालय में डाटाबेस में निरंतर अद्यतन बनाया जा रहा है। इस स्थिति को आवधिक अन्तराल पर वेबसाइट पर डाला जाता है।

ख. नए सिरे से स्थिति को दैनिक आधार पर अद्यतन बनाना

सात वर्षों की समाप्ति के बाद छात्र पुरानी पंजीयन संख्याओं के रह जा जाने के फलस्वरूप, नए सिरे से पंजीयन हेतु आवेदन करते हैं और संबंधित छात्रों को नए सिरे से पंजीयन संख्याएं प्रदान की जाती हैं। नए सिरे से पंजीयन की अद्यतन स्थिति वेबसाइट पर डाल दी गई है ताकि छात्र अपनी-अपनी पुरानी संख्याओं को दबाकर तदनुसूची नए सिरे वाली पंजीयन संख्याओं को देख सकें।

ई-लर्निंग योजना का तत्काल संचालन

पिछले वर्ष श्री प्रेमचन्द गुप्ता, माननीय कंप्यूटर कार्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) महोदय, भारत सरकार ने इंस्टीट्यूट की अद्वितीय ई-लर्निंग पद्धत का शुभारंभ किया जिससे इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों की वास्तविक शिक्षा को वास्तविक समयक सुकर बनाया जा सके।

इंटरनेट आधारित शिक्षा प्रक्रिया प्रणाली का आरंभ

उपरोक्त उद्देश्य, ई-लर्निंग प्रणाली का प्रथम प्रवेश द्वार इन्फोक लागत लेखाकारों के लिए एक शाली शिक्षण केन्द्र बन गया है। यह विद्यार्थी समुदाय में लोकप्रिय बन रहा है। ई-लर्निंग के संबंध में प्रश्न-संग्रह, मार्गदर्शी टिप्पणियाँ, ई-कॉन्टेंट, आदि को आधुनिक विज्ञान-परिदृश्य में उद्योग की जरूरतों के अनुसार पुनर्नवीकृत किया गया है।

इंटरनेट आधारित शिक्षा प्रक्रिया प्रणाली का आरंभ

विश्वव्यापी वातावरण के अनुसार, आईसीटीक्यूएआई ने भी इंटरनेट आधारित शिक्षा प्रक्रिया प्रणाली के कार्यान्वयन की प्रक्रिया आरंभ की है और ऐसा तत्काल पंजीयन, कोचिंग, प्रैक्टाइस आनोदन-पत्र, आदि लेकर इंस्टीट्यूट के विभिन्न एकाइयों की मजबूत विद्यार्थियों के लिए सेवा के एकीकरण द्वारा किया गया है और इसके फलस्वरूप विद्यार्थी समुदाय को त्वरित सेवा तथा विद्यार्थी डाटाबेस का आनंदवादन अपडेटेशन उपलब्ध कराया जा रहा है।

जीविका परामर्शी पहल

वर्ष के दौरान, विद्यार्थी समुदाय में पाठ्यक्रम के दबारे के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष पहल की गई। इंस्टीट्यूट के वेबसाइट/वेबसाइट परियोजना से कहा गया कि वे स्थानीय शैक्षिक संस्थानों के साथ समन्वय करें व विश्व विद्यार्थियों की बैठक आयोजित करें जिनमें इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि उपस्थित हुए और उन्होंने उभरते आर्थिक परिदृश्य में लाभदायक एवं प्रबंधन लेखाशास्त्र व्यवसाय के दबारे पर प्रकाश डाला, वर्ष के दौरान जीविका परामर्शी कार्यक्रमों के क्रम आयोजित किए।

विद्यार्थियों का नियोजन और कंपनत जवन

उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलवाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। कोलकाता में कुछ कंपनत साकारकर आयोजित किए गए जहां जी.ई., जे.एस. रॉय सीमेंट इत्यादि जैसी कंपनियों ने लगभग 150 शिक्षित विद्यार्थियों की भर्ती की और केन्द्र में जहां फोर्ड मोटर्स, टीवीएस, आदि जैसी कंपनियों ने विद्यार्थियों की काफी संख्या में भर्ती की। विभिन्न स्थानों पर इसी प्रकार के जव अभियान चलाए गए।

नया पाठ्यक्रम शुरू करने हेतु पहल

आईसीटीक्यूएआई परीक्षाओं के लिए नया पाठ्यक्रम शुरू करने हेतु पहल की गई जिससे त्वरित बदलते हुए विश्वव्यापी परिदृश्य, क्लौडेट कवचरण और कंप्यूटरीकरण के अभिभाव के साथ-साथ यही कवचन रखी जाती रहे। इस संबंध में फिनकी, सीआईआई जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित तथा सुस्थापित संगठनों से सघ मांगी गई है। इसके अलावा प्रतिष्ठित विशेषज्ञों को नया पाठ्यक्रम तैयार करने हेतु आमंत्रित किया गया है। ऐसी आशा है कि नया पाठ्यक्रम वर्ष 2007 में आरंभ किया जाएगा।

नई कोचिंग नीति

दिनांक 1.1.2006 से एक अद्यतन नई कोचिंग नीति आरंभ की गई है। इस नई कोचिंग नीति का मुख्य उद्देश्य यह है कि कोचिंग का स्तर अधिकाधिक उद्योगोन्मुख बनाया जाए।

विद्यार्थियों के लिए ओरेकल प्रशिक्षण

वर्ष के दौरान, विद्यार्थियों के लिए रियायती दर पर ओरेकल प्रशिक्षण ओरेकल इण्डिया के साथ आरंभ किया गया।

परीक्षाएं

जून, 2005 और दिसंबर, 2005 की परीक्षाएं क्रमशः 18 से 21 जून और 28 से 29 दिसंबर तक नियत तारीखों पर आयोजित की गईं। ये परीक्षाएं 3 विदेशी केन्द्रों सहित 78 केन्द्रों पर सुचारु ढंग से आयोजित की गईं। इन परीक्षा केन्द्रों की सूची जहां जून, 2005 और दिसंबर, 2005 की परीक्षाओं का आयोजन किया गया, नीचे दी जा रही है।

**परीक्षा केन्द्र - जून 2005 तथा दिसंबर, 2005
अन्तर्देशीय**

पश्चिमी क्षेत्र	दक्षिणी क्षेत्र	पूर्वी क्षेत्र	उत्तरी क्षेत्र
अहमदाबाद	बंगलौर(2 केन्द्र)	अगरतला	इलाहाबाद
औरंगाबाद	चेन्नई	आसनसोल	चण्डीगढ़
बद्रीदा	कोयंबटूर	गुवाहाटी	देहरादून
मिलाई	एर्णाकुलम	बेस्समपुर	दिल्ली(4 केन्द्र)
गोपाल	हैदराबाद	बोकारो	फरीदाबाद
बिलासपुर	कोट्टायम	कटक	गाजियाबाद
इन्दौर	मदुरै	घनबाद	जयपुर
कल्याण	मंगलौर	दुर्गापुर	जालंधर
कोल्हापुर	मैसूर	गुवाहाटी	जम्मू
मुम्बई(4 केन्द्र)	नईदेली	हवरा	जोधपुर
नागपुर	पांडिचेरी	जमशेदपुर	कानपुर
नासिक	राजमुंदरी	कोलकाता	कोटा
पणजी (गोवा)	सलेम	नैहटी	लखनऊ
पुणे	तिरुवनंतपुरम	पटना	पटियाला
सुरत	तिरुचिरपल्ली	रांची	उदयपुर
विद्यानगर	तिरुवलविली	राउरकेला	
	त्रिसुर	शिलांग	
	वेल्लोर		
	विजयवाड़ा		
	वाल्तेयर		

विदेशी

बोत्सवाना	दुबई	मस्कट
-----------	------	-------

जून तथा दिसंबर 2005 की परीक्षाओं के लिए क्रमशः 21,660 और 25,425 परीक्षार्थी रहे। अध्यक्ष महोदय और परीक्षा-समिति के सदस्यों से प्राप्त सक्रिय समर्थन से परीक्षा निदेशालय इस बात के प्रयास कर रहा है कि जहां तक परीक्षा प्रक्रिया और विद्यार्थी अन्तराष्ट्र का संबंध है, विद्यार्थियों को तीव्रतर तथा बेहतर सेवा प्रदान की जाए।

विद्यार्थियों को प्रवेश-पत्र काफी पहले समय से भेजे गए और परीक्षाफलों की घोषणा परीक्षा आरंभ होने के बाद लगभग दो माह के समय के भीतर नियत तारीखों पर की गई। प्रवेश-पत्रों और परीक्षाफलों को इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर भी डाला गया। परीक्षा की समय-सारणी भी इस वेबसाइट पर डाली गई।

परीक्षा हेतु बेहतर तैयारी के लिए विद्यार्थियों की सहायता के प्रयोजनार्थ प्रत्येक विषय पर विद्यार्थियों के कार्य-निष्पादन के संबंध में परीक्षा निदेशालय ने परीक्षकों एवं मुख्य परीक्षकों की टिप्पणियों का प्रकाशन करना आरम्भ किया। इसे वेबसाइट पर भी डाला गया है। इसकी विद्यार्थी समुदाय ने भी प्रशंसा की है।

हमारे वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन जनवरी-मध्य, 2006 में भुवनेश्वर में हुए राष्ट्रीय लागत सम्मेलन के दौरान किया गया। सफल पुरस्कार प्राप्त लोग भारी संख्या में रहे और पुरस्कार वितरण समारोह एक भारी सफलता रही जिसमें प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित हुए। इस बात का उल्लेख किया जा सकता है कि परीक्षा निदेशालय परिणामों को विगत दो वर्षों से निर्धारित तारीखों पर प्रकाशित करता आ रहा है जिसकी सभी संबंधित लोगों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है।

सदस्यों की सेवाएं तथा सदस्यों की सुविधाएं

वर्ष के दौरान, 659 अम्यर्थियों को एसोसिएट सदस्यों के रूप में प्रवेश दिया गया और 147 एसोसिएट सदस्यों को फेलो सदस्यों के पद पर प्रदोषित किया गया जबकि पिछले वर्ष के दौरान क्रमशः 918 एसोसिएट सदस्यों को प्रवेश दिया गया था और फेलो सदस्यों के पद पर प्रदोषित संख्या 153 रही थी। दिनांक 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार, सदस्यों की कुल संख्या 15,062 रही जिसमें से 12,952 एसोसिएट सदस्य और 2110 फेलो सदस्य हैं जबकि दिनांक 31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार, सदस्यों की कुल संख्या 19,374 रही जिसमें से 16,926 एसोसिएट सदस्य और 2,448 फेलो सदस्य रहे थे। दिए गए आंकड़े वास्तविक सदस्यता के हैं। प्रैक्टिस वाले सदस्यों की संख्या 1,550 रही जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 1621 रही थी। वर्ष के दौरान, मर्ती किए ग्रेजु. सीडब्ल्यूएज की संख्या 173 रही जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 348 रही थी और दिनांक 31 मार्च, 2005 की स्थिति के अनुसार, ग्रेजु. सीडब्ल्यूएज की कुल संख्या 13,853 रही थी। ब्यौरे नीचे दी गई सारणी में इंगित किए गए हैं :-

व्यक्ति	एसोसिएट	फेलो	प्रैक्टिस कर रहे सदस्य	ग्रेजु. सीडब्ल्यूएज
1.4 2005 की स्थिति के अनुसार	16,926	2,448	1,621	13,917
जोड़िए: वर्ष के दौरान नई मर्ती	659	147	182	173
जोड़िए: वर्ष के दौरान बहाल	403	29		
दोस्तान हटाए गए	5,036	514	253	237
31.3.2006 की स्थिति के अनुसार शेष	12,952	2,110	1,550	13,853

वर्ष के दौरान, इंस्टीट्यूट के उद्देश्यों के अनुरूप निम्नलिखित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सदस्य सेवाएं एवं सदस्य सुविधाएं समिति द्वारा उपाय किए गए:-

वर्ष के दौरान, इंस्टीट्यूट के उद्देश्यों के अनुरूप निम्नलिखित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सदस्य-सेवाएं एवं सदस्य-सुविधाएं समिति द्वारा उपाय किए गए:-

1. प्रभावशाली अनुवर्ती कार्रवाई द्वारा चूक वाले सदस्यों को शामिल करना।
2. सदस्यों तथा ग्रेजु. सीडब्ल्यूएज से बकाया वसूली प्राप्त करने संबंधी अभियान के रूप में वर्ष के दौरान उन्हें इस आशय के पत्र भेजे गए कि वे अपनी-अपनी देनदारियां क्लीयर कर दें। इन पत्रों के उत्तर में अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई और अनेक सदस्यों ने अपनी अपनी बकाया देनदारियां क्लीयर कर दीं।
3. सदस्यों के लिए भुगतान प्रवेशद्वार प्रणाली आरंभ की गई है ताकि वे क्रेडिट कार्ड द्वारा इन्टरनेट के जरिए विश्वभर में अपने अपने शुल्कों का भुगतान कर सकें।

4. विभिन्न अद्यतन मार्गदर्शी सिद्धांतों और प्रपत्रों को इंस्टीट्यूट की वेबसाइट पर डालने के लिए प्रबंध किया गया।
5. मासिक पत्रिका 'दि मैनेजमेंट अकाउंटेंट' में यह सन्निविष्ट किया गया जिसके अनुसार सदस्यों को अपनी-अपनी बकाया देनदारियां क्लियर करने की सूचना दी गई।
6. ग्रेजु. सीडब्ल्यूएज को इंस्टीट्यूट के एसोसिएट सदस्य बनाने हेतु विशेष अभियान चलाया गया।
7. सदस्यता रिकॉर्ड के कंप्यूटरीकरण कार्य के आगे विकास हेतु कदम उठाए गए। प्रणाली के और आगे भी विकास कार्यक्रमलाप प्रगतिशील हैं।
8. सदस्यों को उद्योग जगत की चालू जरूरतों से सुसज्जित करने के उद्देश्य से ओएआई-ईबीएस कार्यक्रम के तहत ओरेकल-ई-बिजिनेस सूट साफ्टवेयर के अन्तर्गत ईआरपी के कन्ट्रोल मॉड्यूल और वित्त संबंधी विशेष छूट प्राप्त पाठ्यक्रम शुल्क पर आईसीडब्ल्यूआई के सदस्यों को ईआरपी प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु ओरेकल इण्डिया के साथ एक अद्वितीय प्रबंध किया गया है।
9. कामजी काम को कम करने और सदस्यों को ई-मेल का और अधिक प्रयोग करने को प्रोत्साहित करने हेतु उनकी पृष्ठताओं का ई-मेल के जरिए त्वरित उत्तर नियमित रूप से दिया जाता है।
10. मौजूदा बदलते हुए गतिशील आर्थिक परिदृश्य में व्यावसायिक कार्यकुशलता की जरूरत को पूरा करने के उद्देश्य से प्रैक्टिस करने वाले और इससे इतर दोनों ही प्रकार के लागत लेखाकारों को चाहिए कि वे नई-नई कार्यकुशलताओं तथा अवबोधनों के साथ स्वयं को सुसज्जित कर लें ताकि वे चुनौतियों को पूरा कर सकें और वे व्यापार जगत, वाणिज्य तथा उद्योग जगत को गाढ़े में सहायता प्रदान कर सकें। तदनुसार, सतत शिक्षा कार्यक्रम के तहत प्रैक्टिस करने वाले और इससे इतर वाले सदस्यों को अनिवार्य प्रशिक्षण की मौजूदा योजना जिसमें पहले आंशिक संशोधन किया गया था, को प्रभावी बनाया गया है जिसके अनुसार सतत शिक्षा कार्यक्रम के तहत प्रैक्टिस कर रहे सभी सदस्यों से यह अपेक्षा है कि वे तीन वर्षों की अवधि में 20 घंटों के लिए न्यूनतम अनिवार्य प्रशिक्षण लें जो दिनांक 1 जुलाई, 2006 से प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र के नवीकरण हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2005 से लागू हो गई है और प्रैक्टिस से इतर वाले सदस्यों के लिए 3 वर्षों की अवधि में 12 घंटों के न्यूनतम अनिवार्य प्रशिक्षण आरंभ किया गया है जो वर्ष 2007-2008 से आगे सदस्यता के नवीकरण हेतु दिनांक 1 अप्रैल, 2006 से लागू हो गया है। यह योजना 65 वर्षों से अधिक उम्र के सदस्यों के लिए लागू नहीं है।
11. सदस्यों को विभिन्न मार्गदर्शी सिद्धांतों और क्रियाविधियों के बारे में सूचित करने के उद्देश्य से इंस्टीट्यूट द्वारा एक पुस्तिका जारी की गई जिसमें सदस्यता एवं संबद्ध मामलों के संबंध में विभिन्न मार्गदर्शी सिद्धान्त, क्रियाविधियां और प्रपत्र दिए गए हैं।
12. सदस्यों की सूची और प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र धारक सदस्यों की सूची मुद्रित पुस्तकों के अतिरिक्त सी.डी. में उपलब्ध कराई गई है।

समिति को आशा है कि किए गए उपायों के निश्चित परिणामस्वरूप सदस्यों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जाएगी। इस बारे में और आगे विकास हेतु बहुमूल्य सुझाव मांगे जाते हैं।

अनुसंधान तथा पत्र-पत्रिका

इंस्टीट्यूट का अनुसंधान कार्यक्रमलाप आगे एक बड़े परिवर्तन के लिए सन्तुलन बनाए हुए है। यह इंस्टीट्यूट एक वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान संगठन (एसआईआरओ) है जिसे वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, माता सरकार द्वारा मान्यता दी गई है। इस पेशे तथा उद्योग जगत दोनों के लाभार्थ गहन एवं उच्च संकेन्द्रित अनुसंधान अध्ययनों के लिए इंस्टीट्यूट ने हरीश मुखर्जी रोड, कोलकाता स्थित इंस्टीट्यूट के भवन के प्रथम तल को इंस्टीट्यूट के

अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र में बदल दिया है। सदनगत परियोजनाओं के अलावा, प्रायोजित परियोजनाओं पर विशेष बल दिया गया है। इस्टीमेट ने छोटे बागानों में हरी चाय पत्ती उत्पादन और खरीदी गई पत्ती फैक्टरियों में तैयार चाय की लागत के संबंध में चाय बोर्ड द्वारा प्रायोजित एक पायलट अध्ययन पहले ही पूरा कर लिया है। इसके फलस्वरूप, चाय बोर्ड ने इस्टीमेट को दो बड़ी परियोजनाएं दी हैं - एक तो बड़े बागानों में हरी चाय पत्ती तथा तैयार चाय उत्पादन की लागत निर्धारण के संबंध में और दूसरी छोटे बागानों में हरी चाय पत्ती उत्पादन-लागत निर्धारण तथा खरीदी गई पत्ती फैक्टरियों में तैयार चाय उत्पादन लागत-निर्धारण के बारे में। साथ ही, रबड़ आधारित वाहक-पट्टों के लिए प्रमुख लागत अन्तरण फार्मूला संबंधी एक व्यावहारिक अनुसंधान परियोजना प्रगति पर है जिसे इस उद्योग ने प्रायोजित किया है। भावी परियोजना प्रस्तावों में ये शामिल हैं - सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के लिए मालसूची मूल्यांकन तथा लेखाकरण (सीएसआईआर द्वारा प्रायोजन संभव) और दूरसंचार क्षेत्र में लागत-निर्धारण एवं टैरिफ निर्धारण पद्धति (इस उद्योग द्वारा प्रायोजित होने के लिए)।

इस्टीमेट की पत्रिका - दि मैनेजमेंट अकाउंटेंट ने इस पेशे का स्तर बढ़ाने में एक शक्तिशाली भूमिका निभाई। वर्ष के दौरान, इस पत्रिका के दृष्टिकोण में और आगे पुनरामिमुखीकरण इस पेशे के लिए इसकी व्यावहारिक उपयोगिता और मुद्रण एवं कागज की क्वालिटी पर प्रमुख बल देने के फलस्वरूप हुआ। समसामयिक मूल विषयों और विचारों को विस्तृत कवरेज दिया गया जिनमें लागत एवं प्रबंध लेखाकारों को बड़ी भूमिका निभानी होती है। इस पत्रिका के विद्यार्थी संस्करण एक आवश्यक विद्यार्थी-मैत्री मार्गदर्शक बने रहना जारी रहा।

आईसीडब्ल्यूआई राष्ट्रीय सम्मेलन, 2006

पूर्वी भारतीय क्षेत्रीय परिषद ने कटक-भुवनेश्वर सभा के साथ संयुक्त रूप से 'कारपोरेट सततता में उभरते रुख' नामक मूल विषय पर भुवनेश्वर में 20 से 22 जनवरी, 2006 तक की अवधि के दौरान इस्टीमेट के 47वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन का उद्घाटन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और आईएमएफए ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज ऑफ उजीसा डा0 बंसीधर पाण्डा और श्री अजित महापात्र, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, कलिंगा ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज द्वारा किया गया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों, प्रतिष्ठित सेवा क्षेत्रों, सरकारी विभागों, आदि के प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों द्वारा भाषण दिए गए।

जून तथा दिसंबर 2004 की परीक्षाओं में विभिन्न विषयों में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए 65 विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

सतत शिक्षा कार्यक्रम

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सतत शिक्षा कार्यक्रम समिति के कार्यकलाप नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। इस समिति ने भारत भर और विदेशों में विभिन्न स्थानों पर 60 कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनका ब्यौर नीचे सारणी में दिया गया है। इन कार्यक्रमों का आयोजन लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार के साथ संयुक्त कार्यक्रमों के अलावा, विभिन्न संगठनों के लिए सेल्फ-रन आधार पर केवल टेलर-मेड सदनगत कार्यक्रमों पर किया गया:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्थान
1.	टीडीएस तथा ई-टीडीएस विवरणी दर्ज कराना और कारपोरेट करदाता के मुद्दे	14-17 जून, 2005	जंटी, तमिलनाडु
2.	नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी, काठमांडू, नेपाल संबंधी आंतरिक लेखा-परीक्षा	20-29 जून, 2005	दिल्ली, जयपुर और शिमला
3.	ओएनजीसी लि0 के गैर-वित्तीय अधिकारियों के लिए वित्तीय प्रबंधन	27 जून-1 जुलाई, 2005	नई दिल्ली
4.	वित्तीय जोखिम प्रबंधन	27 जून-1 जुलाई, 2005	काठमांडू
5.	एफबीटी तथा बीसीटी वित्त अधिनियम, 2004 के उपबंधों का	6 जुलाई, 2005	नई दिल्ली

	विश्लेषण-सम्मेलन		
6.	वित्तीय जोखिम प्रबंध तथा कारपोरेट पुनर्संरचना	जुलाई 11-15, 2005	दुबई
7.	एमटीएनएल के संबंध में लागत लेखा रिकॉर्ड(टेली.) नियमावली तथा लागत लेखा-परीक्षा	जुलाई 21-22, 2005	नई दिल्ली
8.	कारपोरेट वित्त	जुलाई 26-29, 2005	तिरुपति, आ.प्र.
9.	एमटीएनएल के लिए रिपोर्टिंग सिस्टम ऑन अकाउंटिंग सेपरेशन रेग.-2004 फार टेलीकाम इण्डस्ट्री	जुलाई 28-29, 2005	नई दिल्ली
10.	ओएनजीसी के लिए कार्यनीति लागत प्रबंधन एवं लागत लेखा रिकॉर्ड(पेट्रो.)उद्योग नियमावली	अगस्त 8-13, 2005	देहरादून
11.	नाल्को लि0 के लिए फ्रिज बेनिफिट टैक्स तथा बीसीटीटी	अगस्त 8, 2005	भुवनेश्वर
12.	फ्रिज बेनिफिट टैक्स तथा तिमाही ई-टीडीएस विवरणी दर्ज कराना	अगस्त 17, 2005	नई दिल्ली
13.	कारपोरेट लेखा पद्धतियां-विधियां तथा पद्धतियां	अगस्त 23-26, 2005	पोर्ट ब्लेयर
14.	ओएनजीसी लि0 के लिए अधिवर्षिता संबंधी योजना	अगस्त 29-31, 2005	चेन्नई
15.	मूल्यांकित कर (वैट)	सितंबर 1, 2005	नई दिल्ली
16.	सेवा कर	सितंबर 2, 2005	नई दिल्ली
17.	फ्रिज बेनिफिट टैक्स और तिमाही विवरणी दर्ज कराना	सितंबर 8, 2005	चेन्नई
18.	सेवा कर	सितंबर 9, 2005	चेन्नई
19.	ओएनजीसी लि0 के लिए वित्तीय जोखिम प्रबंध	सितंबर 12-17, 2005	देहरादून
20.	गैर वित्तीय अधिकारियों के लिए वित्त-डीपीई कार्यक्रम	सितंबर 13-15, 2005	शिडी
21.	एनपीसीएल के राजस्थान एटोमिक पावर स्टेशन के लिए सेवा कर	सितंबर 24, 2005	कोटा
22.	दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम के लिए फ्रिज बेनिफिट टैक्स	सितंबर 26, 2005	नई दिल्ली
23.	सततता अधिकारियों के लिए वित्त एवं लेखा-परीक्षण	सितंबर 27-29, 2005	चेन्नई
24.	टीडीएस तथा ई-टीडीएस विवरणी दर्ज कराना	अक्टूबर 3-6, 2005	गोवा
25.	वित्तीय प्रबंधन में आधुनिक प्रवृत्ति	अक्टूबर 3-6, 2005	गोवा
26.	प्रबंध लेखाकरण	अक्टूबर 5-7, 2005	चेन्नई
27.	नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी, काठमांडू, नेपाल के लिए वित्तीय लेखाकरण तथा लेखा-परीक्षण	अक्टूबर 18-25, 2005	दिल्ली और जयपुर
28.	कारपोरेट वित्त	अक्टूबर 18-20, 2005	पांडिचेरी
29.	कनिष्ठ वित्तीय तथा लेखाधिकारियों तथा गैर-अधिकारियों(एफएण्डए)के लिए वित्त	अक्टूबर 18-21, 2005	पांडिचेरी
30.	फ्रिज बेनिफिट टैक्स तथा एफबीटी के संबंध में सीबीडीटी परिपत्र का विश्लेषण	नवंबर 11, 2005	नई दिल्ली
31.	कार्य-निष्पादन आशा तथा प्रबंधन लेखा-परीक्षा-डीपीई कार्यक्रम	नवंबर 16-18, 2005	हैदराबाद
32.	वित्तीय जोखिम प्रबंधन तथा कारपोरेट पुनर्संरचना	नवंबर 16-27, 2005	सिंगापुर, कुआलालम्पुर और बैंकाक
33.	सतत जल विद्युत निगम लि0, शिमला के लिए इंजीनियरों हेतु लागत-निर्धारण	नवंबर 17-19, 2005	शिमला
34.	फ्रिज बेनिफिट टैक्स	नवंबर 27-28, 2005	कोलकाता
35.	विद्युत क्षेत्र-इलेक्ट्रिसिटी-परचात अधिनियम, कार्यनीतियां तथा अवसर-सम्मेलन	दिसंबर 3-4, 2005	कोलकाता
36.	भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय लेखा मानक - डीपीई कार्यक्रम	दिसंबर 5-9, 2005	भुवनेश्वर
37.	विदेशी मुद्रा जोखिम प्रबंधन-डीपीई कार्यक्रम	दिसंबर 14-16, 2005	नई दिल्ली
38.	कार्यनीतिक वित्तीय प्रबंधन-डीपीई कार्य	दिसंबर 20-22, 2005	कोलकाता
39.	ओएनजीसी लि. के लिए लागत कमी, लागत नियंत्रण तथा सीएसआईआर	दिसंबर 26-29, 2005	कोलकाता
40.	कनिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारियों तथा गैर-अधिकारियों(एफएण्डए) के लिए वित्त	जनवरी 2-4, 2006	नई दिल्ली

284/ GI/05-2

41.	गैर वित्त अधिकारियों के लिए वित्त ओएनजीसी कार्यक्रम	जनवरी 9-13, 2006	नई दिल्ली
42.	द्वितीय प्रबंधन में आधुनिक प्रवृत्तियाँ	जन. 31-फर.3, 2006	पाण्डिचेरी
43.	आंतरिक लेखा-परीक्षा	जन. 31-फर.3, 2006	पाण्डिचेरी
44.	आय पर कर कलैती, तिमाही ई-टीडीएस विवरणी दर्ज कराना, एफबीटी	फरवरी 8-10, 2006	नई दिल्ली
45.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा और डेस्क समीक्षा	फरवरी 10-12, 2006	मुंबई
46.	भारतीय नौसेना के लिए लागत प्रबंधन	फरवरी 13-18, 2006	नई दिल्ली
47.	कार्पोरेट टैक्स आयोजना, अनुपालन/प्रबंध	फरवरी 14-17, 2006	तिरुपति
48.	लागत नियंत्रण एवं लागत कारगरता	फरवरी 20-22, 2006	हैदराबाद
49.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	फरवरी 20-22, 2006	चेन्नई
50.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	फरवरी 22-24, 2006	बंगलौर
51.	कार्पोरेट वित्त में उभरते मुद्दे	फरवरी 22-25, 2006	गंगटोक
52.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	फरवरी 24-26, 2006	नई दिल्ली
53.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	फरवरी 24-26, 2006	हैदराबाद
54.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	मार्च 4-6, 2006	कोलकाता
55.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	मार्च 10-12, 2006	कोलकाता
56.	दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम के लिए फ्रिज बेनिफिट टैक्स	मार्च 14, 2006	नई दिल्ली
57.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	मार्च 17-19, 2006	मुबनेश्वर
58.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	मार्च 17-19, 2006	कोविन
59.	नेशनल सीडस कारपोरेशन लि. के लिए वित्त प्रबंधन	मार्च 23-25, 2006	नई दिल्ली
60.	उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा तथा डेस्क समीक्षा	मार्च 24-26, 2006	नई दिल्ली

समिति ने दिल्ली, जयपुर तथा शिमला में नेपाल के सबसे बड़े सरकारी क्षेत्र के संगठन नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी, काठमांडू के लिए लगातार तीसरे वर्ष दो अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया। समिति ने प्रैक्टिस कर रहे सदस्यों के लिए विभिन्न स्थानों पर अनन्य तौर पर 'उत्पाद शुल्क तथा डेस्क समीक्षा' विषय पर कार्यक्रम श्रृंखलाओं का भी आयोजन किया।

समिति ने चेन्नई तथा शिर्डी में सतर्कता अधिकारियों के लिए वित्त एवं लेखा-परीक्षा विषय और सरकारी क्षेत्र के विभिन्न संगठनों के गैर-वित्त अधिकारियों के लिए वित्त विषय पर दो अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए। वित्त तथा तकनीकी अधिकारियों के लिए कोलकाता में विद्युत क्षेत्र संबंधी सेमिनार आयोजित किया। ओएनजीसी लि०, भारतीय नौ सेना, नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी, न्यूक्लीयर पावर कारपोरेशन ऑफ इण्डिया लि०, राजस्थान ऐटोमिक पावर स्टेशन, दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम, नेशनल सीडस कारपोरेशन लि० और सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड के लिए अनन्य तौर पर सदनगत कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। गैर-सरकारी तथा सरकारी उद्यमों, सरकारी संगठनों, स्वायत्त निकायों, बैंकों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, गैर-सरकारी संगठनों और बहुराष्ट्रिकों के वरिष्ठ एवं मध्य स्तरीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम और कनिष्ठ वित्त अधिकारियों के लिए पहली बार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। समिति ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों के अलावा, चेन्नई तथा कोलकाता में हीरक जयन्ती समारोह का आयोजन किया।

समिति ने ऐसी योजना बनाई है कि आगामी वर्ष के दौरान सेल्फ-रन, सदनगत आधार पर और अधिक कार्यक्रम और भारत सरकार तथा अन्य संस्थानों के साथ संयुक्त कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और इसके लिए अनेक गैर-सरकारी और सरकारी उद्यमों को पहले ही अनुरोध कर दिया है।

अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

समिति ने भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय फौकल्टी की सहायता से दुबई तथा सिगापुर, कुआलालम्पुर और बैंकाक में दो अनन्य अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया। सिगापुर, कुआलालम्पुर तथा बैंकाक में अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आठवीं बार आयोजित किया गया जिसमें निजी तथा सरकारी क्षेत्र के उद्यमों के वरिष्ठ अधिकारियों की अच्छी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम के सहभागियों के लिए कुआलालम्पुर में मलेशियन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स के वरिष्ठ फौकल्टी सदस्यों के साथ एक परस्पर प्रतिक्रिया सत्र आयोजित किया गया। इन दोनों ही अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों की सभी सहभागियों और प्रायोजन संगठन द्वारा बहुत सराहना की गई। इंस्टीट्यूट की यह भी योजना है कि आगामी वर्ष के दौरान सिगापुर, कुआलालम्पुर तथा बैंकाक में अन्तर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

व्यावसायिक विकास (तकनीकी)

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, सदस्यों के लिए व्यावसायिक अवसर विकसित करने हेतु निम्नलिखित व्यावसायिक विकास कार्यक्रमलाप किए गए:-

1. लेखाकार की परिभाषा में लागत लेखाकारों को शामिल करने हेतु आयकर अधिनियम, 1961 में संशोधन करने के लिए श्री पी. चिदम्बरम, माननीय वित्त मंत्री महोदय, श्रीमती शोमा मजुमदार, अध्यक्ष, सीबीडीटी, भारत सरकार, श्री पार्थसारथी शोमे, वित्त मंत्री महोदय के मुख्य सलाहकार को अभ्यावेदन दिए गए। इस संबंध में प्राप्त प्रत्युत्तर अत्यन्त सकारात्मक रहा। यह मामला कंपनी कार्य मंत्रालय में उठाया गया है।

2. आईसीडब्ल्यूआई ने श्री ए.के.सिंह, अध्यक्ष, सीबीडीटी और श्री एस.पी.एस.पुण्डीर, महानिदेशक, लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग को प्रभावी अभ्यावेदन दिए गए और उनसे अनुरोध किया गया कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की धारा 14क और 14कक के प्रावधानों के तहत क्रमशः मूल्यांकन लेखा-परीक्षा और सेनवैट लेखा-परीक्षा के लिए लागत लेखाकारों की सेवाओं का प्रभावी प्रयोग किया जाए। डेस्क समीक्षा के लिए लागत लेखाकारों की सेवाओं के प्रयोग संबंधी मामला भी उठाया गया। उत्पाद शुल्क आंकलन में लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। आईसीडब्ल्यूआई ने यह भी उल्लेख किया कि व्यावसायिकों द्वारा निवेष्टि-उत्पादन अनुपात के प्रमाणन के उचित कार्यतंत्र से राजस्व संग्रहण की कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

3. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा के क्षेत्र में लागत लेखाकारों की सेवाओं की क्वालिटी में सुधार लाने के लिए कोलकाता (3), दिल्ली (2), मुंबई, चेन्नई, बंगलौर, हैदराबाद और मुबनेश्वर जैसे विभिन्न स्थानों पर उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा और सेवा कर विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 500 व्यक्ति उपस्थित हुए और सहभागियों की सूची महानिदेशक, लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क को प्रस्तुत की गई। यह सूची आईसीडब्ल्यूआई की वेबसाइट पर डाल दी गई जिससे उत्पाद शुल्क विभाग उसका उपयोग कर सके।

4. आईसीडब्ल्यूआई ने ऐसे अनेक राज्यों को अभ्यावेदन दिए जिन्होंने अपने-अपने राज्यों में वैट अधिनियम के तहत लेखा-परीक्षा के लिए लागत लेखाकारों को शामिल नहीं किया था। राजस्थान तथा मध्य प्रदेश जैसे नए राज्यों के संबंधित प्राधिकारियों को जहां वैट हाल ही में लागू किया गया, अभिवेदन किए गए कि अगले संशोधन के दौरान लागत लेखाकारों की सेवाओं को मान्यता प्रदान करें।

5. लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए आईसीडब्ल्यूआई राष्ट्रीय पुरस्कारों का श्री प्रवाकर मोहनती, अध्यक्ष और श्री राकेश सिंह, सीसीएम, संयोजक के मार्गदर्शन में दिल्ली 22-12-2005 को नई दिल्ली में आयोजन किया गया। इन पुरस्कारों के लिए डा० ए० जी० अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक (वित्त), सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लि० की अध्यक्षता में एक जांच-समिति का गठन किया गया और पुरस्कार विजेताओं के चयन हेतु श्री टी.एस. कृष्णमूर्ति, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त की अध्यक्षता में एक निर्णायक

मण्डल गठित किया गया। ये पुरस्कार निम्नलिखित विजेताओं को सुश्री कोमल आनन्द, सचिव, एमसीए द्वारा प्रदान किए गए:-

	सरकारी क्षेत्र निर्माण (उत्पादन 250 करोड़ रु. से अधिक)	निजी निर्माण(उत्पादन 250 करोड़ रु. से अधिक)	लघु कंपनियाँ - निर्माण क्षेत्र (उत्पादन 250 करोड़ रु. से कम)	सेवा क्षेत्र
प्रथम पुरस्कार	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि०	हिंदुस्तान इंडस्ट्रीज लि०	हिंदुस्तान लेटेक्स लि०	सत्यम कंप्यूटर्स लि०
द्वितीय पुरस्कार	गुजरात स्टे रटिलाइजर्स लि०	टाटा स्टील लि०	जीकेएम डाइवेलान इंडिया लि०	गेल(इंडिया)लि० जेएलपीएल एलपीजी ट्रांसमिशन यूनिट, सर्वोत्तम निष्पादन यूनिट
तृतीय पुरस्कार	गेल(इंडिया) लि०, गंधार एलपीजी प्लांट- सर्वोत्तम निष्पादन यूनिट	जिंदल स्टील एंड पावर लि०	सेन्ट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लि०	

उत्तम निष्पादन पुरस्कार भी (क) स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लि० (ख) ऑयल एण्ड नेचुरल गैस कारपोरेशन लि० (ग) भारती हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि० (घ) विशाखापत्तनम स्टील प्लांट-आरआईएन (ड.) श्री सीमेंट लि० (इ) हीरो हॉन्डा मोटर्स लि०; और (छ) अमिशेष इण्डस्ट्रीज लि० को प्रदान किए गए।

6. सदस्यों के लिए निम्नलिखित प्रकाशनों का प्रकाशन किया गया:-

- (क) 'परिवहन की औसत (एकरूपकृत) लागत का निर्धारण' विषय पर लागत लेखाकरण मानक-5
- (ख) लेस्क समीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी
- (ग) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत मूल्यांकन लेखा-परीक्षा के संबंध में मार्गदर्शी टिप्पणी
- (घ) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत सेनवैट लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी
- (ड.) उत्पाद शुल्क लेखा परीक्षा और सेवा शुल्क पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए पाठन सामग्री।

7. निम्नलिखित उपबंध करने के लिए कंपनी अधिनियम, 1956 में संशोधन करने संबंधी प्रस्ताव कंपनी कार्य मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किए गए:-

- i) बेहतर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, प्रबंध-मण्डल द्वारा दिए गए प्रमाण-पत्र के स्थान पर लेखाकारों द्वारा कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट के प्रयोजनार्थ मालसूची के मूल्य का प्रमाण-पत्र।
- ii) सही-सही खण्डवार रिपोर्टिंग के प्रयोजनार्थ सामूहिक व्यय/परिसम्पत्तियों के आबंटन के लिए उचित लागत लेखा-प्रणाली।
- iii) संबद्ध पक्षकार लेन-देन के मामले लागत लेखाकारों द्वारा उचित हस्तांतरण कीमत-निर्धारण को अपनाने संबंधी प्रमाण-पत्र।

8. व्यवसाय पुनर्संरचना, विलयन, सामेलन, आदि के मामले में शेष/कारोबार के मूल्यांकन का ध्यान रखने के उद्देश्य से कारपोरेट मूल्यांकक संस्थान के एक स्वतंत्र निकाय के रूप में निर्माण संबंधी प्रस्ताव कंपनी कार्य मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया। एमसीए ने दो कार्यदलों का गठन किया। पहले कार्यदल जिसमें श्री चन्द्रा वधवा, सीसीएम अध्यक्ष के रूप में और आईसीएआई तथा आईसीएससी से एक-एक सदस्य शामिल है, को कारपोरेट मूल्यांककों हेतु एक संस्थागत ढांचे के संबंध में उसकी जरूरत की जांच करने और अपने सुझाव देने का दायित्व सौंपा गया है। दूसरे कार्यदल जिसमें श्री एस. सन्तानाकृष्णन, सीसीएम, आईसीएआई को अध्यक्ष पद पर, श्री राकेश सिंह, सीसीएम को सदस्य और आईसीएआई के एक सदस्य को शामिल किया गया, को इस संस्थान के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने संबंधी कार्य दिया गया।

बैंकिंग, बीमा तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रम

बैंकिंग, बीमा तथा सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों संबंधी समिति ने डब्ल्यूआईआरसी के सहयोग से बैंकिंग, बीमा तथा वित्तीय क्षेत्र में नव परिवर्तनशील तौर-तरीकों के विषय पर मुंबई में दिनांक 25-26 नवम्बर, 2005 को एक राष्ट्रीय रोमिनार का आयोजन किया। बैंकिंग क्षेत्र तथा बीमा उद्योग के वरिष्ठ सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में व्यावसायिक सेवाओं की आवश्यकता के क्षेत्रों को अभिज्ञात करने में अपनी-अपनी विशेषज्ञता का योगदान किया और विभिन्न वित्तीय उत्पादों के समग्र प्रबंधन में कार्यनीति निर्णयन में सहायता देने हेतु लागत डाटाबेस के 'सृजन पर विशेष बल दिया, श्री सी.पी. जैन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी ने वित्तीय क्षेत्र में सांविधिक लागत लेखाकरण और लागत लेखा-परीक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। लागत लेखा रिकॉर्ड (बैंकिंग) नियमावली का मसौदा श्री के.नरसिम्हा मूर्ति, प्रैक्टिस कर रहे लागत लेखाकार द्वारा विकसित किया जाएगा।

लागत लेखा मानक बोर्ड

लागत लेखा मानक बोर्ड द्वारा आर्म्स लेख कीमत-निर्धारण संबंधी प्रारूप सीएएस 6 और संयुक्त उत्पादों तथा उपोत्पादों के लागत संबंधी प्रारूप सीएएस 7 की पुनरीक्षा की गई। उपरोक्त दो मानकों को अन्तिम रूप जल्दी जल्दी दिलवाने के लिए कौंसिल द्वारा, सीएएस 6 और सीएएस 7 के लिए क्रमशः श्री चन्द्रा वधवा, सीसीएम और श्री ए.के. कपूर, सलाहकार (लागत), लागत लेखा-परीक्षा ब्रांच, कंपनी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की अध्यक्षता में दो अलग-अलग कृतिक बलों का गठन किया गया। 'माल सूची की लागत', 'सेवाओं की लागत' और 'निविष्टि ऋण की लागत' विषयों के संबंध में लागत लेखा मानकों को विकसित किया जा रहा है।

डब्ल्यूटीओ तथा अन्तर्राष्ट्रीय मामले

डब्ल्यूटीओ तथा अन्तर्राष्ट्रीय मामले समिति ने डब्ल्यूटीओ प्रणाली में लेखाकारों, विशेषरूप से लागत लेखाकारों की भूमिका को पुनर्परिभाषित करने में महत्वपूर्ण प्रयास किए। समिति ने इस संबंध में नीति संबंधी दिशानिर्देशों के सुझाव देने में सक्रिय हिस्सा लिया।

कंपनी कार्य मंत्रालय में हुई एक बैठक जिसमें दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया, दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया और दि इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया के प्रतिनिधि उपस्थित हुए थे, में निम्नलिखित नीति संबंधी दिशा-निर्देशों के सुझाव दिए गए:-

- (i) लेखा क्षेत्र में भारत को चाहिए कि वह मोड 1,2 तथा 4 के तहत भारतीय व्यावसायियों के लिए पहुंच की अनुमति हेतु और अधिक संख्या में देशों को अनुरोध करे। मोड 3 के तहत अनुरोध में पारस्परिक ऑफर पर अपेक्षित होगी। अतः इंस्टीट्यूट अनुरोध करने की व्यावहारिकता की और आगे जांच कर सकेगा।
- (ii) यू.के., यू.एस.ए., कनाडा, आदि जैसे विकसित देशों के व्यवसायी निकायों के साथ एमआरए के प्रयोजनार्थ बेहतर वार्ता लाभ प्राप्त करने हेतु सूचना एवं प्रशिक्षण की क्वालिटी में सुधार करने के लिए इंस्टीट्यूट को और अधिक संबंधित प्रयास करने चाहिए।
- (iii) इंस्टीट्यूट को चाहिए कि वह उपरोक्त देशों के व्यावसायिक इंस्टीट्यूट के अपने प्रतिपक्ष से वार्ता करे और दूसरे चरण में सरकार उन देशों के प्रतिपक्ष से वार्ता प्रक्रिया आरंभ करेगी।

डब्ल्यूटीओ के तहत वार्ता प्रक्रिया हेतु अनुरोध और संशोधित ऑफर पर निर्णय लेने और सिफारिश करने के लिए मंत्रालय द्वारा डब्ल्यूटीओ के संबंध में तीनों इंस्टीट्यूटों के प्रतिनिधियों वाले एक कार्यदल का गठन किया गया।

वाणिज्य मंत्रालय ने भारतीय तथा ब्रिटिश लेखा व्यवसायों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एक इण्डिया-यू.के. लेखा कृतिक बल का गठन किया। भारतीय पक्ष की ओर से श्री चन्द्रा वधवा, अध्यक्ष, डब्ल्यूटीओ एवं अन्तर्राष्ट्रीय मामले समिति को उसमें सदस्य के पद पर नामित किया गया है।

लेखा-परीक्षा समिति

इस समिति के कार्यचालन हेतु काउंसिल द्वारा निर्मित मार्गदर्शी सिद्धांतों में निम्नलिखित शामिल हैं-

(1) निम्नलिखित के संबंध में नीतियों को अन्तिम रूप देना:-

- (क) लेखा कार्य के सभी पहलुओं के लिए लागू लेखा नीति एवं नियम पुस्तिका
- (ख) इंस्टीट्यूट द्वारा सृजित बेशी निधियों का निवेश
- (ग) इंस्टीट्यूट के सुचारु कार्यचालन हेतु वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन

(2) इंस्टीट्यूट के सुव्यवस्थित कार्यचालन के लिए निम्नलिखित प्रणालियां बनाना; उनका विकास तथा कार्यान्वयन करना:-

- (क) पूंजी व्यय को मानिटर करना
- (ख) आन्तरिक तथा सांविधिक लेखा परीक्षकों की सिफारिशों के कार्यान्वयन की प्रगति
- (ग) पूरे इंस्टीट्यूट के एकसमान लेखा नीतियों का कार्यान्वयन
- (घ) बजटीय प्रक्रिया तथा उसकी पुनरीक्षा
- (ङ) इंस्टीट्यूट के लेखाओं का समेकन
- (च) इंस्टीट्यूट की परिसंपत्तियों का कारगर जोखिम प्रबंधन

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान समिति की पांच बैठकें हुईं और उनमें उपरोक्त मार्गदर्शी सिद्धांतों के कार्यान्वयन के लिए कई उपाय किए गए जिनमें शामिल हैं- चार क्षेत्रीय लेखा-परीक्षा समितियों का गठन और क्षेत्रीय परिषदों तथा सभाओं में कार्यान्वयन को सुकर बनाने हेतु विचारार्थ विषयों को जारी करना।

क्षेत्रीय परिषदें तथा सभाओं में समन्वय

47वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, सभाओं की बैठक होटल स्वोस्ति प्लाजा, भुवनेश्वर में दिनांक 20 जनवरी, 2006 को हुई। इस बैठक की अध्यक्षता श्री डी.वी. जोशी, सीसीएम द्वारा की गई। इसमें क्षेत्रों तथा सभाओं के प्रतिनिधि उपस्थित हुए और इंस्टीट्यूट के विभिन्न मामलों तथा व्यावसायिक विकास के मामलों के संबंध में रचनात्मक विचारों का आदान-प्रदान किया गया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशंसनीय कार्य-निष्पादन के प्रमाण के रूप में निम्नलिखित सभाओं को मानोपाधि तथा पट्टिका प्रदान की गई:-

क्षेत्र का नाम	सभा का नाम
डब्ल्यूआईआरसी	पुणे, औरंगाबाद तथा गोवा सभाएं
एसआईआरसी	हैदराबाद, तिरुवनन्तपुरम तथा मदुरै सभाएं
ईआईआरसी	कटक-भुवनेश्वर आसनसोल तथा रांची सभाएं
एनआईआरसी	जयपुर, हरद्वार-त्रिविकेश तथा चंडीगढ़ सभाएं

पश्चिमी भारत क्षेत्रीय परिषद (डब्ल्यूआईआरसी)

डब्ल्यूआईआरसी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए:

1. 'एक विश्वव्यापी वित्त कार्यकारी अधिकारी बनें' विषय पर दो दिवसीय सेमिनार पुणे में, पुणे सभा और डब्ल्यूआईआरसी द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 29-30 जुलाई, 2005 को आयोजित किया गया। इसमें श्री आर.टी. गोयल, अध्यक्ष, वित्त, प्रीमियम इनर्जी ट्रांसमिशन लि० मुख्य अतिथि और डा० गिरीश पी. जखोटिया, मैनेजमेंट कन्सल्टेंट मुख्य संकाय

रहे। श्री अजय जोशी, निदेशक (वित्त), अल्फा लावेल लि० ने भी एक सत्र का आयोजन किया।

2. ज्ञान प्रबंधन, स्ट्रेस मैनेजमेंट और दल निर्माण के संबंध में दिनांक 27-28 अगस्त, 2005 को पुणे सभा के साथ सीईपी पर दो दिवसीय संयुक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री आर.के. जैन, सरकारी नामिती और सीसीएम रहे। वक्ताओं में श्री हेराल्ड डी कोस्टा, प्रो० (श्रीमती) विजया पुरानिक तथा डा० एस.डब्ल्यू. देशपाण्डे थे। सर्वश्री डी.वी. जोशी, के.जी. गोयल, वी.सी. कोठारी तथा चन्द्रा वधवा, सभी सीसीएम भी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए। 'लाम आयोजना प्रक्रिया में एकीकृत दृष्टिकोण' विषय पर भी दिनांक 24.9.2005 को एक और कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें श्री ए.एन. चोकसे, उपाध्यक्ष (वित्त एवं वाणि.), गोदरेज एण्ड बॉयसे मैन्स, कं० लि० (सेवानिवृत्त) संकाय थे। 'ईवीएस पर विशेष बल वाली लाम प्रबंधन प्रोत्साहन प्रणाली' विषय पर दिनांक 1-10-2005 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें श्री ए.एन. चोकसे भी संकाय थे।

3. दिनांक 8.10.2005 को 'अवसर परामर्शी सेवा क्षेत्र' के संबंध में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें फैंकल्टी रिलायंस इन्फोकाम लि० के श्री आर.एन. भावे रहे। 'सेवा शुल्क - निर्माण सेवाओं एवं माल परिवहन सेवाओं में गहन विकसित प्रशिक्षण' विषय पर एक अर्द्ध-दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें फैंकल्टी श्री वी.एस. दाते, विशेषज्ञ, अप्रत्यक्ष कराधान थे।

4. 'सेवा कर के तहत छूट - व्यवसाय सहायक सेवाएं तथा अन्य' नामक विषय पर दिनांक 12.11.2005 को एक अन्य अर्द्ध-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें फैंकल्टी डब्ल्यूआईआरसी के श्री संजय भार्गव थे। दिनांक 19.11.2005 को 'पूँजी निवेश - एक जटिल विश्लेषण' के संबंध में एक अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें फैंकल्टी श्री विश्वनाथ आर. बेर्दे, वरिष्ठ लागत लेखाकार थे।

5. बीमा, बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाओं के संबंध में दो दिवसीय सेमिनार दिनांक 25-26 नवंबर, 2005 को आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन श्री सी.पी. जैन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी लि० ने किया। इस कार्यक्रम में सर्वश्री आर.के. जैन, डी.वी. जोशी, के.जी. गोयल, चन्द्रा वधवा, सभी सीसीएम उपस्थित हुए। प्रतिनिधिनिधियों को सर्वश्री आर.के. जैन, सरकारी नामिती एवं सीसीएम, जे.के.पुरी, सलाहकार (लागत) और पूर्व-अध्यक्ष, माननीय अतिथियों ने संबोधित किया। श्री के.जी. गोयल, सीसीएम ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। श्री जयराम अरुण, सीएमडी, एसएचसीएल ने प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। इसमें वक्ता डा० ए.डी. काले, पूर्व-कार्यकारी निदेशक, मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और श्री एन.एस. राव, निदेशक, बेस्कोन लि० थे। दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री चन्द्रा वधवा ने की। अन्य दो वक्ता सर्वश्री के.राजगोपालन, मुख्य विदेशी मुद्रा व्यापारी, कोटक महिन्द्रा बैंक लि० और शिवा कुमार शाखा प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र थे। इसके विषय ये थे - 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन के पहलू' और 'परिसंपत्ति प्रबंधन की जटिलता'। पहले दिन के तीसरे एवं अन्तिम तकनीकी सत्र के अध्यक्ष और औरंगाबाद के श्री ए.आर.जोशी रहे थे। 'बीच दावों का निपटान, कल्पना एवं वास्तविकता' विषय पर वक्तागण सर्वश्री एन. रविन्द्र, उपाध्यक्ष, टाटाएआईजी और दीपक गोडबोले, उप प्रबंधक, जीआईसी थे। चतुर्थ तकनीकी सत्र 'जोखिम प्रबंधन' विषय पर रहा था। इसकी अध्यक्षता अहमदाबाद सभा के श्री पी.डी. मोद ने की। इसमें वक्ता श्री प्रकाश पाथे, विदेशी मुद्रा परामर्शदाता थे।

पंचम सत्र के अध्यक्ष श्री पी.डी. पडके, पूर्व-अध्यक्ष थे। इसमें 'बीमा विपणन तथा बैंकिंग हेतु प्रवर्तक तौर-तरीके' नामक विषय के वक्तागण सर्वश्री जयदीप देवाळे, निदेशक, महिन्द्रा इश्योरेंस ब्रोकर्स लि० और इकनामिक टाइम्स के अनंनव पाण्ड्या थे। छठा सत्र 'सतत प्रतिपत्ति लाम हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग' विषय के संबंध में था। इसकी अध्यक्षता श्री यात्रिक विन, उपाध्यक्ष, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, मुंबई ने की और सर्वश्री चिराग

उनाडकर, सीईओ, डब्ल्यूआईआरएसए इण्डिया, मुंबई और हेराल्ड डी कोस्टा, साफ्टवेयर व्यवसायी अन्य दो वक्तागण थे। विदाई भाषण सत्र में वक्ता श्री प्रकाश ओक, पूंजी निवेश परामर्शदाता थे। मंच पर श्री के.जी.गोयल और प्रो० बी.एन.लाड उपस्थित रहे। इस सेमिनार में सर्वश्री पी.डी.फडके, पीएस नादरणी, वी.वी. देवधर सभी पूर्व अध्यक्ष और डब्ल्यूआईआरसी के पूर्व-अध्यक्ष सर्वश्री एम.के.कनाडे, अजित एन.पटेल, कीर्ति बी.मेहता, एस.आर.कले और वाई.आर.दोशी, आश्विन जी. दालवाडी तथा संजय भार्गव उपस्थित रहे।

6. 'उत्पाद शुल्क लेखा-परीक्षा के तहत डेस्क समीक्षा -2000' विषय पर दिनांक 3.12.2005 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें श्री वी.वी. देवधर, पूर्व-अध्यक्ष मुख्य अतिथि थे और फैकल्टी सर्वश्री एस.आर.भार्गव और वी.एस. दाते थे। इस विषय पर नागपुर अहमदाबाद और भोपाल में क्रमशः 20.11.2005, 27.11.2005 और 12.2.2005 को नागपुर सभा के साथ संयुक्त रूप से एक अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। उत्पाद शुल्क की डेस्क समीक्षा में लागत लेखाकारों की उभरती भूमिका विषय पर नागपुर सभा और डब्ल्यूआईआरसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यशाला का श्री बी.एस.गानू, आईआरएस, मुख्य आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क, नागपुर द्वारा उद्घाटन किया गया। इसमें सर्वश्री पी.वी. भाट्ट और डा० एन.एम.देवलेकर ने इस अवसर पर भाषण दिया तथा इसमें श्री वी.एस.दाते और श्री संजय भार्गव मुख्य वक्ता रहे। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बी.एस.वासुदेव, आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क द्वारा किया गया। भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में श्री एस.जोसेफ, संयुक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्य अतिथि और डब्ल्यूआईआरसी के वर्तमान एवं पूर्व अधिकारी मुख्य वक्ता थे।

7. 'विदेशी मुद्रा प्रबंधन/फेमा 1999 एवं विनियमितरहित वातावरण' विषय पर दिनांक 4.2.2006 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें श्री प्रकाश पाथे, विदेशी मुद्रा परामर्शदाता एवं प्रशिक्षक प्रवर संकाय थे। 'कार्यशील पूंजी पर विशेष बल के साथ परिसमापन प्रबंधन' विषय पर दिनांक 25.3.2006 को भाषण का आयोजन किया गया जिसमें श्री ए.एन.चौकसे, गोदरेज एण्ड वॉएस मैन्यू, कं. लि. फैकल्टी थे।

8. 'बल्क औषधियों एवं प्रतिपादन उद्योग संबंधी लागत लेखा रिकार्ड नियमावली और लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट नियमावली' विषय पर दिनांक 22.4.2006 को एक-दिवसीय सेमिनार आयोजित किया जिसका उद्घाटन श्री प्रकाश पाथे, सलाहकार(लागत), लागत लेखा शाखा ने किया। इस सेमिनार में श्री एम.एच. नरसिम्हन, मुख्य कार्यकारी, आरपीजी लाइफ साइंसेज लि० मुख्य अतिथि थे। सर्वश्री कीर्ति बी. मेहता, प्रैक्टिस कर रहे सदस्य, वी.जी. फडके, वित्तीय नियंत्रक, आरपीजी लाइफ साइंसेज लि० और डी.वी.जोशी, सीसीएम इसमें वक्ता थे। इन वक्ताओं के अतिरिक्त, सर्वश्री वी.सी.कोठारी, सीसीएम और प्रकाश सेवेकरी पैनल में रहे।

9. 'केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सेवाकर एवं नियमावली' विषय पर दिनांक 23 से 25 जून 2006 तक तीन-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती लिपिका मजुमदार रायचौधुरी, आयुक्त, सेवा कर ने किया। इस अवसर पर सर्वश्री वी.एस. दाते, संजय भार्गव, अशोक नवल, ईओयू तथा एसजी जेड विशेषज्ञ, एन.के.निमकर लागत लेखाकार डा० नीलेश सूचाक, डी.वी. जोशी, ए.जी. दालवाडे, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग वक्तागण थे। श्री आर.के.भार्गव, आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क इस अवसर पर उपस्थित हुए।

10. 'एमसीए-21 ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट' विषय पर एक अर्द्ध-दिवसीय सेमिनार दिनांक 24.6.2006 को आयोजित किया गया जिसका उद्घाटन श्री वी.एस.राव, क्षेत्रीय निदेशक, एमसीए, मुंबई द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री वी.ए. विजयन मेनन, कंपनी पंजीयक, एमसीए ने शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम का समन्वय सर्वश्री डी.वी. जोशी और वी.सी.कोठारी ने किया।

11. डब्ल्यूआईआरसी ने दिनांक 20.3.2006 को एक बैठक की, जिसकी अध्यक्षता श्री वी.सी.कोठारी ने की। प्रारूप विनियमनों तथा अन्य व्यावसायिक मामलों पर सुझावों के संबंध में दिनांक 24.6.2006 को एक

अन्य सदस्यता बैठक भी हुई। श्री वी.सी.कोठारी ने सीडब्ल्यूए अधिनियम की मुख्य-मुख्य विशेषताओं और महत्वपूर्ण उपबंधों के बारे में विस्तार से बताया। श्री डी.वी.जोशी ने व्यावसायिक हितों के अनेक अन्य मामलों पर हुई चर्चाओं का नेतृत्व किया। इन चर्चाओं में बड़ी संख्या में सदस्यों ने सक्रिय हिस्सा लिया।

12. नागपुर सभा द्वारा दिनांक 23.4.2006 को 'भारतीय अर्थव्यवस्था पर डब्ल्यूटीओ के प्रभाव का आकलन' विषय पर क्षेत्रीय लागत सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन श्री डी.के. वर्मा, निदेशक(वित्त), कोल इण्डिया लि० द्वारा किया गया। इसमें श्री डी.बी. जोशी मुख्य वक्ता थे। इस समारोह की अध्यक्षता श्री बी.एम.शर्मा, उपाध्यक्ष ने की। इस अवसर पर सर्वश्री श्यामल बनर्जी, पूर्व-अध्यक्ष, अशोक कुमार, सलाहकार(लागत), एमसीए, श्यामल भट्टाचार्य, निदेशक(वित्त), डब्ल्यूसीएल, आर.के.जैन, बी.सी.कोठारी, सीसीएम और पी.बी.भट्टाच ने भी शोभा बढ़ाई। श्री एस.भट्टाचार्य, निदेशक (वित्त), डब्ल्यूसीएल ने कोयला खनन द्वारा विशेषरूप से विदर्भ क्षेत्र में सामने आ रही आशंकाओं पर प्रकाश डाला। श्री डी.बी. जोशी ने डब्ल्यूटीओ के बौद्धिक, विभिन्न करारों, विश्वव्यापीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसके सकारात्मक प्रभावों, आदि मुद्दों पर संक्षेप में बताया।

प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री बी.मंजुमदार, सीसीएम ने की। इसमें सर्वश्री श्यामल बनर्जी, पूर्व-अध्यक्ष और सभा के पूर्व-अध्यक्ष श्री सुरेश सलूजा वक्तागण थे। जहाँ श्री श्यामल बनर्जी ने 'डब्ल्यूटीओ तथा भारतीय अर्थव्यवस्था' पर भाषण दिया, वहीं श्री सुरेश सलूजा ने 'भारतीय सेवा क्षेत्र पर गाटस (डब्ल्यूटीओ) के प्रभाव और अर्थव्यवस्था की तीव्र वृद्धि हेतु त्वरित विकास माडल' विषय पर संबोधित किया। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री आश्विन दालवाडी ने की और मिलानकर्ता श्री अरूण कुमार, संयुक्त सचिव, नागपुर सभा थे। श्री अरूण गोयल, प्रबंधन परामर्शदाता ने 'कृषि एवं उद्योग पर डब्ल्यूटीओ के प्रभाव का आकलन' विषय पर और उसके पश्चात श्री वी.सी.कोठारी ने 'पाटनरोधन' विषय पर भाषण दिया। तृतीय सत्र की अध्यक्षता श्री संजय भार्गव ने की। श्री वधवा ने 'व्यवसायियों विशेषरूप से लागत लेखाकारों पर डब्ल्यूटीओ के प्रभाव का आकलन' विषय पर और श्री भावे ने 'बीपीओ पर डब्ल्यूटीओ के प्रभाव का आकलन' विषय पर संबोधित किया। समापन सत्र की अध्यक्षता श्री के.जी. गोयल ने की। इसमें श्री पी.डी. फडके, पूर्व-अध्यक्ष और भारी संख्या में प्रतिनिधिगण भी उपस्थित हुए। इस सम्मेलन के दौरान सभाओं की बैठक तथा सदस्यों की बैठक का भी आयोजन किया गया।

13. खादी कार्यक्रम एवं मानीटरिंग निदेशालय, खादी एवं ग्रामीण उद्योग आयोग, द्वारा सौंपी गई अनुप्रयुक्त अनुसंधान परियोजना को रिकॉर्ड समयावधि के भीतर पूरा किया गया। यह अनुसंधान परियोजना 'विभिन्न स्थानों पर विनिर्मित 8-कताई चरखा एवं करघों की लागत' के संबंध में थी।

14. डब्ल्यूआईआरसी को रिलायंस इण्डस्ट्रीज लि० के जामनगर पेट्रोलियम परिसर में उसके कर्मचारियों के लिए 'रिलायंस प्रमाणित लेखाकार' शीर्षक पर दीर्घावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन का कार्य सौंपा गया था। यह कार्यक्रम जुलाई, 2004 से आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक का कार्य श्री आश्विन जी दालवाडी ने किया।

15. महाराष्ट्र विद्युत विनियामक आयोग (एमईआरसी) के समिति-सदस्य के रूप में डब्ल्यूआईआरसी और इसके प्रतिनिधिगण इस समिति की बैठकों में सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं और विद्युत टैरिफ निर्धारण, समाज के कमजोर वर्गों को विद्युत वितरण, कृषि को सहायता प्राप्त दरों पर सप्लाई, आदि जैसे विभिन्न मुद्दों पर अपने-अपने विचार एवं सुझाव दे रहे हैं। इस प्रकार, सामाजिक वचनबद्धता के रूप में दुर्लभ संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग की लक्ष्य-प्राप्ति की दिशा में काम कर रहे हैं।

दक्षिण भारतीय क्षेत्रीय परिषद (एसआईआरसी)

एसआईआरसी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए-

1. 'विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा के अन्तर्गत सुयोग्यता निर्माण' के संबंध में दिनांक 16.4.2005 को हीरक जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन उच्चतम न्यायालय के पूर्व-न्यायाधीश माननीय श्री एस.मोहन महोदय द्वारा किया गया। श्री ए.एस.दुर्गा प्रसाद, सम्मेलन के अध्यक्ष तथा सीसीएम ने जन-समूह का स्वागत किया और डा० एच.आर.सुब्रमण्य, अध्यक्ष ने अपना भाषण किया। इस अवसर पर संयुक्त उत्पाद एवं उपोत्पाद की लागत-निर्धारण, अनुसंधान एवं विकास लागतों, लूटमार कीमत, आर्म्स लेख कीमत, डब्ल्यूटीओ के तहत उपदान-विरोध और पाटनरोधन तथा अप्रत्यक्ष करों के तहत निविष्टि ऋणों के संबंध में छः विनिबंध रिलीज किए गए। इन विनिबंधों के संबंध में श्री एम.गोपालकृष्णन, सीसीएम ने एक संक्षिप्त भाषण दिया। इस क्षेत्र के पूर्व-अध्यक्षों सर्वश्री वी.कल्याणरामन, ए.वी.रामन्ना राव, एस.रामनाथन, एन.पी. सुकुमारन और बी.वी.रामन्ना मूर्ति को उनकी गाढ़े में सहायता के लिए सम्मानित किया गया।

2. इस समारोह के भाग के रूप में 'विश्व अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा' विषय पर दिनांक 17.4.2005 को एक हीरक जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन श्री वी.कल्याण रामन, पूर्व-अध्यक्ष ने किया। यह सेमिनार चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया और प्रत्येक सत्र को उद्योग जगत की प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा संबोधित किया गया। श्री टी.एस.कृष्णमूर्ति, मुख्य चुनाव आयुक्त इसके विदाई-समारोह सत्र में मुख्य अतिथि थे। इसमें डा० एच.आर. सुब्रमण्य, अध्यक्ष ने तथा श्री प्रवाकर मोहन्ती, उपाध्यक्ष ने सहभागियों को संबोधित किया।

'ज्येष्ठस्य उत्कृष्टता हेतु अभिमुखीकरण' विषय पर दिनांक 6-7 जनवरी, 2006 को क्षेत्रीय लागत सम्मेलन आयोजित किया जिसका उद्घाटन सुश्री भक्ति का श्रीनिवासन, निदेशक, ट्रैक्टर्स एण्ड फार्म्स इक्विपमेंट लि० द्वारा किया गया। जहां श्री आर.नारायणन, अध्यक्ष, सम्मेलन समिति ने प्रतिनिधियों का स्वागत किया वहीं श्री एम.गोपालकृष्णन, सीसीएम ने इस विषय पर भाषण दिया और श्री प्रवाकर मोहन्ती ने अपना अध्यक्षीय भाषण दिया। प्रो० बी.वी.बालचन्द्रन, केलोंग स्कूल आफ मैनेजमेंट, सं.रा. अमरीका ने अपना भाषण दिया। इसमें तीन तकनीकी सत्र हुए।

4. जीवन मूल्यों के संबंध में माननीय श्री एम.कर्पणा विनियमन, न्यायाधीश, भद्रास उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 15.7.2005 को 10वां बसवराजू स्मारक व्याख्यान दिया गया। डा० एच.आर.सुब्रमण्य ने अपना अध्यक्षीय भाषण दिया। एसआईआरसी के अन्य कार्यालय अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित थे।

5. 'लागत आनन्दोत्सव, 2006' विषय पर दिनांक 17 से 18 मार्च, 2006 तक लागत प्रबंधन में कार्यनीतिक पहलों के संबंध में आयोजित वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन श्री वी.कल्याणरामन, पूर्व-अध्यक्ष द्वारा किया गया। इस सम्मेलन को चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। 18वें लागत आनन्दोत्सव पर बजट प्रभावों के संबंध में ध्यान केंद्रित किया और इसे भी दो तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया।

6. व्यावसायिक विकास बैठकों के एक भाग के रूप में पाटनरोधन, उपदान विरोध तथा रक्षा उपायों के संबंध में आईसीएसआई के साथ संयुक्त रूप से दिनांक 16.12.2005 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन श्री एम.साई कुमार, आईएसए, संयुक्त निदेशक, क्षेत्रीय विदेश व्यापार निदेशालय ने किया। श्री एम.गोपालकृष्णन, सीसीएम ने सहभागियों को संबोधित किया और श्री जे.श्रीधरन, अध्यक्ष, एसआईआरसी ने वक्ता का परिचय कराया। इस सेमिनार को चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया जिनमें कंपनी प्रतिनिधिगण और इन दोनों संस्थानों के प्रैक्टिस कर रहे सदस्य उपस्थित हुए। 'विजय कनाडा व्यावसायिकों के लिए उपलब्ध अवसर' विषय पर दिनांक 19.12.2005 को एसआईआरसी और आईसीएसआई ने संयुक्त रूप से एक अन्य बैठक का आयोजन किया। सुश्री उमा वैकटसमन, निदेशक एवं

आप्रवासन सलाहकार कनाडाई आप्रवासन परामर्शदाता सोसायटी ने कनाडा में व्यावसायिकों के लिए शिक्षा एवं रोजगार अवसरों के संबंध में संबोधित किया। 'एमसीए 21 के तहत ई-गवर्नंस परियोजना' विषय पर आईसीएसआई और आईसीएसआई ने दिनांक 25.3.2006 को एक संयुक्त बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री आर.वासुदेवन, क्षेत्रीय निदेशक, एमसीए ने किया। इसमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा एमसीए 21 पर प्रकाश डाला और उसके बाद खुली सदन-चर्चा हुई जिसमें श्री बी.एन.हरीश, कंपनी पंजीयक ने उठाए गए प्रश्नों का स्पष्टीकरण दिया। इस कार्यक्रम में तीनों संस्थानों के 300 से भी अधिक सहभागियों ने हिस्सा लिया। दिनांक 8.5.2005 को एक प्रैक्टिसर बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता श्री पी.एस.एम हमीद, अध्यक्ष, एसआईआरसी ने की। श्री एम. गोपालकृष्णन, सीसीएम ने सदस्यों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का स्पष्टीकरण किया। दिनांक 26.6.2005 को एक अन्य बैठक हुई जिसमें श्री पी.एस.एम. हमीद ने सदस्यों का स्वागत किया और श्री एम.गोपालकृष्णन ने उसमें उठाए गए प्रश्नों का स्पष्टीकरण दिया। इन दोनों बैठकों में अनेक प्रैक्टिसर उपस्थित हुए।

7. फ्रिज बेनिफिट और सेवा कर के संबंध में दिनांक 24.6.2005 को एक सेमिनार किया गया। इसका उद्घाटन श्री एस.राजारत्नम, कर परामर्शदाता ने किया। श्री आर.नारायणन, उपाध्यक्ष ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और विषय का सिल्लावलोकन किया। श्री एम.गोपालकृष्णन ने इस विषय के महत्व पर विस्तार से बताया। इसे चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। 'टीडीएस, ईटीडीएस और लेखा मानक' के संबंध में दिनांक 20.7.2005 को एक सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें श्री आर.नारायणन ने प्रतिनिधिगणों तथा वक्ताओं का स्वागत किया। इसे चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। फ्रिज बेनिफिट टैक्स के संबंध में दिनांक 29.8.2005 को एक अर्द्ध-दिवसीय सेमिनार किया गया जिसका उद्घाटन श्री आर.नारायणन द्वारा किया गया। यह सेमिनार चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। 'गैर-वित्त कार्यकारी अधिकारियों के लिए वित्त' के संबंध में दिनांक 12-13 सितंबर, 2005 को एक दो-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कंपनी प्रतिनिधिगण उपस्थित हुए। ट्रांसफर प्राइसिंग के संबंध में दिनांक 20.10.2005 को एक अन्य सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन श्री आर.नारायणन द्वारा किया गया। यह सेमिनार चार तकनीकी सत्रों में विभाजित किया गया। 'केन्द्रीय उत्पाद शुल्क - डेस्क समीक्षा लेखा परीक्षा' विषय पर दिनांक 29.10.2005 को एक अर्द्ध-दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। श्री आर.नारायणन ने सहभागियों का स्वागत किया और श्री एम.गोपालकृष्णन, सीसीएम ने इस विषय का परिचय कराया। श्री एन.श्रीनिवासन, सहायक निदेशक (लागत), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग, कोच्चि ने इस विषय पर भाषण दिया। प्रैक्टिस कर रहे सदस्यों के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के संबंध में एसआईआरसी तथा सेंटर फॉर ऐक्सीलेंस द्वारा दिनांक 20 से 22 फरवरी, 2006 के दौरान एक तीन-दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्घाटन श्री एस.सी.नायक, आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, चेन्नई-III द्वारा किया गया। श्री एम. गोपालकृष्णन, समन्वयक, सेंटर फॉर ऐक्सीलेंस ने मुख्य अतिथि और सदस्यों का स्वागत किया। श्री आर.नारायणन ने भी सदस्यों को संबोधित किया। इसमें छः तकनीकी सत्र रहे।

8. वर्ष के दौरान आयोजित अन्य व्यावसायिक विकास बैठकों में ये विषय शामिल रहे जैसे - समय प्रबंधन, कार्यनीति कीमत-निर्धारण, तंगहासी प्रबंधन, परस्पर चर्चा बैठक (प्रैक्टिसरों के लिए), लेखा पैकेज - टैब्ली (लेवल I तथा II), स्लैडशीट पर कार्य, संयुक्त उत्पाद तथा उपोत्पाद, प्रस्तुति क्षमता - मौखिक एवं लिखित पत्राचार, विदेशी मुद्रा प्रबंधन, कंपनी अधिनियम, प्रचालन लेखा-परीक्षा, मूल्य आधारित प्रबंधन, कभी वाले विनिर्माण सिद्धांत, सारबंस आक्सली अधिनियम - अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, विद्युत क्षेत्र में बेंचमार्किंग, क्वालिटी लागत, लागत प्रबंधन में वर्तमान प्रवृत्तियां, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क: डेस्क समीक्षा - एक व्यावहारिक

दृष्टिकोण, संतुलित स्कोर कार्ड, स्वतंत्र निर्देशकों की भूमिका और केन्द्रीय बजट पर चर्चा।

9. विद्यार्थियों के लिए अद्यतन लागत प्रबंधन तकनीकों पर वीडियो/सीडी कार्यक्रम दिखाए गए और विभिन्न स्थानों पर एक पेशा मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसआईआरसी ने दिनांक 3 से 9 मार्च, 2006 तक की अवधि के दौरान अन्तर विश्वविद्यालय में आयोजित पेशा प्रदर्शनी कार्यक्रम में सहभागिता की। चेन्नई तथा उसकी आसपास इंटरमीडिएट दर्जे के डाक कोचिंग विद्यार्थियों के लिए रविवार के दिनों में एक पुनश्चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 300 विद्यार्थी कक्षाओं में उपस्थित हुए। दिनांक 8.10.2005 को एक रक्तदान कैंप का भी आयोजन किया गया जिसमें 100 से भी अधिक विद्यार्थियों तथा सदस्यों ने रक्तदान किया।

10. दिनांक 17-18 सितंबर 2005 को फोरम फार इलाइट स्टूडेंट्स ऑफ कंस्ट्रक्शंस (एफआईएससीए) के साथ संयुक्त रूप से एक अखिल भारतीय विद्यार्थी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्घाटन श्री एस. श्रीरत्न, उपाध्यक्ष (वित्त) एवं सचिव, एचवील्स इण्डिया लि0 और श्री के. सुरेश ने किया। अध्यक्ष, एफआईएससीए ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। श्री एम.गोपालकृष्णन तथा एसआईआरसी और एफआईएससीए के अन्य कार्यालय अधिकारियों ने प्रतिनिधिगणों को संबोधित किया।

11. अप्रत्यक्ष कराधान - केन्द्रीय बिक्री कर के संबंध में दिनांक 12.11.2005 और 14.11.2005 को विद्यार्थियों के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के संबंध में दिनांक 14.11.2005 को एक अन्य व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो0 एन.एस. गोविन्दन, अप्रत्यक्ष कराधान विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। श्री आर.नारायणन ने विद्यार्थियों एवं वक्ता का स्वागत किया।

12. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए दिनांक 18.3.2006 को एक कैंपस साक्षात्कार आयोजित किया गया जिसमें छः प्रत्याशित कारपोरेट कंपनियों ने सहभागिता की। पूरे दक्षिणी क्षेत्र के लगभग 60 विद्यार्थी इसमें उपस्थित हुए जिनमें 42 अभ्यर्थियों को सूचीबद्ध किया गया।

13. जहां इस क्षेत्र ने दिनांक 30.7.2005 को एक सभा-बैठक का आयोजन किया वहीं क्षेत्रीय लागत सम्मेलन के साथ-साथ दिनांक 6.1.2006 को एक अन्य बैठक भी आयोजित की गई।

14. हीरक जयन्ती समारोहों के समय साथ-साथ दिनांक 15.4.2005 को एक प्रेस बैठक भी की गई। इस बैठक को डा0 एच.आर. सुब्रमण्य, अध्यक्ष, सर्वश्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद, एम.गोपालकृष्णन और पी.एस.एम. हमीद, एसआईआरसी ने प्रेस को संबोधित किया। दिनांक 4.1.2006 को एक अन्य प्रेस बैठक आयोजित की गई जिसमें इस व्यवसाय में हुई हाल की गति-विधियों तथा इंस्टीट्यूट के संबंध में प्रेस को संक्षेप में बताया।

पूर्वी भारतीय क्षेत्रीय परिषद (ईआईआरसी)

ईआईआरसी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए-

1.1 ईआईआरसी और कटक-भुवनेश्वर सभा ने संयुक्त रूप से दिनांक 20-22 जनवरी, 2006 को होटल स्वोस्ति प्लाजा लि0, भुवनेश्वर में 'कारपोरेट सततता में उभरती प्रवृत्तियाँ' विषय पर 47 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। डा0 बंसीधर पाण्डा, अध्यक्ष, आईएमएफए ग्रुप तथा प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और श्री अजीत मोहापात्र, सीएमडी, कलिंगा ग्रुप ऑफ कंपनीज ने इसका उद्घाटन किया इस अवसर पर शोभा बढ़ाई। इसमें सर्वश्री पी. मोहन्ती, अध्यक्ष, बी.एम. शर्मा, उपाध्यक्ष, एन. स्वेन, अध्यक्ष, ईआईआरसी और यू.बी. मोहापात्र, सभा के अध्यक्ष उपस्थित हुए। श्री प्रवाकर मोहन्ती, अध्यक्ष ने 'वाणिज्यिक बैंकों की जोखिम आधारित आन्तरिक लेखा-परीक्षा' नामक विनिर्बंध का उद्घाटन किया और एकत्र जनसमूह को संबोधित किया। इसके पूरे सत्र की अध्यक्षता श्री सी.आर. प्रधान, सीएमडी, नाटको ने की। इस मौके पर श्री अजित प्रसाद, एमडी तथा सीईओ, एसएसआईसी (इण्डिया), डा0 एस.के. टमोटिया, उपाध्यक्ष, वीसा इंटरनैशनल लि0, श्री बी.एस.जी. चन्द्रशेखर, सीजीएम, एसबीआई, एलएचजी, भुवनेश्वर डा0 देबासिस बागची, सचिव, आईसीडब्ल्यूआई और

श्री एस.सी. मोहन्ती, उपाध्यक्ष, ईआईआरसी भी उपस्थित हुए। श्री एस सी मोहन्ती ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

विश्वव्यापी-परिप्रेक्ष्य में व्यापार वातावरण और आर्थिक विधायन तथा वित्तीय जोखिम के संबंध में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रथम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री ए.एस. गुप्ता ने की। इस अवसर पर श्री अमीन उल्लाह खान, इण्डिया डेवलपमेंट सेंटर और डा0 डी. जगन्नाथन वक्ता थे। धन्यवाद प्रस्ताव डा0 एस. बंदोपाध्याय, सीसीएम ने रखा। द्वितीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री राकेश सिंह, सीसीएम और श्रीमती एम. थम्मी, क्षेत्रीय प्रमुख, स्टोक होल्डिंग कारपोरेशन कलकत्ता ने की। श्री संजय गुप्ता, सचिव, एनआईआरसी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। दिनांक 21 जनवरी, 2006 को तीन तकनीकी सत्र हुए। इस सत्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री एम.ए. खार्वेल स्वेन, माननीय संसद सदस्य (लोक सभा) और माननीय अतिथि श्री बैजायनाता पाण्डा, माननीय संसद सदस्य (राज्य सभा) ने किया। इसमें सर्वश्री ए.के. दास, निदेशक (वित्त), एनसीएल एवं पूर्व-अध्यक्ष, बी. कल्याणरामन, पूर्व-अध्यक्ष, ए.एन.रामन, पूर्व-सीसीएम, प्रवाकर मोहन्ती, अध्यक्ष और एस.सी. मोहन्ती, उपाध्यक्ष, ईआईआरसी उपस्थित हुए। राजस्व प्रत्याशा एवं प्रबंधन लेखाकार संबंधी तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री टी. हेओकिप, आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और श्री रमेश कैलाशन, ओरेकल कारपो. ने की और प्रो0 एस. सम्पत, कारपोरेट कर परामर्शदाता ने कागजात प्रस्तुत किए। उभरते मुद्दों संबंधी चतुर्थ तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री बी.सी. जाना, सदस्य, उड़ीसा विद्युत विनियामक आयोग ने की और श्री आर.पी. मोहापात्र, परामर्शदाता तथा श्रीमती इन्दु लिबराहन, प्रमुख सलाहकार (वित्त), टीआरएआई ने एकत्र जनसमूह को संबोधित किया। उन्नतिशील कारपोरेट व्यवसाय संबंधी पंचम तकनीकी सत्र की अध्यक्षता श्री पी.के. मिश्रा, आईएसएस (सेवानि.), पूर्व सचिव, कोयला मंत्रालय, भारत सरकार ने की। प्रो0 आर. के. बाल, उत्कल विश्वविद्यालय और प्रो0 डी.बी. रामाना, एक्सआईएमबी ने इस सत्र से संबंधित कागजात प्रस्तुत किए।

दिनांक 22.1.2006 को अन्तर्राष्ट्रीय वित्त एवं भारतीय अर्थव्यवस्था संबंधी छठे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो0 बी. मिश्रा, पूर्व-उपकुलापति, ओ.यू.ए.टी ने की। इसमें सर्वश्री आर.एस. रथ, डीजीएम, आरबीआई, के. बालू, डीजीएम, आरबीआई, धेन्ई और कुणाल बनर्जी, पूर्व-सीसीएम ने कागजात प्रस्तुत किए। श्री के.जी. गोयल, सीसीएम ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। विदाई सत्र का उद्घाटन श्री एस.बी. मिश्रा, आईएसएस (सेवानि.), पूर्व मुख्य सचिव, उड़ीसा सरकार ने किया जिसमें सर्वश्री प्रवाकर मोहन्ती, अध्यक्ष, बी.एम. शर्मा, उपाध्यक्ष, एस.जी.वाई, नारायणन, सीसीएम, अजित मोहापात्र, सीएमडी, कलिंगा ग्रुप ऑफ कंपनीज और एस.सी. मोहन्ती, उपाध्यक्ष उपस्थित थे। श्री पी.के. साहू, उपाध्यक्ष ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

1.2. वर्ष के दौरान, प्रैक्टिस कर रहे सदस्यों और विभिन्न उद्योगों के कार्यकारी अधिकारियों के लिए नौ प्रबंधन विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्री एम. एन. रॉय, प्रमुख सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, प्रमुख सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, आयुक्त, वाणिज्यिक कर, पश्चिम बंगाल सरकार के साथ व्यवसायी अवसरों का पता लगाने के संबंध में प्रतिनिधित्व एवं चर्चाएं की गईं। ईआईआरसी को प्रैक्टिस कर रहे सदस्यों को लागत लेखा रिकॉर्ड सौंपने हेतु मै0 बीएसएनएल, झारखण्ड सर्किल से चर्चा करने का अवसर मिला था। सीएमडी एवं निदे. (वित्त), मै0 सीसीएल से अनुरोध किया गया था कि वे हमारे सदस्यों को आन्तरिक लेखा-परीक्षा कार्य सौंपें। परिषद के सदस्यों ने व्यवसायी मामलों के संबंध में निदेशक (वित्त), ईसीएल, सीएमडी/निदेशक (वित्त), बीसीएल के साथ भी बातचीत और चर्चा की। इण्डियन ऑयल कारपोरेशन के लेखा कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण एवं प्रबंधन विकास कार्यक्रम, उद्योग जगत तथा सदस्यों के लिए बैठ के संबंध में कार्यक्रम, बैठ के संबंध में कार्यशाला, आईएसओ

9001, 2000 और प्रबंधन लेखाकार के संबंध में सेमिनार, अप्रत्यक्ष करध्यान में छाल की गतिविधियों के संबंध में सेमिनार, केंद्रीय बजट का विश्लेषण, केंद्रीय उत्पाद शुल्क पर सेमिनार, एमसीए 21 तथा उसके प्रभाव, बैंकिंग क्षेत्र में जोखिम-आधारित आन्तरिक लेखा-परीक्षा और मूल्यांकन तथा सेनवैट संबंधी कार्यक्रम किए गए।

1.3 दिनांक 15 अगस्त, 2005 को ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर में श्री प्रवाकर मोहनती, अध्यक्ष ने ध्वज फहराया। इसी दिन श्री मोहनती ने एक रक्तदान कैंप का उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं सदस्यों ने रक्त दान किया। कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने दिनांक 9 मई, 2006 को रवीन्द्र शताब्दी का भी समारोह किया।

1.4 परिषद के सदस्यों ने विभिन्न समाओं से उनकी सक्रियता के संबंध में बातचीत की। निष्क्रिय समाओं से अनुरोध किया गया कि वे व्यावसायिक लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु व्यावसायिक तथा कोचिंग कार्यक्रमलाप आयोजित करें।

2.1 इंटरमीडिएट तथा अन्तिम वर्ष की परीक्षाओं के विद्यार्थियों की मौखिक कोचिंग के अलावा, फाउन्डेशन पाठ्यक्रम के लिए भी मौखिक कोचिंग चलाई गई। इस मौखिक कोचिंग के लिए 622 विद्यार्थियों की नामावली बनाई गई जिनमें से 573 विद्यार्थियों ने यह कार्य पूरा किया और कोचिंग पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। पिछले वर्ष यह संख्या क्रमशः 568 और 498 रही थी। वर्ष के दौरान नामावली प्रवेश में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि रही। 926 विद्यार्थियों को डाक कोचिंग के लिए प्रवेश दिया गया और 803 विद्यार्थियों ने यह कार्य पूरा किया और कोचिंग पूर्णता प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। पिछले वर्ष के लिए डाक कोचिंग के तदनुक्रमी आंकड़े क्रमशः 838 और 689 रहे। इस प्रकार, वर्ष के दौरान 10.77 प्रतिशत नामांकन की वृद्धि हुई। फाउन्डेशन पाठ्यक्रम के लिए 650 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। वर्ष 2005-2006 के दौरान पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 2052 रही जबकि वर्ष 2004-2005 में यह संख्या 1725 रही थी।

2.2 विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य कंप्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए 413 विद्यार्थियों को नामित किया गया और उन्होंने यह पाठ्यक्रम पूरा किया। बेहतर सुविधा के लिए मौजूदा सुविधाओं के अलावा पेंटियम-IV कंप्यूटर किराए पर लिए गए और उनका कंप्यूटर सेंटर में प्रयोग किया गया।

कोलकाता तथा उसके आसपास के क्षेत्रों में जीविका परामर्शी कार्यक्रम आयोजित किया गया। आसनसोल समा के अनुरोध पर विद्यार्थियों के 'नर्शन' के लिए श्री एम.के. ठाकुर प्रो. विश्वजीत साहा, वरिष्ठ फैकल्टी, मोरारजी कोचिंग और श्री एस. बनर्जी ने दिनांक 9 तथा 10 अप्रैल, 2006 को आसनसोल का दौरा किया। ईआईआरसी ने दिनांक 4.1.2006 से 6.1.2006 तक नबग्राम हीरालाल पाल कालेज में आयोजित जीविका मेले में सहभागिता की।

2.4 महानगर टेलीफोन निगम लि०, कल्परू राइस मिल्स प्रा० लि०, सुविधा कंसल्टेंट्स प्रा० लि०, जीईसीआईएस, वी.एम. प्रोसेर कोणार मुरतफी एण्ड एसोसिएट्स और जेनपैक्ट जैसे संगठनों के लिए आठवीं बार कैंपस साक्षात्कार आयोजित किए गए जिससे उनका विभिन्न श्रेणियों में चयन हो सका। परिषद ने दिनांक 16 अप्रैल, 2006 से प्रारंभ रविवार के दिनों इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए एक पुनश्चर्चा परीक्षा आयोजित की। दिनांक 19 तथा 22 मई, 2006 को पुनश्चर्चा परीक्षा के परीक्षार्थियों को संबोधित परीक्षकों से बातचीत करने का अवसर दिया गया।

2.5 ईआईआरसी ने सदस्यों एवं विद्यार्थियों के लिए 'ईआईआरसी न्यूज़' नामक एक भासिक समाचार पत्रिका का प्रकाशन किया जिसमें ईआईआरसी तथा समाओं से संबंधित समाचारों के अलावा विभिन्न समतामयिक लेख शामिल किए गए।

3 इस क्षेत्रीय परिषद के कार्यों के कारगर निष्पादन के उद्देश्य से एक लेख-परीक्षा समिति का गठन किया गया और इसे कार्यरूप में लाया गया। समाओं को भी ऐसा ही करने का अनुदेश सूचित किया गया। निष्क्रिय

समाओं से अनुरोध किया गया कि वे वार्षिक लेखे तथा रिपोर्ट समय से प्रस्तुत कर दें।

उत्तर भारतीय क्षेत्रीय परिषद (एनआईआरसी)

एनआईआरसी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए:-

1. एनआईआरसी ने 59वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर सर्वश्री जे.के. पुरी, आर. जे. गोयल, डी.सी. बजाज - सभी पूर्व-अध्यक्ष, आर.के. जैन, सरकारी नामिति तथा सीसीएम, सुभाष अग्रवाल, पूर्व-अध्यक्ष, राकेश सिंह तथा चन्द्रा वधवा - दोनों सीसीएम ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसमें सर्वश्री संजय गुप्ता, अतुल कुमार गुप्ता, यू.के. शुक्ला और डी.सी. कार्य, एनआईआरसी भी उपस्थित हुए। श्री जे.के.पुरी मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता दिवस निरंतर आयोजित करने हेतु एनआईआरसी को बधाई दी।

2. दिनांक 20 से 24 सितंबर, 2005 तक की अवधि के दौरान एक प्रभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री राकेश सिंह, सीसीएम ने अपने भाषण द्वारा इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद श्री अतुल गुप्ता, अध्यक्ष ने एक लघु टिप्पणी प्रस्तुत की। श्री संजय गुप्ता ने भी एक प्रोत्साहनजनक भाषण दिया। इस कार्यक्रम के वक्ताओं में सर्वश्री मुदुल टण्डन और विनय शर्मा - दोनों परामर्शदाता तथा प्रशिक्षु शामिल थे। संभाव्य अम्यर्थियों की भरती के लिए दिनांक 26 से 28 सितंबर, 2005 तक एक कैंपस साक्षात्कार का आयोजन किया गया। संचुरी एनएफ कास्टिंग, टीडीआई मार्केटिंग प्रा० लि०, इनापेक्स लिमिटेड, एचबीडी पैकेजिंग जैसी कंपनियों तथा अन्य लोगों ने कैंपस का दौरा किया और उन्होंने अनेक नए-नए अम्यर्थियों की भरती की।

3. 'विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा - प्रबंधन लेखाकारों का दृष्टिकोण' विषय पर दिनांक 14-15 अक्टूबर, 2005 को दो-दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री अजय भाकन, माननीय संसद सदस्य ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सर्वश्री सी.पी.जैन, सीएमडी, एनटीपीसी, हरि किशन गोयल, संजय गुप्ता तथा अतुल कुमार गुप्ता, एनआईआरसी जैसी हस्तियों ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन के चार तकनीकी सत्र हुए। प्रथम तकनीकी सत्र दिनांक 14.10.2005 को 'फ्रिज बेनिफिट टैक्स' विषय पर हुआ जिसमें दो वक्ताओं नामतः सर्वश्री गिरीश आहूजा, प्रतिष्ठित कर विशेषज्ञ, प्रदीप गोयल, एचएफसीएल इन्फोटेक लि० ने संबोधित किया। द्वितीय तकनीकी सत्र 'दूरसंचार क्षेत्र में लागत प्रबंधन कार्यनीति तथा एमआईएस' विषय पर हुआ। इसमें माननीय मुख्य अतिथि श्री प्रदीप बैजल, अध्यक्ष-टीआरएआई रहे और प्रतिष्ठित मानद अतिथि सुश्री इन्दु लिबरहान, प्रमुख सलाहकार (टीआरएआई), श्री एस.डी. सक्सेना, निदेशक (वित्त), बीएसएनएल और श्री राकेश मेहरोत्रा, मुख्य अधिकारी (विनियामक), टाटा टेली सर्विसेज लि० थे। धन्यवाद प्रस्ताव सर्वश्री संजय गुप्ता तथा राकेश सिंह द्वारा दिया गया।

दिनांक 15 अक्टूबर, 2005 को तृतीय सत्र 'वित्तीय जोखिम प्रबंधन तथा बाजार जोखिम प्रबंधन' विषय पर रहा। इसमें मानद अतिथि ये थे - सर्वश्री एच.पी.कुमार, सीएमडी (एनएसआईसी), टी. एन. ठाकुर, सीएमडी, पावर ट्रेडिंग कारपोरेशन, पी.के. चौधरी, सीएमडी (आईसीआरए)। इसमें अन्य वक्ताओं में सर्वश्री के.एन.डे, निदेशक, बेसिक फोरेक्स एण्ड फाइनेंशियल सात्युशंस प्रा० लि० और शिवन बक्शी, निदेशक, दुआ कंसल्टिंग प्रा० लि० शामिल थे। अन्तिम तकनीकी सत्र 'वैट तथा आयोजना में वैट के प्रभाव' विषय पर हुआ जिसका उद्घाटन सर्वश्री रमेश चन्द्र, आईएस (सेवानि.), सदस्य सचिव, राज्य वित्त मंत्रियों की शक्ति प्राप्त समिति, बी.एम. शर्मा, उपाध्यक्ष और यशपाल गर्ग, संयुक्त आयुक्त, दिल्ली वैट विभाग मानद अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। इस सत्र में श्री के.जी. गोयल, सीसीएम उपस्थित हुए। कार्यक्रम का विदाई समारोह सत्र इसके मुख्य अतिथि श्री एन.एन. झा, पूर्व-उपराज्यपाल की मौजूदगी में हुआ, जिसमें सर्वश्री जे.के.पुरी, बी.एम. शर्मा, उपाध्यक्ष, संजय गुप्ता और अतुल कुमार गुप्ता उपस्थित हुए।

4. एनआईआरसी ने दिनांक 11.11.2005 से सभी मौखिक विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य व्यक्तित्व विकास एवं संवाद कक्षाएं आरंभ कीं। इन कक्षाओं को विद्यार्थियों की सुनने संबंधी जटिल संवाद क्षमताओं में सुधार लाने हेतु उनकी सहायता के आयोजित किया गया। दिनांक 25.11.2005 को एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
5. विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास पर ध्यान केन्द्रित किए जाने हेतु दिनांक 23.10.2005 को एक क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इसमें सर्वश्री राकेश सिंह तथा चन्द्र वधवा, सीसीएम, सुभाष अग्रवाल तथा एच.के. गोयल-पूर्व-अध्यक्ष, अतुल कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता भी उपस्थित हुए।
6. दिनांक 21.12.2005 को एक प्रेक्टिसनर्स बैठक आयोजित की गई। श्री प्रवाहर मोहनजी, अध्यक्ष इसमें मुख्य अतिथि थे और सर्वश्री ए.एस.दुर्गा प्रसाद, एम. गोपालकृष्णन, चन्द्र वधवा, राकेश सिंह, सीसीएम, अतुल कुमार गुप्ता, यू.के. शुक्ला तथा संजय गुप्ता भी उपस्थित हुए।
7. दिनांक 30.12.2005 'नव वर्ष का प्रीतिभोज' आयोजित किया गया जिसे श्री जे.के. पुरी के स्वागत के साथ आरंभ किया। सर्वश्री अतुल कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता, हरिकृष्ण गोयल और यू.के. शुक्ला ने अतिथियों का स्वागत किया।
8. 'सुयोग्यता निर्माण - सीडब्ल्यू व्यावसायिकों का दिग्दर्शन' विषय पर श्री के.वी. रामनाथन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, लेखा विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन बिजनेस स्कूल द्वारा दिनांक 5.1.2006 को भाषण दिया गया। वक्ता का स्वागत सर्वश्री अतुल कुमार गुप्ता, संजय गुप्ता और यू.के. शुक्ला द्वारा किया गया।
9. 'उत्पाद शुल्क के अन्तर्गत डेस्क समीक्षा' विषय पर दिनांक 17.1.2006 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि श्री ए.के. सिंघल, सलाहकार-लागत, वित्त मंत्रालय थे। इसमें सर्वश्री आर.सी. भट्ट, उप निदेशक (लागत), टैरिफ आयोग, जी.वी. वैकटेश, उप निदेशक-लागत, एमसीए और जयब्रत बोस, उप निदेशक - लागत, एमसीए अप्रणी वक्ता थे। इस कार्यशाला में सर्वश्री राकेश सिंह, सीसीएम और कार्यालय अधिकारीगण उपस्थित हुए।
10. 'संयुक्त एवं उपोत्पाद लागत-निर्धारण पर विनिर्बंध' विषय पर दिनांक 31.1.2006 को अल्काजीज मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (एएमएआई) के सहयोग से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें श्री जे.के. पुरी उपस्थित हुए। इस सम्मेलन में कार्टिक सोडा उत्पादक के लागत लेखा-परीक्षक, संगत उद्योग के व्यक्ति और प्रेक्टिस कर रहे सदस्य उपस्थित हुए।
11. एनआईआरसी ने विद्यार्थियों के लिए दिनांक 2 तथा 15 फरवरी, 2006 को ब्रिटिश परामर्शी एवं शैक्षणिक सेवाओं के दो सत्र आयोजित किए। बीसीईएस की ओर से दो विश्वविद्यालयों अर्थात् यूनिवर्सिटी आफ ग्लैमरगन, यू.के. और सेंट्रल गॉर्डन यूनिवर्सिटी, ऐबरडीन ने सहभागिता की।
12. 'कार्यनीति संबंधी लागत विश्लेषण - निर्णय हेतु साधन' के संबंध में दिनांक 12.2.2006 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें श्री नरेन्द्र भट्ट, उपाध्यक्ष, बिजनेस डेवलपमेंट, एससीए टेक्नोलॉजीज, पिट्सबर्ग मुख्य वक्ता थे। इसमें उपस्थित होने के लिए हमारे सदस्यों ने 1 सीईपी आओ दिया। इस कार्यक्रम में सर्वश्री अशोक सिन्हा, एससीए टेक्नोलॉजीज, राकेश सिंह और चन्द्र वधवा, सीसीएम, यू.के. शुक्ला भी उपस्थित हुए। 'कार्य नीति लागत विश्लेषण - निर्णय हेतु साधन' विषय पर दिनांक 22.2.2006 को एक सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें एनडीपीएल, पैनेसिया बायोटेक, गेल, एचएफसीएल, ओरिएंट फेशन्स, टेलसेरी सेल, बिरलासाफ्ट तथा अन्य ने सहभागिता की।
13. 'दिनांक 7.3.2006 को केन्द्रीय बजट पर चर्चा आयोजित की गई जिसमें सर्वश्री गिरीश आहूजा, कर विशेषज्ञ, अशोक गोयल, संस्थापक एवं अध्यक्ष - गोबल ऐडवाइजर्स लिओ और अतुल कुमार गुप्ता ने सहभागिता की। विलयन एवं साममलेन के संबंध में दिनांक 26.4.2006 को एक अन्य वार्ता आयोजित की गई जिसमें सर्वश्री हरीश के. वैद, अध्यक्ष (कारपोरेट) तथा सीएस - जयप्रकाश एसोसिएट्स लिओ और अशोक जुनेजा, साझीदार

- केसर दास बी. एसोसिएट्स ने भाषण दिए। इस वार्ता में सर्वश्री राकेश सिंह तथा चन्द्र वधवा, डी.सी. बजाज, पूर्व-अध्यक्ष और अन्य कार्यालय अधिकारीगण उपस्थित हुए। पूंजी-बाजार-आईपीओ/संस्थागत नियोजन में नई-नई प्रवृत्तियों के संबंध में एक अन्य वार्ता का दिनांक 10.5.2006 को आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि श्री जे.के. पुरी और मानद अतिथि श्री एस.के.गुप्ता, कार्यकारी उपाध्यक्ष, डीसीएम लिओ थे।
14. दिनांक 22.3.2006 को एमसीए-21 के संबंध में कार्यशाला और जीवन कला के संबंध में प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि श्री नवरंग सैनी, कंपनी पंजीयक, दिल्ली, एनसीटी तथा हरियाणा थे। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड (टीसीएस) के विशेषकों ने प्रस्तुति की। इस कार्यशाला में अन्य कार्यालय अधिकारी और सर्वश्री राकेश सिंह तथा चन्द्र वधवा उपस्थित हुए।
15. दिनांक 30 जुलाई से 14 अगस्त, 2005 तक नौवें प्रभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री डी.सी. बजाज, पूर्व-अध्यक्ष इस अवसर पर उपस्थित हुए। एनआईआरसी ने दिनांक 27 अगस्त से 4 सितंबर, 2005 तक प्रगति मैदान में आयोजित पुस्तक मेले में एक स्टॉल लगाया।
16. सेवा कर के संबंध में दिनांक 21.6.2006 को एक सेमिनार किया गया जिसका उद्घाटन सर्वश्री राजीव कुमार, आईआरएस, मुख्य आयुक्त - सेवा कर (दिल्ली) और जे.के.पुरी, मुख्य सलाहकार (लागत) ने किया। इसके प्रथम सत्र को सर्वश्री सुभाष अग्रवाल, पूर्व-अध्यक्ष और सुशील अग्रवाल, एआईसीडब्ल्यूए ने लिया। द्वितीय तकनीकी सत्र सर्वश्री बिपिन सापरा, आईआरएस, संयुक्त आयुक्त, सेवा कर, दिल्ली और अतुल कुमार गुप्ता द्वारा लिया गया। इस सेमिनार में श्री चन्द्र वधवा और अन्य कार्यालय अधिकारी उपस्थित हुए। दिनांक 23.6.2006 को सूचना-अधिकार के संबंध में एक सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका उद्घाटन पूर्वश्री जे.के.पुरी और मानद अतिथि डी.सी. बजाज, सलाहकार (लागत) ने किया। इस अवसर पर वक्तागण सर्वश्री सुमन्त बत्रा और अशोक जुनेजा, प्रमुख कारपोरेट एवं वाणिज्यिक विधिवक्ता थे।
17. दिनांक 24.6.2006 को व्यक्तित्व विकास एवं संवाद वृद्धि क्षमता के संबंध में एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस विषय पर सर्वश्री एस.के. गुप्ता, कार्यकारी उपाध्यक्ष-डीसीएम, विनय शर्मा और मृदुल टण्डन ने भाषण दिए थे। लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट नियमावली तथा एमसीए-21 के संबंध में भी दिनांक 25.6.2006 को एक सेमिनार आयोजित किया गया। इस मौके पर श्री ए.के.शाह, उप निदेशक (लागत), लागत लेखा-परीक्षा ब्रांच माननीय अतिथि थे। वक्ताओं में श्री एस.कोले, एनआईआरसी तथा आईसीएसआई थे जिन्होंने एमसीए-21 विषय पर भाषण दिया। सर्वश्री एस.के. जैन और मनोज कुलश्रेष्ठ ने लागत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट नियमावली के विषय पर भाषण दिया।
18. माह जनवरी, 2006 में प्रत्येक शनिवार के कार्य-दिवस अर्थात् 7 जनवरी, 21 जनवरी और 28 जनवरी को तीन सदनगत परामर्शी सत्र आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लैमरगन, यू.के. और उनके द्वारा ऑफर किए जाने वाले पाठ्यक्रमों की जानकारी देने के संबंध में दिनांक 2.2.2006 को ब्रिटिश परामर्शी एवं शैक्षणिक सेवाओं का एक प्रस्तुति-सत्र आयोजित किया गया।
19. देश के विभिन्न हिस्सों में व्यावसायिक तथा औद्योगिक हित के विषयों पर जोरदार सेमिनारों एवं सम्मेलनों के आयोजन के संस्थागत उद्देश्यों की पूर्ति हेतु अगली कार्यवाई के रूप में एनआईआरसी ने 'कारपोरेट सदस्यता' के विकल्प की घोषणा की। एनआईआरसी ने कारगर प्रबंधन प्रणालियों के संस्थापन द्वारा अपने सदस्यों को ज्ञान एवं कार्यकुशलताओं से सुसज्जित कर दिया ताकि सदस्यगण इस अस्तव्यस्त के समय पर चुनौतियों को पूरा करके और अवसरों का लाभ उठाकर अपनी क्षमता को बढ़ा सकें। एनआईआरसी को वर्ष 2006 में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में चारों क्षेत्रीय परिषदों में से सर्वोत्तम न्यूजलेटर से पुरस्कृत किया गया।

2841 GI/06-4

अनुबंध- I**वर्ष 2005-2006 के लिए इंस्टीट्यूट की परिषद की स्थायी****एवं अन्य समितियों का गठन****अध्यक्ष: श्री परवाकर मोहंती****उपाध्यक्ष: श्री बी.एम. शर्मा****स्थायी समितियां****1. कार्यकारी समिति (कोरम-3)**

- | | |
|-------------------------------------|---------|
| (i) श्री परवाकर मोहंती, अध्यक्ष - | चेयरमैन |
| (ii) श्री बी.एम. शर्मा, उपाध्यक्ष - | सदस्य |
| (iii) श्री एम. गोपालकृष्णन - | सदस्य |
| (iv) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (v) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| डा. देवासिस बागची - | सचिव |

2. अनुशासन समिति (कोरम-2)

- | | |
|-----------------------------------|---------|
| (i) श्री परवाकर मोहंती, अध्यक्ष - | चेयरमैन |
| (ii) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | सदस्य |
| (iii) श्री प्रदीप कुमार - | सदस्य |
| डा. देवासिस बागची - | सचिव |

3. परीक्षा समिति (कोरम 2)

- | | |
|----------------------------------|---------|
| (i) श्री बी.एम. शर्मा, अध्यक्ष - | चेयरमैन |
| (ii) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (iii) श्री एम. गोपालकृष्णन - | सदस्य |
| श्रीमती चन्द्र बोस, निदेशक - | सचिव |

अन्य समितियां**4. प्रशिक्षण, शैक्षणिक सुविधाएं एवं कंप्यूटरीकरण समिति (कोरम 3)**

- | | |
|--------------------------------|---------|
| (i) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | चेयरमैन |
| (ii) श्री एम. गोपालकृष्णन - | सदस्य |
| (iii) श्री चन्द्र वधवा - | सदस्य |
| (iv) श्री आर.के. जैन - | सदस्य |
| (v) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| श्री ए.पी. कार, निदेशक - | सचिव |

5. अनुसंधान एवं पत्रिका समिति (कोरम 3)

- | | |
|--------------------------------|---------|
| (i) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | चेयरमैन |
| (ii) श्री एम. गोपालकृष्णन - | सदस्य |
| (iii) श्री के.जी. गोयल - | सदस्य |
| (iv) श्री एस.जी. वाई नारायणन - | सदस्य |
| (v) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| श्री सिद्धार्थ सेन, निदेशक - | सचिव |

6. अविच्छिन्न शिक्षा कार्य समिति (कोरम 3)

- | | |
|-----------------------------------|---------|
| (i) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | चेयरमैन |
| (ii) श्री डी.वी. जोशी - | सदस्य |
| (iii) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (iv) श्री के.जी. गोयल - | सदस्य |
| (v) श्री आर.के. जैन - | सदस्य |
| श्री डी. चन्द्र, संयुक्त निदेशक - | सचिव |

7. व्यावसायिक विकास (तकनीकी) समिति (कोरम-3)

- | | |
|--|---------|
| (i) श्री परवाकर मोहंती, - | चेयरमैन |
| (ii) श्री डी.वी. जोशी - | सदस्य |
| (iii) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | सदस्य |
| (iv) श्री के.जी. गोयल - | सदस्य |
| (v) श्री आर.के. जैन - | सदस्य |
| (vi) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| (vii) श्री ए.के. कपूर, को-ऑप्टिड सदस्य सलाहकार(लागत), भारत सरकार | |
| (viii) श्री पी.के. जैन, को-ऑप्टिड सदस्य | |
| श्री ए.पी. कार, निदेशक - | सचिव |

8. सदस्य सेवाएं एवं सदस्य सुविधा समिति (कोरम 3)

- | | |
|--------------------------------|---------|
| (i) श्री राकेश सिंह - | चेयरमैन |
| (ii) श्री एस.जी. वाई नारायणन - | सदस्य |

- | | |
|--------------------------------------|-------|
| (iii) श्री डी.वी. जोशी - | सदस्य |
| (iv) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | सदस्य |
| (v) श्री के.जी. गोयल - | सदस्य |
| (vi) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| (vii) श्री कौशिक बनर्जी, उप निदेशक - | सचिव |

9. क्षेत्रीय परिषदें एवं स्कंध समन्वय समिति (कोरम 3)

- | | |
|------------------------------|---------|
| (i) श्री डी.वी. जोशी - | चेयरमैन |
| (ii) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (iii) श्री एम. गोपालकृष्णन - | सदस्य |
| (iv) श्री के.जी. गोयल - | सदस्य |
| श्री आर.एन. पाल, निदेशक - | सचिव |

10. लागत लेखा विधि मानक बोर्ड (कोरम 3)

- | | |
|---------------------------------------|---------|
| (i) श्री एम. गोपाल कृष्णन - | चेयरमैन |
| (ii) श्री चन्द्र वधवा - | सदस्य |
| (iii) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (iv) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | सदस्य |
| (v) डा. डी. जगन्नाथन - | सदस्य |
| (vi) श्री ए.के. कपूर, को-ऑप्टिड सदस्य | |
| सलाहकार(लागत), भारत सरकार | |
| श्री ए.पी. कार, निदेशक - | सचिव |

11. बैंकिंग, बीमा और पीएसयू समिति(कोरम 3)

- | | |
|----------------------------------|---------|
| (i) श्री के.जी. गोयल - | चेयरमैन |
| (ii) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (iii) श्री ए.एस. दुर्गा प्रसाद - | सदस्य |
| (iv) डा. संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| (v) श्री आर.के. जैन - | सदस्य |
| श्री ए.पी. कार, निदेशक, - | सचिव |

12. डब्ल्यूटीओ और अंतर्राष्ट्रीय मामले समिति(कोरम 3)

- | | |
|-------------------------------|---------|
| (i) श्री चन्द्र वधवा - | चेयरमैन |
| (ii) श्री राकेश सिंह - | सदस्य |
| (iii) श्री एम. गोपाल कृष्णन - | सदस्य |
| (iv) श्री के.जी. गोयल - | सदस्य |
| (v) डा. डी. जगन्नाथन - | सदस्य |
| श्री सिद्धार्थ सेन, निदेशक - | सचिव |

13. अन्वेषण समिति (कोरम 2)

- | | |
|---------------------------------|---------|
| (i) श्री एस.जी. वाई नारायणन - | चेयरमैन |
| (ii) श्री एम. गोपाल कृष्णन - | सदस्य |
| (iii) श्री संजीवन बंदोपाध्याय - | सदस्य |
| श्री एस.आर. शाह, संयुक्त निदेशक | सचिव |

53 ए, मिर्जा गालिब स्ट्रीट

गुप्ता एण्ड कं

कोलकाता 700016

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

फोन नं: 2229-2638, 2229-6241,

2229-0871/72

फैक्स: (91) (033) 2229 - 1859

ई-मेल : गुप्ताको 55@हॉटमेल.कॉम

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट**दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के सदस्यों को प्रस्तुत**

1. हमने दिनांक 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार दि इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ("दि इंस्टीट्यूट") के संलग्न तुलन-पत्र और उसी दिन समाप्त वर्ष के लिए पृष्ठ 1 से

23. में दिए गए आय-व्यय लेखों की लेखा-परीक्षा की है। इन लेखाओं की जिम्मेदारी इंस्टीट्यूट के प्रबंध मण्डल की है। हमारी जिम्मेदारी यह है कि हम अपनी लेखा-परीक्षा के आधार पर इन लेखाओं के संबंध में राय व्यक्त करें।

2. हमने भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा-परीक्षा की। इन मानकों में यह अपेक्षा है कि हम इस बार में यथोचित आश्वासन प्राप्त करने हेतु लेखा-परीक्षा की योजना बनाएं और उसे निष्पादित करें कि क्या लेखे अथार्थ विवरण से युक्त हैं। किसी लेखा-परीक्षा में संगत राशियों के पुष्टिकारी साक्ष्यों और लेखाओं में किए गए खुलासों की परीक्षण आधार पर जांच करना शामिल होता है। लेखा-परीक्षा में यह भी शामिल होता है - प्रबंध मण्डल द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा किए गए विशेष प्राक्कलनों का आंकलन करना और समग्र लेखाओं की प्रस्तुति का मूल्यांकन करना। हमें विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारी राय हेतु यथोचित आधार प्रदान करती है।

3. हम निम्नलिखित बिन्दुओं की ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं-

क जैसाकि लेखाओं की अनुसूची 18 की टिप्पणी क.2 तथा क.3 में कहा गया है, क्षेत्रीय परिषदों और सभाओं को रजत जयंती के लिए कुल 21.32 लाख रु. की राशि की पेशगी तथा भवन निर्माण के लिए दी गई 102.02 लाख रु. की राशि की पेशगी का लम्बे समय तक समायोजन/पूजीकरण नहीं हो सका क्योंकि संबंधित क्षेत्रीय परिषदों एवं सभाओं से आवश्यक दस्तावेज और जानकारी प्राप्त नहीं हो पायी।

ख. सभाओं को कुल 23.33 लाख रु. की राशि के भवन निर्माण ऋण (अनुसूची 9(क)) और सभाओं को दिए गए 5.97 लाख रु. के कंप्यूटर ऋण की इंस्टीट्यूट की ओर से जारी अनुस्मारकों के बावजूद लौटाया नहीं गया है।

ग. 18.28 लाख रु. मूल्य की पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि के स्वत्व संलेख और 161.59 लाख रु. मूल्य के भवन संबंधी कागजात हमारी जांच के लिए उपलब्ध नहीं कराए गए।

घ. जैसाकि लेखाओं की टिप्पणी ख.11 में कहा गया है, विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों एवं सभाओं के लेखा-शेषों की पुष्टि, इस प्रकार की पुष्टि मिलने पर मिलान और उसके परिणामी समायोजन, यदि कोई हों, के अध्यक्षीन होंगी।

ड. 97,55,240/-रु. वाले विविध कर्जदारों (अधिकांशतः क्षेत्रीय परिषद और सभाओं के) का आयु-विश्लेषण उपलब्ध नहीं हुआ। तदनुसार, हम ऐसे कर्जदारों से की गई आखिरकार वसूली पर टिप्पणी नहीं कर सकते हैं।

च. हमें सूचित किया गया है कि तयशुदा परिसम्पत्तियों को अभिज्ञात करने तथा उनके सत्यापन कार्य प्रगति पर हैं।

छ. जैसाकि लेखाओं की टिप्पणी ख.1 में इंगित किया गया है, बैंक की लेन-देनों, जिन्हें चार वर्षों तक खुला रखा गया था, को सामान्य निधि के जरिए समायोजित किया गया है। फलस्वरूप, खुली बैंक लेन-देनों का वार्षिक आधार पर अनुवर्तन और समायोजन नहीं किया जा सकता है।

ज. जैसाकि टिप्पणी-14 में बताया गया है, सदस्यों/विद्यार्थियों से प्राप्त 1,16,245 रु. की राशि लौटाए गए ड्राफ्टों को आय में शामिल किया गया है।

झ. वर्ष के दौरान प्रबंध मण्डल द्वारा स्टॉकों की वास्तविक पड़ताल के दौरान 6,36,094 रु. की राशि की कमियाँ पायी गईं और इन लेखाओं में स्टॉक की कमी को शामिल नहीं किया गया।

ट. हमारी राय में और हमें उपलब्ध कराए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, शिक्षण शुल्कों के मिलान, क्षेत्रीय परिषदों एवं सभाओं

के साथ हुई लेन-देनों और विभिन्न लेखाओं के मिलान तथा बैंक लेन-देनों सहित खुली मदों संबंधी आन्तरिक नियंत्रण क्रियाविधियों को सुदृढ़ बनाए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, आन्तरिक लेखा-परीक्षा के दायरे तथा कवरेज में और अधिक सुधार करना अपेक्षित है।

4. हम आगे यह भी रिपोर्ट देते हैं कि उपरोक्त पैराग्राफ 3 (ज) में हमने जो टिप्पणी की है, यदि उस पर विचार किया जाता तो वर्ष के लिए जमा राशि 34.91 लाख रु. (42.43 लाख रु. के बताए गए आंकड़ों की तुलना में) की होती और सामान्य निधि का शेष 870.44 लाख रु. (877.98 लाख रु. के बताए गए आंकड़ों की तुलना में) रहता। उपर्युक्त पैरा 3 में उल्लिखित अन्य मदों का प्रभाव निर्धारित नहीं किया जा सका।

5. इसके अतिरिक्त, उपरोक्त पैराग्राफ 3 से संबंधित अपनी टिप्पणियों के बारे में हम रिपोर्ट देते हैं कि-

i) उपरोक्त पैरा 3(क) से 3(छ) के अध्यक्षीन हमने सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरण प्राप्त किए जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार, हमारी लेखा-परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक भी थे।

ii) हमारी राय में, इंस्टीट्यूट द्वारा लेखा बहियों को लागत एवं कार्य लेखाकार विनियमन, 1959 की जरूरतों के अनुरूप बनाए रखा गया है, जहां तक इन बहियों की हमारी जांच से पता चलता है।

iii) इस रिपोर्ट में बताए गए तुलन-पत्र तथा आय-व्यय लेखों को लेखा-बहियों के अनुसार ठीक पाया गया है।

iv) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपर्युक्त पैरा 3 में दी गई हमारी टिप्पणियों के अध्यक्षीन, उक्त लेखों तथा उनके साथ पठित टिप्पणियां एक सही और स्पष्ट दृष्टिकोण प्रदान करती हैं जो भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखा-सिद्धान्तों के अनुरूप ठीक हैं।

(क) दिनांक 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार इंस्टीट्यूट के कामकाज के तुलन-पत्र के मामले में; और

(ख) लेखाओं की अनुसूची 18 की टिप्पणी क.2 में वर्णित आधार पर उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए जमा और आय-व्यय लेखा के मामले में।

कृते मुद्रा एण्ड कं0

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

ह0/-

एस.के. गांगुली

भागीदार

सदस्यता सं0 6622

कोलकाता

दिनांक: 21 जुलाई, 2006

दि इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया				1
31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र				
गत वर्ष 2004-2005 (रूपये)	संस्था की निधियाँ	संख्या	अनुसूची (रूपये)	इस वर्ष 2005-2006 (रूपये)
80,561,994	सामान्य निधि	(1)		87,796,323
10,784,000	कर्मचारी उपदान निधि	(2)		12,529,000
6,890,000	कर्मचारी छुट्टी नकद भुगतान निधि	(3)		7,299,000
377,246	कर्मचारी कल्याण कोष	(4)		383,648
804,995	विविध पुरस्कार एवं अन्य निधि	(5)		1,039,233
99,418,235	योग			109,047,204
द्वारा प्रतिफलित				
	स्थायी सम्पत्तियाँ	(6)		
56,449,290	(क) सकल ब्लाक		58,683,957	
33,460,029	(ख) घटाएँ : ह्रास		35,720,293	
22,989,261	(ग) शुद्ध ब्लाक			22,963,664
500	निवेश	(7)		500
59,069,322	चालू सम्पत्तियाँ	(8)	70,413,944	
19,213,264	ऋण तथा अग्रिम	(9)	18,526,366	
78,666,625			88,940,310	
3,615,961	घटाएँ : वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	(10)	3,738,194	-
74,666,625	शुद्ध चालू सम्पत्तियाँ			85,202,116
1,761,849	विविध व्यय			880,924
	(उस हद तक जो बढ़ते खाते में नहीं डाला गया)			
99,418,235	योग			109,047,204
	लेखा संबंधी टिप्पणियाँ	(18)		
उपर उल्लिखित अनुसूचियों जो लेखा का भाग हैं।				
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार।				
कृते गुप्ता एंड कंपनी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स				
एस.के.गांगुली पार्टनर सदस्यता सं० 6622	बी.एम.शर्मा उपाध्यक्ष	परवाकर मोहंती अध्यक्ष		
कोलकाता दिनांक : 21 जुलाई, 2006	आर.एन. पाल निदेशक (प्रशा. एवं वित्त)	डा० देबासिस बागची सचिव		

31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार वर्ष का आय और व्यय का लेखा				2
गत वर्ष 2004-2005 (रुपये)	विवरण	अनुसूची संख्या	इस वर्ष 2005-2006 (रुपये)	
	आय:			
8,472,814	सदस्यों का वार्षिक अंशदान	(11)	8,195,135	
42,930,434	ट्यूशन शुल्क एवं अन्य	(12)	44,846,376	
23,796	परीक्षा शुल्क एवं अन्य	(13)	25,450,616	
8,488,905	सी.ई. कार्यक्रम आय		13,090,964	
423,286	पत्रिका शुल्क (विज्ञापन सहित)		380,782	
-	अनुसंधान अध्ययन प्रोजेक्ट - चाय बोर्ड		100,000	
170,829	प्रकाशन आय		280,059	
1,563,578	ब्याज		2,029,997	
85,846,373	योग:		94,373,929	
	व्यय:			
33,182,856	स्थापना	(14)	36,177,377	
8,871,224	कार्यालय खर्च	(15)	10,282,942	
43,200	वैधानिक लेखा परीक्षा शुल्क		44,080	
55,100	आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क		55,423	
1,656,349	यात्रा और वाहन		2,168,791	
9,025,625	परीक्षा खर्च एस/एनएस एवं इस्तेमाल हुए परीक्षा फार्म सहित		8,501,685	
2,410,254	परिषद और साधारण बैठक संबंधी व्यय		2,688,820	
880,925	चुनाव खर्च		880,925	
-	चुनाव ट्रिब्यूनल खर्च		230,394	
2,443,595	पत्रिका खर्च		2,373,103	
6,655,353	क्षेत्रीय परिषदों को अंशदान	(16)	7,166,809	
104,604	स्कंधों को अंशदान (ग्रांट)		119,212	
1,236,079	विदेशी निकायों को सदस्यता अंशदान		896,460	
48,692	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और बैठकें		111,406	
-	अनुसंधान अध्ययन योजना - चाय बोर्ड		49,034	
6,004,479	सी.ई. कार्यक्रम संबंधी खर्च		9,386,768	
183,302	व्यवसायिक विकास कार्यक्रम संबंधी खर्च		576,148	
268,452	स्थायी संपत्ति बढ़ते खाते के लिए अग्रिम		-	
-	नॉन मूविंग स्टॉक रिटर्न ऑफ		1,445,006	
4,264,470	अध्ययन सामग्री प्रयुक्त प्रॉस्पेक्ट्स सहित		4,369,109	
149,828	प्रयुक्त प्रकाशन स्टॉक		166,662	
2,475,835	ह्रास		2,440,036	
79,960,222	योग		90,130,190	
5,886,151	वर्ष के लिए अतिरिक्त/घाटा		4,243,739	
85,846,373	योग		94,373,929	
5,886,151	वर्ष के लिए अतिरिक्त/(घाटा) अग्रणीत		4,243,739	
-	पूर्व अवधि आय		20,000	
6,380,540	पूर्व अवधि खर्च	(17)	618,965	
6,145,000	सामान्य निधि से अंतर्निहित		-	
5,650,611	सामान्य निधि से निवल अतिरिक्त अंतर्निहित		3,644,774	
हमारी संलग्न रिपोर्ट के अनुसार। कृते गुप्ता एंड कंपनी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स एस.के. गांगुली पार्टनर सदस्यता सं० 6622 कोलकाता दिनांक : 21 जुलाई, 2006				बी.एम. शर्मा उपाध्यक्ष आर.एन. पाल निदेशक(प्रशा. एवं वित्त)
				परवाकर मोहंती अध्यक्ष डा० देबासिस बागची सचिव

2841 GI/06-5

अनुसूची सं 1 : सामान्य निधि : 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार				3
गत वर्ष 2004-2005 (रुपये)	विवरण		इस वर्ष 2005-2006 (रुपये)	
78,992,936	पिछले लेखा के अनुसार शेष		80,561,994	
	जोड़िए:			
	i) स्कंध भवनो का पूंजीकरण-			
	त्रिसुर स्कंध	783,265		
	कोल्हापुर सांगली स्कंध	381,560		
118,495	ii) गैर विशिष्ट जमा से स्थानांतरण	71,274		
195,174	iii) बैंक खाता (शुद्ध) गैर संबंध लेन-देन	184,397		
48,185	iv) अन्य		1,420,496	
79,354,790			81,982,490	
	घटाएं :			
177,300	i) देनदारों का समायोजन	15,425		
86,127	ii) अन्य		15,425	
79,091,363			81,967,065	
	iii) क्षेत्रीय परिषदों को पूंजीगत अनुदान			
80,297	पुस्तकालय के लिए	86,726		
6,000	फर्नीचर के लिए	9,000	95,726	
79,005,066			81,871,339	
443,197	जमा: प्रवेश शुल्क (सदस्य)	330,570		
1,608,120	प्रवेश शुल्क (छात्र)	1,949,640	2,280,210	
81,056,383			84,151,549	
6,145,000	घटाएं : आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरण		-	
74,911,383			84,151,549	
5,650,611	जमा: वर्ष के लिए अतिरिक्त:		3,644,774	
	आय एवं व्यय लेखा			
80,561,994	योग		87,796,323	
अनुसूची संख्या 2 : कर्मचारी उपदान निधि				4
31 मार्च, 2006 तक की स्थिति के अनुसार				
गत वर्ष 2004-2005 (रुपये)	विवरण	(रुपये)	इस वर्ष 2005-2006 (रुपये)	
9,446,000	गत लेखानुसार शेष		10,784,000	
1,701,637	जोड़िए : अवधि के लिए अंशदान		2,554,245	
11,147,687			13,338,245	
830,648	जमा: अवधि के लिए निधि के निवेश पर अर्जित व्याज		859,711	
11,978,335			14,197,956	
1,194,335	घटाएं: अवधि के दौरान कर्मचारियों को दिया गया उपदान		1,668,956	
10,784,000	योग		12,529,000	
अनुसूची सं 3 : कर्मचारी नकद छुट्टी कोष: 31 मार्च, 2006 तक की स्थिति के अनुसार				
	गत लेखा अनुसार शेष		6,890,000	
7,745,138	जोड़िए: अवधि के दौरान अंशदान		2,592,602	
7,745,138			9,482,602	
855,138	घटाएं : वर्ष के दौरान कर्मचारियों को किया गया भुगतान		2,183,602	
6,890,000	योग		7,299,000	
अनुसूची सं 4 : कर्मचारी कल्याण कोष 31 मार्च, 2006 तक की स्थिति के अनुसार				
361,573	गत लेखा अनुसार शेष		377,246	
	जोड़िए: अवधि के दौरान अंशदान			
6,316	नियोक्ता	6,008	9,012	
3,158	कर्मचारीगण	3,004		
20,855	जोड़िए: वर्ष के दौरान निधि के निवेश पर अर्जित व्याज		21,610	
391,902			407,868	
14,656	घटाएं: वर्ष के दौरान कर्मचारियों को भुगतान		24,220	
377,246	योग		383,648	

अनुसूची 5 : (31.3.2006 तक की स्थिति के अनुसार विविध पुरस्कार एवं अन्य निधियों)						
पुरस्कार निधि का नाम	प्रारंभिक शेष (रुपये)	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि (रुपये)	क्रेडिट की गयी आय (रुपये)	कुल (रुपये)	पुरस्कार की लागत (रुपये)	अंतिम शेष (रुपये)
बी.डी. पुरी पुरस्कार निधि	13,105.98		692.00	13,797.98	3,054.96	10,743.02
वजीर देवीपुरी पुरस्कार निधि	12,970.13		660.00	13,630.13	3,054.96	10,575.17
बी.सी.चक्रवर्ती पुरस्कार निधि	11,736.70		332.00	12,068.70		12,068.70
डी. डी. कालरा पुरस्कार निधि	14,559.30		356.00	14,915.30	497.00	14,418.30
ए.के. विश्वास पुरस्कार निधि	39,430.88		301.00	39,731.88	3,054.96	36,676.92
विक्रमजीत मजूमदार पुरस्कार निधि	11,648.30		620.00	12,268.30	246.00	12,022.30
बी.एन.गोगुली पुरस्कार निधि	8,264.30		305.00	8,569.30		8,569.30
के. रामचन्द्रन पुरस्कार निधि	6,162.26		457.00	6,619.26		6,619.26
श्रीमती राजम्मा एम.आर.एस. आर्यगर पुरस्कार निधि	6,295.70		351.00	6,646.70		6,646.70
यू.एन.सूर पुरस्कार निधि	12,164.50		864.00	13,028.50		13,028.50
मौजीराम जैन पुरस्कार निधि	17,498.00		1,068.00	18,566.00		18,566.00
पुणे लागत लेखाकार पुरस्कार निधि	11,773.00		663.00	12,436.00		12,436.00
गंगादास मूढडा पुरस्कार निधि	10,683.13		1,053.00	11,736.13	3,054.96	8,681.17
वी. श्रीनिवासन पुरस्कार निधि	11,900.13		943.00	12,843.13	3,054.96	9,788.17
वी.के. कंसल एवं एस. पी. कंसल	32,080.00		1,576.00	33,656.00		33,656.00
जे.एन.बोस पुरस्कार निधि	11,327.13		632.00	11,959.13	3,054.96	8,904.17
सुभाष अध्या पुरस्कार निधि	4,614.04		262.48	4,876.52		4,876.52
एन. सरकार पुरस्कार निधि	13,587.56		525.50	14,113.06		14,113.06
जी. इन्दिरा देवी पुरस्कार निधि	19,688.24		791.00	20,479.24	3,054.96	17,424.28
पुष्पारानी डे पुरस्कार निधि	13,145.68		1,416.00	14,561.68	3,054.96	11,506.72
श्रीनिवासन जगन्नाथन पुरस्कार निधि	28,822.75		1,200.00	30,022.75	3,054.96	26,967.79
सुल्तान चंद पुरस्कार निधि	43,966.00		1,612.00	45,578.00	1,469.00	44,109.00
के.के. दत्ता पुरस्कार निधि	23,346.83		777.00	24,123.83	2,036.64	22,087.19
केदारनाथ प्रह्लादशाय धनुका पुरस्कार निधि	26,676.00		969.00	27,645.00	752.00	26,893.00
घनपति गोयल पुरस्कार निधि	27,369.04		1,104.00	28,473.04	3,054.96	25,418.08
कांशीराम प्रभाकर पुरस्कार निधि	27,126.64		1,104.00	28,230.64	4,073.28	24,157.36
मंदाकिनी वसंत लिमये पुरस्कार निधि	3,682.50		264.00	3,946.50		3,946.50
कर्नल अम्बुज नाथ बोस पुरस्कार निधि	43,199.13		1,576.00	44,775.13	3,054.96	41,720.17
एम. कृष्णमूर्ति पुरस्कार निधि	9,984.00		524.00	10,508.00		10,508.00
लक्ष्मी बाई घटोपत कविश्वर पुरस्कार निधि	8,425.00		265.00	8,690.00		8,690.00
कमला मुखर्जी पुरस्कार निधि	15,901.00		800.00	16,701.00		16,701.00
पी.गोगुली स्मृति पुरस्कार निधि	120,999.00		5,916.00	126,915.00		126,915.00
प्रिंसिपल श्रीमती वी.जे.तलाती पुरस्कार निधि	31,825.00		1,436.00	33,261.00	1,018.32	32,242.68
अनुपूर्णा और रेबाती आर भट्टाचार्य पुरस्कार निधि	23,862.00		1,152.00	25,014.00	859.00	24,155.00
ए.वी.एस.सब ड्रॉगैट लेखर निधि	11,920.00		689.00	12,609.00		12,609.00
नादन कोलफाल्ड मेरिट पुरस्कार निधि		100,000.00	1,935.00	101,935.00	1,759.00	100,176.00
के.जी. बोयल हिंदी माध्यम पुरस्कार निधि		21,000.00	649.00	21,649.00		21,649.00
रंजन कुमार बासु मेमोरियल पुरस्कार निधि		20,000.00	701.00	20,701.00	553.00	20,148.00
झायमंड जुबली पुरस्कार निधि		100,000.00	3,111.00	103,111.00	1,018.32	102,092.68
छात्र कल्याण निधि	75,255.00		1,472.00	76,727.00		76,727.00
कुल	804,994.85	241,000.00	41,123.98	1,087,118.83	47,886.12	1,039,232.71

अनुसूची सं. 6 : 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार स्थाई सम्पत्तियाँ										
संपत्ति का विवरण	सकल ब्याक				ह्रास				शुद्ध ब्याक	
	01.4.2005 को प्रारंभिक लागत	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	घटाए: वर्ष के दौरान स्थायी संपत्तियों की बिक्री/समायोजन	31.3.2006 को कुल	1.4.2005 तक	इस अवधि के लिए	घटाए: वर्ष के दौरान स्थायी संपत्तियों की बिक्री/समायोजन पर ह्रास	31.3.2006 तक	2005-2006 इस वर्ष	2004-2005 गत वर्ष
	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०	रु०
फ्री होल्ड भूमि										
मुख्यालय	14,000			140,000	-			-	140,000	140,000
क्षेत्रीय परिषदे और स्कघ	3,319,783	168,800		3,488,583	-			-	3,488,583	3,319,783
फ्री होल्ड भवन										
मुख्यालय	2,707,998			2,707,998	1,603,318	110,468		1,713,786	994,212	1,104,680
क्षेत्रीय परिषदे और स्कघ	34,145,662	1,496,025		35,641,687	18,294,770	1,734,692		20,029,462	15,612,225	15,850,892
लीज होल्ड भूमि:										
क्षेत्रीय परिषदे और स्कघ										
(दुर्गापुर, नागपुर, उक्सु-नाथाम, विज्ञाखापतनम, पुणे और मिर्जाई)	407,070			407,070	140,479	13,496		153,975	253,095	266,591
फर्नीचर एवं फिटिंग्स :										
मुख्यालय	2,665,558	10,631		2,676,189	2,064,645	61,154		2,125,799	550,390	600,913
पुस्तकालय पुस्तकें:										
मुख्यालय	843,536	38,794		882,330	514,411	36,792		551,203	331,127	329,125
कार्यालय उपकरण :										
मुख्यालय	3,073,629	408,643		3,482,272	2,110,219	137,205		2,247,424	1,234,848	963,410
जनरेटर										
मुख्यालय	280,545			280,545	275,736	1,202		276,938	3,607	4,809
लिफ्ट:										
मुख्यालय (ई आई आर सी परिसर)	416,062			416,062	342,012	18,513		360,525	55,537	74,050
मोटर कार:										
मुख्यालय	563,874		186,328	477,546	530,494	26,676	179,772	377,398	100,148	133,380
कम्प्यूटर :										
मुख्यालय	7,785,573	298,102		8,083,675	7,583,945	299,838		7,883,783	199,892	201,628
योग	56,449,290	2,420,995	186,328	58,683,957	33,460,029	2,440,036	179,772	35,720,293	22,963,664	22,889,261

अनुसूची सं. 7 : 31 मार्च, 2006 तक की स्थिति के अनुसार निवेश (लागत पर)

गत वर्ष			इस वर्ष
2004-2005			2005-2006
(रुपये)	विवरण	(रुपये)	(रुपये)
	शेयर (सामान्य निधि) :		
500	जय वृन्दावन प्रीमियम ट्रस्ट फंड, बम्बई में 100-100 रुपये के 5 शेयर		500
	योग:		
500			500

अनुसूची सं. 8 : चालू परिसम्पत्तियाँ 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष		इस वर्ष
2004-2005	विवरण	2005-2006
रुपये		रुपये
3,081,460	प्रकाशन स्टॉक (लागत पर)	2,607,016
684,684	पेपर स्टॉक (लागत पर)	812,506
4,001,698	अध्ययन सामग्री स्टॉक (लागत पर)	2,084,212
4,735	स्टॉक सिल्वर टाइज	4,735
1,677,353	अन्य प्राप्ति योग	1,959,917
9,393,282	विविध कर्जदार	9,755,240
	रोकड़ एवं बैंक शेष:	
61,426	हाथ में (रोकड़ और पोस्टेज स्टैम्प सहित)	38,205
313,888	डाक घर में (विवरण टिप्पणी सं० बी-18 अनु.18)	329,387
	अनुसूचित बैंकों में जमा शेष	
6,890,603	चालू खाते में	10,928,497
1,382,409	बचत खाते में	25,445
	सावधि जमा :	
11,144,645	कर्मचारी उपदान निधि	11,144,645
19,500,000	इंस्टीट्यूट फंड	29,550,000
360,861	कर्मचारी कल्याण कोष	360,861
572,278	विविध पुरस्कार निधि एवं अन्य निधि	813,278
59,069,322	योग	70,413,944

अनुसूची सं. 9 : ऋण तथा अग्रिम: 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष			इस वर्ष
2004-2005			2005-2006
रुपये	विवरण	रुपये	रुपये
	स्कंधों को भवन निर्माण ऋण : (क)		
2,236,441	5% भवन निर्माण ऋण	2,36,441	
96,241	4% भवन निर्माण ऋण	96,241	2,332,682
611,947	स्कंधों को कंप्यूटर ऋण: (ख)		597,414
10,702,000	भवन निर्माण के लिए क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को अग्रिम (ग)		10,202,000
2,132,138	स्कंधों को रजत जयंती पूंजीगत अनुदान (अग्रिम) (घ)		2,132,138
200,000	क्षेत्रीय परिषदों को ऋण -ईआईआरसी		811,101
1,111,804	कर्मियों को भवन निर्माण अग्रिम		977,921
11,815	कर्मचारियों को वाहन खरीद अग्रिम		6,900
838,394	अन्य अग्रिम		147,226
194,585	कर्मचारियों को त्याहार अग्रिम		181,485
585,890	विदेशी निकायों को अग्रिम सदस्यता अंशदान-सीएपीए और आईएफएसी		665,598
2,370	कर्मचारियों को भविष्य निधि अंशदान के लिए वेतन अग्रिम		2,370
137,469	पूर्व संदत खर्च		89,361
352,170	जमा		380,170
19,213,264	योग		18,526,366

2841 GI/06-6

अनुसूची सं 9 (क) : स्कंधों को भवन निर्माण ऋण 31 मार्च 2006 की स्थिति के अनुसार				
गत वर्ष 2004-2005 रु०		स्कंध का नाम	इस वर्ष 2005-2006 रु०	
4% ऋण रु०	5% ऋण रु०		4% ऋण रु०	5% ऋण रु०
6,241		गोवा	6,241	
	100,000	कोल्हापुर-सांगली		100,000
	82,800	औरंगाबाद		82,800
	200,000	कोयंबटूर		200,000
	150,000	सनीपेट-बेतोर		150,000
90,000		हावड़ा	90,000	
	150,000	बोकारो स्टील सिटी		150,000
	200,000	दुर्गापुर		200,000
	200,000	आसनसोल		200,000
	200,000	धनबाद सिन्धी		200,000
	191,897	सेरामपुर		191,897
	186,744	कटक-मुबनेखर		186,744
	135,000	जयपुर		135,000
	200,000	उदयपुर		200,000
	100,000	कानपुर		100,000
	140,000	कोटा		140,000
96,241	2,236,441	योग	96,241	2,236,441

अनुसूची सं 9 (ख) : स्कंधों को कम्प्यूटर ऋण 31 मार्च 2006 की स्थिति के अनुसार

64,150	गोवा	64,150
62,150	अहमदाबाद	62,150
8,240	विशाखापटनम	8,240
50,888	कोचीन	49,429
11,267	नेवेली	12,267
43,074	त्रिवेन्द्रम	34,001
64,150	हावड़ा	64,150
64,150	दुर्गापुर	64,150
64,150	आसनसोल	64,150
53,773	कटक-मुबनेखर	53,773
58,804	जयपुर	58,804
64,150	उदयपुर	64,150
611,150	योग	597,414
2002-2003 के दौरान कम्प्यूटर-ऋण की वसूली		राशि रु०
कोचीन स्कंध		1,460
नेवेली स्कंध		2,000
त्रिवेन्द्रम स्कंध		9,073
विशाखापटनम स्कंध		2,000
योग :		14,533

अनुसूची सं 9 (ग) : भवन निर्माण के लिए क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को अग्रिम 31 मार्च 2006 की स्थिति के अनुसार

3,892,000	एन.आई.आर.सी.	3,892,000
2,700,000	डब्ल्यू.आई.आर.सी.	2,700,000
300,000	मिलाई	300,000
300,000	उदयपुर	300,000
300,000	लखनऊ	300,000
200,000	नासिक ओझर	200,000
300,000	कटक-मुबनेखर	300,000
300,000	दुर्गापुर	300,000
300,000	बोकारो स्टील शहर	300,000
200,000	कोल्हापुर-सांगली	
300,000	आसनसोल	300,000
200,000	कानपुर	200,000
300,000	धनबाद सिन्धी	300,000
300,000	मैसूर	300,000
300,000	सेरामपुर	300,000
300,000	त्रिसूर	
210,000	कोटा	210,000
10,702,000	कुल	10,202,000

अनुसूची सं० 9 (घ) : स्कंधों को रजत जयंती पूजार्थ अनुदान(अग्रिम): 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष 2004-2005 रु०	स्कंध का नाम	इस वर्ष 2005-2006 रु०
100,000	कानपुर	100,000
100,000	दुर्गापुर	100,000
100,000	आसनसोल	100,000
32,138	जयपुर	32,138
100,000	अहमदाबाद	100,000
100,000	हावड़ा	100,000
100,000	जमशेदपुर	100,000
100,000	नेहाटी इच्छापुर	100,000
100,000	फरीदाबाद	100,000
100,000	चण्डीगढ़-पंचकुला	100,000
100,000	कटक-भुवनेश्वर	100,000
100,000	बोकारो स्टील शहर	100,000
100,000	विजयवाड़ा	100,000
100,000	कल्याण-अम्बरनाथ	100,000
100,000	बडोदा	100,000
100,000	भोपाल	100,000
100,000	त्रिवेन्द्रम	100,000
100,000	नागपुर	100,000
100,000	गोवा	100,000
100,000	लखनऊ	100,000
100,000	नासिक-ओझार	100,000
100,000	मैसूर	100,000
2,132,138	कुल	2,132,138

अनुसूची सं० 10 : चालू देयताएं एवं प्रावधान 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

गत वर्ष 2004-2005 रु०	विवरण	इस वर्ष 2005-2006 रु०
	चालू देयताएं:	
453,831	पुस्तकालय जमा	455,186
1,705,072	विविध लेनदार	2,347,009
771,002	अन्य देयताएं-शुद्ध	588,249
366,056	बुक ओवर ड्राफ्ट	27,750
320,000	प्रावधान	320,000
3,615,961	योग	3,738,194

अनुसूची सं० 10 का परिशिष्ट

	प्रावधान	
30,000	को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी प्रा० लि०, को अनुदान हेतु प्रावधान	30,000
140,000	क्षेत्रीय परिषदों और स्कंधों को स्वर्ण जयंती अंशदान हेतु प्रावधान	140,000
150,000	दशे और करों के लिए प्रावधान	150,000
320,000	योग	320,000

अनुसूची सं० 11 : आय वार्षिक सदस्यों का अंशदान: 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

6,234,581	वार्षिक सदस्यता शुल्क	6,843,426
840,233	सदस्यों के प्रैक्टिस प्रमाण-पत्र शुल्क	817,800
1,366,375	ग्राड सी. डब्ल्यू. ए. शुल्क	451,285
18,125	सदस्यता बहाली शुल्क	82,374
550	सदस्य शिवालय शुल्क	250
22,950	नामांकन शुल्क	-
8,472,814	योग	8,195,135

अनुसूची सं० 12 : आय: शिक्षण एवं अन्य शुल्क: 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार		
2,412,180	विद्यार्थी पंजीकरण शुल्क	2,924,460
21,192,407	शिक्षण शुल्क	23,712,503
2,889,084	कंप्यूटर ट्रेनिंग -नेट	3,346,093
-	मान्यता शुल्क	900
58,100	आवर्ती वार्षिक शुल्क	53,850
5,080,085	सेवा शुल्क	5,505,641
2,095,736	शिक्षा समापन प्रमाण-पत्र पुनःवैधीकरण शुल्क द्वारा	1,412,168
2,011,061	फार्मों की बिक्री	2,515,683
7,130,266	अध्ययन नोट्स की बिक्री	5,345,953
12,800	डेनोवा फार्म और पोस्टल कोविग बिक्री	7,899
48,715	कोविग पुनवैधीकरण फार्मों की बिक्री द्वारा	21,226
42,930,434	योग	44,846,376
अनुसूची: 13 आय: परीक्षा एवं अन्य शुल्क: 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार		
21,221,689	परीक्षा शुल्क	22,513,309
213,010	उत्तर पत्रों के सत्यापन शुल्क	264,725
1,533,137	स्कैनर सहित सुझाए गए उत्तरों की बिक्री द्वारा	1,373,664
577,520	परीक्षा फार्मों की बिक्री द्वारा	1,011,237
251,171	विविध आय द्वारा	287,681
23,796,527	योग	25,450,616

अनुसूची-14 स्थापना: 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार		
25,913,486	वेतन और भत्ते	26,866,280
1,701,687	कर्मचारी कल्याण निधि में नियोक्ता का अंशदान	2,554,245
2,317,198	कर्मचारी भविष्य निधि में नियोक्ता के अंशदान के लिए	2,455,815
6,316	कर्मचारी उपदान निधि में नियोक्ता का अंशदान	6,008
1,727,138	कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण	2,592,602
1,184,759	कर्मचारियों को चिकित्सीय लाभ	1,191,126
155,000	कर्मचारियों को छुट्टी यात्रा भत्ता	163,000
63,358	कर्मचारियों के ई.डी.एल.आई में नियोक्ता का अंशदान	52,070
493	ई.डी.एल.आई निरीक्षण प्रभार	477
34,812	आर.पी.एफ.सी. हेतु प्रशासनिक प्रभार	36,811
78,610	प्रशिक्षण और विकास (एच.आर.डी.)	258,943
33,182,856	योग	36,177,377

अनुसूची सं० 15: व्यय: कार्यालय खर्च 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

1,681,266	मुद्रण एवं स्टेशनरी	1,604,880
2,091,186	डाक, तार दूरभाष और फैक्स	2,644,855
704,922	विद्युत खर्च	729,124
30,960	जनरेटर खर्च	31,278
173,765	दर और कर	147,510
39,775	बीमा	46,560
1,080,765	भरपूर और रख-रखाव	1,405,904
628,031	मोटर गाड़ी खर्च	797,569
6,800	प्रतिभूति जमा पर ब्याज	6,800
645,828	अध्ययन सामग्री वितरण खर्च	553,532
208,900	कानूनी खर्च	742,707
167,364	बैंक खर्च	154,237
571,494	कंप्यूटर खर्च जिसमें भाड़ा खर्च भी शामिल है	322,246
38,869	जन संपर्क खर्च	55,910
66,244	सुरक्षा खर्च	52,776
106,309	पुस्तकें तथा पत्रिकाएँ	130,494
4,250	डेलीगेट शुल्क	52,750
197,180	राजपत्र अधिसूचना	204,180
201,028	कर्मचारी कल्याण	206,278
226,288	विविध खर्च	393,354
8,871,224	योग	10,282,942

अनुसूची 16: 31 मार्च, 2006 को समाप्त हुए वर्ष के लिए राजस्व व्यय की प्रतिपूर्ति सहित क्षेत्रीय परिषदों को राजस्व अनुदान (क) वर्ष के दौरान निम्न लेखों से क्षेत्रीय परिषदों को प्रतिपूर्ति की गई और आय एवं लेखा में आमेलित किया गया धन						
गत वर्ष 2004-2005 रु०	विवरण	ई.आई.आर. सी रुपये	एस.आई. आर.सी रुपये	डब्ल्यू.आई. आर.सी रुपये	एन.आई. आर.सी रुपये	इस वर्ष 2005-2006 रुपये
23,717	मरम्मत एवं रख-रखाव	2,948	886	6,000	12,632	22,466
65,376	दर एवं कर	-	32,642	-	33,268	65,910
89,093	कुल(क):	2,948	33,528	6,000	45,900	88,376
290,354	टी.ए. अनुदान	75,000	75,000	75,000	75,000	300,000
240,000	चालू खर्च अनुदान	60,000	60,000	60,000	60,000	240,000
6,124,999	राजस्व अनुदान	779,559	3,019,350	914,850	1,913,050	6,626,809
6,655,353	कुल(ख):	914,559	3,154,350	1,049,850	2,048,050	7,166,809
6,744,446	कुल (क) +(ख):	917,507	3,187,878	1,055,850	2,093,950	7,255,185

अनुसूची सं० 17: पूर्व अवधि के खर्च - 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार

93,786	कार्यालय व्यय	228,784
-	पत्रिका व्यय	20,668.00
-	विदेशी निकाय(एसएएफए) को सदस्यता अभिदान	295,939.00
62,048	सी.ई. कार्यक्रम व्यय	32,133.00
8,862	सी.सी.एम.	9,441.00
43,925	परीक्षा शुल्क	
6,018,000	कर्मचारी छुट्टी नकदीकरण में नियोक्ता का अंशदान	
550	यात्रा एवं सवारी भत्ता	
126,983	मूल्य ह्रास/पट्टेदारी जमीन का किराया	
26,406	पीडी खर्च	32,000
6,380,540	योग	618,965

दि इस्ट्रीट्यूट ऑफ कॉस्ट एण्ड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया

(ख) समाओं को वार्षिक अनुदान से भिन्न खर्चों को व्यापारिक आधार पर माना गया है। चुनाव संबंधी व्यय को तीन वर्षों की अवधि में प्रभारित किया जाता है।

दिनांक 31 मार्च, 2006 को समाप्त वर्ष के लिए लेखों के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

अनुसूची संख्या 18

क. महत्वपूर्ण लेखाकरण नीति

1. अचल परिसम्पत्तियाँ

- (क) अचल परिसंपत्तियों के संबंध में ह्रासमान मूल्य पद्धति में प्रदत्त लागत घटा मूल्यह्रास पर आधारित लेखाओं में बताया गया है चाहे समय-समय पर आयकर नियमावली के तहत निर्धारित दर पर खरीद की तारीख कोई भी हो।
- (ख) पट्टे वाली जमीन का पट्टा अवधि के दौरान परिशोधन किया जाता है।
- (ग) निर्माणाधीन परिसम्पत्तियों को प्रगतिशील पूंजी कार्य के रूप में दर्शाया जाता है।

2. आय एवं व्यय संबंधी स्वीकार्यता:

- (क) आय को लेखाओं में आमतौर पर नकद आधार पर माना जाता है। इसमें क्षेत्रीय परिषदों तथा समाओं के साथ इस्ट्रीट्यूट के विभिन्न प्रकाशनों की बिक्री संबंधी ब्याज आय और लेन-देन शामिल नहीं है।

3. पूंजी निवेश:

पूंजी निवेश को लागत के आधार पर दर्शाया गया है।

4. भंडारसूची:

भंडारसूची में प्रकाशन कागजात और अध्ययन सामग्री शामिल है जिनका मूल्य क्रय-लागत जमा अन्य संबद्ध प्रभारों के आधार पर निर्धारित किया गया है। प्रकाशन तथा अध्ययन सामग्री के स्टॉक का मूल्य भारित औसत लागत के आधार पर निर्धारित किया जाता है और कागज के स्टॉक का मूल्यांकन फर्स्ट इन फर्स्ट आउट की पद्धति के प्रयोग द्वारा किया जाता है। किंतु, खपत के अयोग्य/बिक्री के अयोग्य प्रकाशनों और अध्ययन सामग्री को स्टॉक मूल्य में शामिल नहीं किया जाता है।

5. कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ:

(क) उपदान(प्रेच्युटी) भुगतान अधिनियम, 1972 के अनुसार उपदान के वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर लेखा में उपदान का प्रावधान किया गया है।

(ख) न्यासियों को भविष्य निधियों का भुगतान इस संबंध में बनी संस्थान की नियमावली के अनुसार किया जाता है और इस्ट्रीट्यूट का अंशदान प्रत्येक वर्ष के राजस्व में प्रभारित किया जाता है।

2891 GI/06-7

(ग) सेवानिवृत्ति पर छुट्टी नकदीकरण लाभ वास्तविक मूल्यांकन आधार पर प्रदान किया जाता है।

6. विदेशी मुद्रा का लेन-देन:

लेखाओं को विदेशी मुद्रा के लेन-देन रूप में संग्रहण/भुगतान में दर्शाया जाता है अर्थात् जब उसकी प्राप्ति और खर्च रूप के मूल्य में होता है तब उसका उल्लेख किया जाता है। मानिटररी मदों के लिए विदेशी में किए गए सभी लेन-देनों को लेन-देन की तारीख को चल रही दर अथवा अन्तिम दरों पर परिवर्तित किया जाता है।

7. पूर्व समयावधि आय/व्यय

पूर्व समयावधि के विशिष्ट राजस्व भाग को आय और व्यय संबंधी लेखाओं की पंक्ति के नीचे दर्शाया जाता है और पूर्व-समयावधि संबंधी समायोजन सामान्य निधि में तथा उसी में से किए जाते हैं।

ख. लेखाओं के भाग स्वरूप टिप्पणियां

1. काउंसिल की दिनांक 21.7.1996 को हुई 174 वीं बैठक के निर्णय के अनुसार 1,84,397/- रु. की राशि (जिसमें 15,56,558/- रु. का जमा और 137,21,61/- रु. की निकासी शामिल है) को सामान्य निधि द्वारा समायोजित किया गया है जिससे इंस्टीट्यूट के विभिन्न बैंक खातों के बैंक मिलान विवरण-पत्र में आंशिक बकाया राशि को बट्टे खाते डाला जा सके।
2. रजत जयंती पूंजी अनुदान (अग्रिम) से संबंधित 21,32,138/- रु. (पिछले वर्ष 21,32,138/-रु.) की असमयोजित शेष राशि का संगत कागजात के अभाव में समायोजन नहीं किया जा सका।
3. वर्ष के दौरान दो सभाओं अर्थात् शिसूर तथा कोल्हापुर सांगली सभा की भूमि तथा भवन को 16,64,825/-रु. के सकल मूल्य पर पूंजी में परिणत किया गया। भवन-निर्माण के लिए क्षेत्रीय परिषदों तथा सभाओं को दिए गए अग्रिम में असमयोजित शेष राशि 1,02,02,000/-रु. (पिछले वर्ष 1,07,02,000/-रु.) है जो संगत कागजात तथा जानकारी के अभाव में पूंजीकरण हेतु लंबित है।
4. आयकर में छूट आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के साथ पठित धारा 10(23क) के तहत दी गई है। तदनुसार आयकर के लिए कोई भी प्रावधान नहीं किया गया है।
5. दिनांक 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी छुट्टी नकदीकरण निधि वास्तविक आधार पर 72,99,000/- रु. की रही।
6. दिनांक 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी ग्रेज्युटी निधि वास्तविक मूल्यांकन आधार पर 1,25,29,000/-रु. (पिछले वर्ष 1,07,84,000/-रु.) की रही जबकि पूंजी निवेश उस पर प्राप्त ब्याज सहित 1,13,15,236/- रु. का रहा। इस प्रकार पूंजी निवेश में 12,13,764/- रु. (पिछले वर्ष 1,13,17,866/-रु.) राशि की कमी रही। इसे चालू वर्ष में पूरा कर लिया जाएगा।
7. दिनांक 31 मार्च, 2006 की स्थिति के अनुसार कर्मचारी परोपकार निधि 3,72,608/-रु. (पिछले वर्ष 3,77,246/- रु.) की रही जबकि निवेश उस पर प्राप्त ब्याज सहित 4,13,906/- रु. (पिछले वर्ष 3,92,296/-रु.) का रहा।

....

8. इंस्टीट्यूट द्वारा बनाई रखी गई सभी पुरस्कार निधियों और विद्यार्थी परोपकार निधि को परिषद के निर्णय के अनुसार उनके संगत निवेश-आंकड़ों सहित लेखाओं में शामिल किया गया है। चूंकि इन निधियों को विभिन्न दान दाताओं द्वारा प्रायोजित किया गया है, अतः तत्संबंधी आय/व्यय आंकड़ों का इंस्टीट्यूट के लेखाओं से कोई संबंध नहीं है। वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट को हीरक जयन्ती पुरस्कार हेतु 1,00,000/- रु., लेफिट. रंजन कुमार बासु स्मारक पुरस्कार से 20,000/- रु., योग्यता पुरस्कार हेतु 1,00,000/- रु. की राशि नार्दर्न कोलफील्ड्स लि० से, और के.जी. गोयल हिन्दी माध्यम पुरस्कार निधि के लिए 21,000/- रु. की अतिरिक्त राशियां प्राप्त हुईं। इन सभी निधियों को वर्ष के दौरान खर्च कर दिया गया है।
9. पिछली प्रक्रिया के अनुसार क्षेत्रीय परिषदों के लेखाओं को इन लेखाओं में शामिल नहीं किया है, हालांकि आयकर अधिनियम, 1961 के तहत इन पर ट्रस्ट की आय की गणना के समय पर विचार किया जाता है।
10. 8,80,925/-रु. (2004-07) राशि के चुनाव संबंधी व्यय (1/3 भाग) और चुनाव न्यायाधिकरण व्यय से संबंधित 2,30,394/- रु. की राशि आय तथा व्यय लेखा से लिया गया है और 8,80,924/-रु. की राशि विविध व्यय शीर्ष के तहत दर्शाया गया है जिसे लेखा नीति सं. 2(ख) के अनुसार अगले वर्ष भारित किया जाएगा।
11. विभिन्न क्षेत्रीय परिषदों एवं सभाओं को लेखा-शेष की पुष्टि हेतु अनुरोध की प्रतीक्षा है और इन लेखाओं में परिलक्षित शेष राशियां बहियों के अनुसार दर्शायी गई हैं।
12. 73.00 लाख रु. (इंस्टीट्यूट निधि) की सावधि जमा राशि प्राप्त ओवरड्राफ्ट सुविधा हेतु ग्रहणधिकार के तहत सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, न्यू मार्केट शाखा, कोलकाता में रखी गई है।
13. परिषद के निर्णय के अनुसार बैंक चालान के जरिए संग्रहण करना दिनांक 26.9.2005 से बंद कर दिया गया है। किंतु, बैंक चालान द्वारा एसबीआई में जमा कोई भी राशि संग्रह की जाती है और पिछली प्रक्रिया के अनुसार बैंक से प्राप्त चालान की द्वितीय प्रतियों के आधार पर लेखाकरण किया जाता है।
14. चालू वर्ष के लिए सदस्यों/विद्यार्थियों से प्राप्त राशियों में 1,16,245/- रु. राशि के रिटर्न ड्राफ्ट शामिल हैं। इसकी वसूली हेतु कदम उठाए गए हैं।
15. चालू वर्ष के समूहीकरण को अनुरूप बनाने हेतु जहां कहीं आवश्यक पाया गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहबद्ध किया गया है।

बी.एम.शर्मा
उपाध्यक्ष

प्रवाकर मोहन्ती
अध्यक्ष

कोलकाता

दिनांक 21 जुलाई, 2006

आर.एन.पाल
निदेशक(प्रशा. एवं वित्त)

डॉ. देबाशीष बागची, सचिव

[विज्ञापन III/IV/71/असाधारण/06]

**THE INSTITUTE OF COST AND WORKS
ACCOUNTANTS OF INDIA**

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st July, 2006

No. G/18-CWA/9/2006- In pursuance of Sub-Section 5 of Section 18 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Annual Report of the Council of the Institute and the Audited Accounts of the said Institute for the year ended 31st March, 2006 are hereby published for general information.

Dr. D. Bagchi
Secretary

47th ANNUAL REPORT, 2005-2006

The Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India takes pleasure in presenting the Annual Report and Audited Accounts of the ICWAI for the year ended 31st March, 2006.

The Council at its meeting held on 22nd July, 2005 elected Shri Pravakar Mohanty, M. Com., LLB, FICWA, as President, and Shri B. M. Sharma, M. Com., FICWA, G.D.C.&A., as Vice-President of the Institute for the year 2005-2006.

The Council met six times during the year 2005-2006. Dr H.R. Subramanya, Central Council Member and Immediate Past President, expired on 6th December, 2005. The Council in its 229th Special Meeting held on 22nd January, 2006 at Hotel Swosti Plaza, Bhubaneswar, adopted a condolence resolution in this regard:

Coaching

During the year, 33,380 students enrolled themselves for coaching showing a rise of 9 per cent compared to the last year. The regionwise break-up is as under:

POSTAL AND ORAL STATISTICS							
Course	Region	POSTAL		ORAL		TOTAL	
		04-05	05-06	04-05	05-06	04-05	05-06
FOUNDATION	NORTHERN	1,055	875	906	809	1,961	1,684
	EASTERN	148	183	391	445	539	628
	WESTERN	317	303	811	1,036	1,128	1,339
	SOUTHERN	764	3,049	1,778	2,263	2,542	5,312
Sub Total		2,284	4,410	3,886	4,553	6,170	8,963
INTER	NORTHERN	3,434	3,204	1,058	1,363	4,492	4,567
	EASTERN	1,034	1,279	1,495	1,840	2,529	3,119
	WESTERN	1,718	1,916	3,072	3,520	4,790	5,436
	SOUTHERN	4,197	2,306	4,851	6,192	9,048	8,498
Sub Total		10,383	8,705	10,476	12,915	20,859	21,620
FINAL	NORTHERN	556	496	130	78	686	574
	EASTERN	338	290	195	202	533	492
	WESTERN	398	304	289	339	687	643
	SOUTHERN	1,148	424	527	664	1,675	1,088
Sub Total		2,440	1,514	1,141	1,283	3,581	2,797
GRAND TOTAL		15,107	14,629	15,503	18,751	30,610	33,380

Committees of the Council

The updated composition of various Committees constituted by the Council is given in Annexure 1.

**TRAINING, EDUCATIONAL FACILITIES
& COMPUTERIZATION**

Registered Students

During the current year, 14,343 students registered themselves with the Institute showing an increase of 9 per cent over the previous year when the number was 13,165. The number of registered students at the end of the year stood at 1,44,614. The regionwise break-up of the students registered during the years 2004-2005 and 2005-2006 is indicated below:

REGISTRATION		
REGION	2004-2005	2005-2006
Western	2,641	2,798
Southern	5,020	5,663
Eastern	1,620	2,062
Northern	2,349	2,362
TOTAL	11,630	12,885
DENOVO	1,535	1458
GRAND TOTAL	13,165	14,343

The Institute continues to provide necessary facilities for postal coaching in the form of supply of study notes, test papers and suggested answers through Regional Councils during the year. Besides postal coaching, the Institute provides oral coaching to the students through 107 centres spread all over the country and 1 Overseas Coaching Centre at Dubai.

Practical Training Scheme

The Institute is having a Practical Training Scheme to help the students to acquire experience in industry, service and other sectors of the economy. Reputed organizations are engaging Cost Trainees in their organizations.

Revision/Updating of Study Notes and Publication of Supplements

As usual, supplements on Direct Taxation and Indirect Taxation, based on the Finance Act 2005 on which the questions of June 2006 and December 2006 on the paper Business Taxation and Strategic Tax Management would be set, were published and uploaded in our Website.

Communication to the Students

During the year, correspondence with the students were properly maintained and promptly replied to their queries. Any student can know his coaching status from the website or from the headquarter promptly.

Computerization of Coaching Status

a. Updating of Coaching Status on day-to-day basis

The coaching status of the students is continuously updated in database in headquarters. The same status is uploaded to website at periodical interval.

b. Updating of De-Novo Status on day-to-day basis

After expiry of seven years students apply for De-Novo Registration, consequent upon cancellation of old registration numbers and De-Novo Registration Numbers are awarded to the concerned students. The status of De-Novo Registration as on date has been uploaded in the website, so that the students by punching their old numbers can view the corresponding De-Novo Registration numbers.

Successful running of E-Learning Scheme

Last year, Shri Prem Chand Gupta, Hon'ble Minister of State for Company Affairs (Independent Charge), Government of India, launched the institute's unique e-learning initiative to facilitate real-time, virtual learning by the students of the Institute.

The portal, www.eicwai.in, has become a future learning centre for the aspirant Cost Accountants. It is becoming popular within the student community. The question bank, guidance notes, e-faculty, etc,

pertaining to e-learning have been revamped in line with the requirements of the industry in the modern globalized scenario.

Introduction of Intranet-based Education Processing System

In line with the global environment, ICWAI has also initiated the process of implementation Intranet-based education processing system by integrating service to the students through various units of the Institute by offering instant registration, coaching, examination application etc., thereby providing prompt service to the student community and online updation of student database.

Career Counselling Initiatives

Special initiatives for disseminating the scope of the course among the student community were taken during the year. Chapters/Regional Councils of the Institute were asked to coordinate with the local educational institutions or organize meetings of the senior students in which representatives of the Institute attended the same and highlighted the scope of Cost and Management Accountancy Profession in the emerging economic scenario. A series of Career Counseling Programmes have been held during the year.

Placement of students and Campus Selection

Continuous efforts are given to place the pass out students in reputed companies. Some campus interviews were organized at Kolkata where companies like GE, Gecis, Rashmi Cement, etc., recruited around 150 final qualified students, and at Chennai where companies like Ford Motors, TVS, etc, recruited substantial number of students. Similar other drives were taken in various places.

Initiative for introduction of New Syllabus

Initiative has been taken to introduce new syllabus for ICWA examinations to keep pace with rapid changing global scenario, corporate environment and emergence of computerization. Opinion from different reputed, established organizations like FICCI, CII have been sought. Also renowned experts involved to formulate the new syllabus. It is expected to introduce the new syllabus some time in 2007.

New Coaching Policy

An updated new coaching policy has been introduced with effect from 1.1.2006. The main aim of the new coaching policy is to make the standard of coaching more industry-oriented.

Oracle Training for Students

During the year, Oracle Training (ERP) for students at a concessional rate has been initiated with Oracle India.

EXAMINATIONS

The June 2005 and December 2005 examinations were held in due dates from 18th to 21st June and 26th

to 29th December respectively. The examinations were conducted smoothly in 78 centres including 3 overseas centres. The list of examination centers where June 2005 and December 2005 examinations were conducted is given below.

Examination Centres – June 2005 and December 2005

Inland:

Western Region	Southern Region	Eastern Region	Northern Region
Ahmedabad	Bangalore (2 centres)	Agartala	Allahabad
Aurangabad	Chennai	Asansol	Chandigarh
Baroda	Coimbatore	Bhubaneswar	Dehradun
Bhilai	Ernakulam	Berhampore	Delhi (4 centres)
Bhopal	Hyderabad	Bokaro	Faridabad
Bilaspur	Kottayam	Cuttack	Ghaziabad
Indore	Madurai	Dhanbad	Jaipur
Kalyan	Mangalore	Durgapur	Jalandhar
Kolhapur	Mysore	Guwahati	Jammu
Mumbai(4 centres)	Neyveli	Howrah	Jodhpur
Nagpur	Pondicherry	Jamshedpur	Kanpur
Nasik	Rajamundry	Kolkata	Kota
Panaji (Goa)	Salem	Naihati	Lucknow
Pune	Thiruvananthapuram	Patna	Patiala
Surat	Tiruchirapalli	Ranchi	Udaipur
Vindhyagar	Tirunelveli	Rourkela	
	Thrissur	Shillong	
	Vellore		
	Vijaywada		
	Waltair		

Overseas :

Botswana	Dubai	Muscat
----------	-------	--------

There were 21,660 and 25,425 examinees for June and December 2005 term of examinations respectively. The Examination Directorate with the active support from the Chairman and members of the Examination Committee is trying to give faster and better service to the students so far as examination processing and student interface is concerned.

The admit cards were sent to the students well in advance and results were declared on the fixed dates in about two months time from the commencement of the examination. The admit cards and results were hosted in the Institute website < www.mycwai.com >. The examination time table was also hosted in the website.

For helping the students for better preparation for the examination, the Examination Directorate had started publishing the Examiners' and Head Examiners' comments on the performance of the students on each subject. The same has been put in the website also. This has been appreciated by the student community as well

Our annual prize distribution ceremony was held during the National Cost Conference at Bhubaneswar in mid-January, 2006. The successful prize recipients turned out in great numbers and the prize distribution ceremony was a grand success where many eminent dignitaries were present. It may be mentioned that the Examination Directorate has been publishing the results on fixed dates during the last two years which has been highly appreciated by all concerned.

MEMBERS' SERVICES AND MEMBERS' FACILITIES

During the year 659 candidates were admitted as Associate Members and 147 Associate Members were elevated as Fellow Members compared to admission of 918 as Associate Members and elevation of 153 as Fellow Members respectively during the previous year. As on 31st March 2006, the total number of members stood at 15,062, out of which 12,952 are Associate Members and 2,110 are Fellow Members compared to total number of members of 19,374 as on 31st March 2005, out of which 16,926 were Associate Members and 2,448 were Fellow Members. The figures given are of effective membership. The number of Members in Practice was 1,550 as against 1,621 in the previous year. The number of Grad. CWAs enrolled during the year was 173 as against 348 in the previous year and the total number of Grad CWAs as on 31st March 2005 was 13,853. The details are indicated in the following table:

PARTICULARS	ASSOCIATE	FELLOW	MEMBERS IN PRACTICE	GRAD. CWA
OPENING AS ON 1.4.2005	16,926	2,448	1,621	13,917
Add: New Enrolment during the year	659	147	182	173
Add: Restored during the year	403	29		
Less: Removed during the year	5,036	514	253	237
CLOSING AS ON 31.3.2006	12,952	2,110	1,550	13,853

2841 GI/06-8

During the year, efforts were made by the Members' Services and Members' Facilities Committee to achieve the following targets in line with the objectives of the Institute :

1. Bringing the defaulting members into the fold by vigorous follow up whereby it was possible to collect Rs. 85.62 lakhs towards membership, etc., fees during the year 2005-2006.
2. As a drive to realise arrear dues from members and Grad CWAs, letters were issued during the year requesting them to clear their dues. Good response was received in reply to these letters and a number of them cleared their arrear dues.
3. Payment Gateway system has been introduced to enable the members pay their fees throughout the world through Internet by Credit Card.
4. Arrangement was made to host various updated guidelines and forms in the website of the Institute.
5. Insertions were made in the monthly journal, *The Management Accountant*, intimating the members to clear their arrear dues.
6. Special drive was made to convert the Grad CWAs into Associate Members of the institute.
7. Steps towards further development of computerization work of the membership records were undertaken. Further system development activities are in progress.
8. In order to make the members equipped with the current requirements of the industry, a unique arrangement has been made with Oracle India for providing ERP training to the members of ICWAI at a special reduced course fee on Finance and Control Module of ERP under the Oracle E-Business Suite software under the OAI-EBS Programme.
9. In order to reduce paperwork to minimum possible and encourage members to make more use of e-mail, prompt reply to their queries through e-mail are given regularly.
10. To meet the requirement of professional skills in the current changing dynamic economic scenario, Cost Accountants in practice and those other than in practice should equip themselves with the new skills and concepts to meet the challenges and render yeomen's services to trade, commerce and industry. Accordingly, the existing scheme for mandatory training to members in practice and other than in practice under Continuing Education Programme which was partially modified earlier, have been given effect whereby all practising members under Continuing Education Programme are required to undergo minimum mandatory training for 20 hours

in a period of 3 years which has become effective from 1st July 2005 for renewal of certificate of practice from 1st July 2006 onwards; and for members other than in practice to undergo minimum mandatory training for 12 hours in a period of 3 years (4 hours minimum per year) which will be effective from 1st April, 2006 for renewal of membership from 2007-2008 onwards. The scheme is not applicable for members above the age of 65 years.

11. In order to inform the members about different guidelines and procedures, a booklet was issued by the Institute containing various guidelines, procedures and forms pertaining to membership and allied matters.

12. List of Members and List of Members holding Certificate of Practice has been made available in CD in addition to printed books.

The Committee hopes that the steps taken would definitely result in providing better services to the members. Valuable suggestions are sought for further development.

RESEARCH AND JOURNAL

The research activity of the Institute is poised for a great leap forward. The Institute is a Scientific and Industrial Research Organization (SIRO) as recognized by the Department of Scientific and Industrial Research, Ministry of Science and Technology, Government of India. For in-depth and highly focused research studies, benefiting both the profession and industry, the Institute has converted one floor of the Institute's building at Harish Mukherjee Road, Kolkata, as the Research and Training Centre of the Institute. Besides in-house research projects, emphasis has been laid on sponsored projects. The Institute has already completed a pilot study, sponsored by the Tea Board, on cost of green tea leaf production in small gardens and made tea in bought leaf factories. Consequently, the Tea Board has awarded two big projects to the Institute — one on green tea leaf and made-tea production costing in big gardens and another on green tea leaf production costing in small gardens and made-tea production costing in bought leaf factories. At the same time, an applied research project on Prime Cost Variation Formula for rubber based conveyor belts is in progress, which is sponsored by the industry. Future project proposals include Inventory Valuation and Accounting for CSIR laboratories (expected to be sponsored by CSIR) and costing and Tariff Determination Methodology in Telecommunication Sector (to be sponsored by the industry).

Institute's Journal, *The Management Accountant*, played a mighty role in elevating the standard of the profession. During the year, further reorientation in

the outlook of the journal took place with principal emphasis on its practical utility to the profession and remarkable improvement in printing and paper quality. Extensive coverage was given on contemporary themes and ideas where Cost and Management Accountants have a great role to play. The student edition of the journal continued to be an essential student-friendly guide.

ICWAI NATIONAL CONVENTION, 2006

Eastern India Regional Council jointly with the Cuttack-Bhubaneswar Chapter organized the 47th National Convention of the Institute during 20-22nd

January, 2006 at Bhubaneswar on the theme "Emerging Trends in Corporate Sustainability". The Convention was inaugurated by Dr Bansidhar Panda, an eminent scientist and the founder Chairman of IMFA Group of Industries of Orissa and Shri Ajit Mahapatra, Chairman and Managing Director, Kalinga Group of Companies. The deliberations were conducted by eminent resource persons drawn from different disciplines, service sectors, government departments, etc.

65 students were awarded prizes for securing highest marks on different counts in June and December 2004 term of examinations.

CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES

The activities of the Continuing Education Programme Committee reached new heights during the year under review. The Committee organized 60 programmes and seminars at different places throughout India and abroad, as detailed below. The programmes were organized on self-run basis and also exclusive tailor-made in-house programmes for various organizations apart from the joint programmes with the Department of Public Enterprises, Government of India.

Sl. No.	Title of the Programme	Duration	Venue
1.	TDS and Filing of e-TDS Return & Issues in Corporate Taxation	14-17 June, 2005	Ooty, Tamilnadu
2.	Internal Auditing for Nepal Electricity Authority, Kathmandu, Nepal	20-29 June, 2005	Delhi, Jaipur and Shimla
3.	Financial Management for Non-Finance Executives for ONGC Ltd.	27 June – 1 July, 2005	New Delhi
4.	Financial Risk Management	27 June – 1 July, 2005	Kathmandu
5.	FBT and BCTT, Analysis of Provision of Fin. Act 2004 - Seminar	July 6, 2005	New Delhi
6.	Financial Risk Management and Corporate Restructuring	July 11-15, 2005	Dubai
7.	Cost Accounting Records (Tele.) Rules and Cost Audit for MTNL	July 21-22, 2005	New Delhi
8.	Corporate Finance	July 26-29, 2005	Tirupati, A. P.
9.	The Reporting System on Acctg. Separation Reg -2004 for Telecom Industry for MTNL	July 28-29, 2005	New Delhi
10.	Strategic Cost Management and Cost Accounting Records (Petrol.) Ind. Rules for ONGC Ltd.	August 8-13, 2005	Dehradun
11.	Fringe Benefit Tax and BCTT for NALCO Ltd.	August 9, 2005	Bhubaneswar
12.	Fringe Benefit Tax and Filing of Quarterly e-TDS Return	August 17, 2005	New Delhi
13.	Corporate Accounting Practices, Methods and practices	August 23-26, 2005	Prot Blair
14.	Planning for Superannuation for ONGC Ltd.	August 29-31, 2005	Chennai
15.	Value Added Tax (VAT)	September 1, 2005	New Delhi
16.	Service Tax	September 2, 2005	New Delhi
17.	Fringe Benefit Tax and Filing of Quarterly Return	September 8, 2005	Chennai
18.	Service Tax	September 9, 2005	Chennai
19.	Financial Risk Management for ONGC Ltd.	September 12-17 2005	Dehradun
20.	Finance for Non-Finance Executives – DPE Programme	September 13-15, 2005	Shirdi
21.	Service Tax for Rajasthan Atomic Power Station of NPCL	September 24, 2005	Kota
22.	Fringe Benefit Tax for Delhi Tourism & Transportation Dev. Corpn.	September 26, 2005	New Delhi
23.	Finance and Auditing for Vigilance Officers	September 27-29, 2005	Chennai
24.	TDS and Filing of e-TDS Return	October 3-6, 2005	Goa
25.	Recent Trends in Financial Management	October 3-6, 2005	Goa
26.	Management Accounting	October 5-7, 2005	Chennai
27.	Financial Accounting and Auditing for Nepal Electricity	October 18-25, 2005	Delhi and Jaipur

	Authority, Kathmandu, Nepal		
28.	Corporate Finance	October 18-20, 2005	Pondicherry
29.	Finance for Junior Finance & Accounts Officers and Non-executives (F&A)	October 18-21, 2005	Pondicherry
30.	Fringe Benefit Tax & Analysis of CBDT Circular on FBT	November 11, 2005	New Delhi
31.	Performance Optimization and Management Audit - DPE Programme	November 16-18, 2005	Hyderabad
32.	Financial Risk Management and Corporate Restructuring	November 16-27, 2005	Singapore, Kuala Lumpur & Bangkok
33.	Costing for Engineers for Satluj Jal Vidyut Nigam Ltd., Shimla	November 17-19, 2005	Shimla
34.	Fringe Benefit Tax	November 27-28, 2005	Kolkata
35.	Power Sector - Post Electricity Act, Strategies and Opportunities - Seminar	December 3-4, 2005	Kolkata
36.	Indian and International Accounting Standards - DPE Programme	December 5-9, 2005	Bhubaneswar
37.	Foreign Exchange Risk Management - DPE Programme	December 14-16, 2005	New Delhi
38.	Strategic Financial Management - DPE Programme	December 20-22, 2005	Kolkata
39.	Cost Reduction, Cost Control and CARR for ONGC Ltd.	December 26-29, 2005	Kolkata
40.	Finance for Junior Finance & Accounts Officers and Non-executives (F&A)	January 2-4, 2006	New Delhi
41.	Finance for Non-Finance Executives - ONGC Programme	January 9-13, 2006	New Delhi
42.	Recent Trends in Financial Management	January 31 - February 3, 2006	Pondicherry
43.	Internal Auditing	January 31 - February 3, 2006	Pondicherry
44.	Tax Deduction at Source, Filing of Quarterly e-TDS Return, FBT	February 8-10, 2006	New Delhi
45.	Excise Audit and Desk Review	February 10-12, 2006	Mumbai
46.	Cost Management for Indian Navy	February 13-18, 2006	New Delhi
47.	Corporate Tax Planning, Compliance/ Management	February 14-17, 2006	Tirupati
48.	Cost Control and Cost Effectiveness	February 20-22, 2006	Hyderabad
49.	Excise Audit and Desk Review	February 20-22, 2006	Chennai
50.	Excise Audit and Desk Review	February 22-24, 2006	Bangalore
51.	Emerging Issues in Corporate Finance	February 22-25, 2006	Gangtok
52.	Excise Audit and Desk Review	February 24-26, 2006	New Delhi
53.	Excise Audit and Desk Review	February 24-26, 2006	Hyderabad
54.	Excise Audit and Desk Review	March 4-6, 2006	Kolkata
55.	Excise Audit and Desk Review	March 10-12, 2006	Kolkata
56.	Fringe Benefit Tax for Delhi Tourism and Transportation Dev. Corpn.	March 14, 2006	New Delhi
57.	Excise Audit and Desk Review	March 17-19, 2006	Bhubaneswar
58.	Excise Audit and Desk Review	March 17-19, 2006	Cochin
59.	Financial Management for National Seeds Corpn. Ltd.	March 23-25, 2006	New Delhi
60.	Excise Audit and Desk Review	March 24-26, 2006	New Delhi

The Committee organized for the third consecutive year, two exclusive programmes for the Nepal Electricity Authority, Kathmandu, the biggest public sector organization in Nepal, at Delhi, Jaipur and Shimla. The Committee also organized series of programmes on 'Excise Audit and Desk Review' exclusively for the practising members at different locations.

The Committee organized two exclusive programmes on finance and audit for Vigilance Officers and also finance for non-finance executives of various public sector organizations at Chennai and Shirdi. The seminar for power sector was organized at Kolkata for

the finance and technical executives. The in-house programmes were exclusively organized for ONGC Ltd., Indian Navy, Nepal Electricity Authority, Nuclear Power Corporation of India Ltd., Rajasthan Atomic Power Station, Delhi Tourism and Transportation Development Corporation, National Seeds Corporation Ltd. and Satluj Jal Vidyut Nigam Limited.

The training programmes were organized for the senior and middle level executives and also for the first time for the junior finance executives of private and public sector enterprises, government organizations, autonomous bodies, banks, financial institutions, insurance companies, NGOs and

multinationals. Apart from the training programmes and seminars, the Committee organized the Diamond Jubilee Celebration at Chennai and Kolkata.

The committee has planned to organize more programmes during the forthcoming year on self-run, in-house basis and also the joint programmes with the Government of India and other Institutions and has already approached many private and public sector enterprises for the same.

International Programme

The Committee organized two exclusive international programmes at Dubai and Singapore, Kuala Lumpur and Bangkok with the help of Indian and international faculty. The international programme at Singapore, Kuala Lumpur and Bangkok was organized for the eighth time which was well attended by the senior executives from the private and public sector enterprises. The participants of the programme had an interaction session with the senior faculty members of the Malaysian Institute of Certified Public Accountants at Kuala Lumpur. Both the international programmes were very well appreciated by all the participants and also by the sponsoring organization. The Institute is also planning to organize international programmes at Singapore, Kuala Lumpur and Bangkok in the forthcoming year.

PROFESSIONAL DEVELOPMENT (TECHNICAL)

During the year under review, the following professional development activities were taken up to develop the professional opportunities for members:

1. Representation was made to Shri P. Chidambaram, Hon'ble Minister of Finance, Smt. Shobha Majumdar, Chairperson, CBDT, Government of India, Shri Parthasarthy Shome, Chief Adviser to Finance Minister, for amendment of Income Tax Act, 1961 to include Cost Accountants in the definition of Accountant. The response was very positive. The matter also was taken up with the Ministry of Company Affairs.
2. ICWAI made effective representations to Shri A. K. Singh, Chairman, CBEC, and Shri S.P.S. Pundir, D.G. Audit, Central Excise Department, with a request for effective use of the services of Cost Accountants for Valuation Audit and CENVAT Audit under the provision of Section 14A and 14AA of Central Excise Act respectively. The use of services by Cost Accountants for Desk Review was also taken up. The importance of Cost Audit Reports in Excise Duty assessment was highlighted. ICWAI also pointed out that proper mechanism of certification of input-output ratio by professionals would increase the efficiency of collection of revenue.
3. To improve the quality of service of Cost Accountants in the field of Central Excise Audit, Training programmes on Excise Audit and Service Tax were organized in different places, viz, Kolkata (3), Delhi (2), Mumbai, Chennai, Bangalore, Hyderabad, and Bhubaneswar. Approximately 500 persons attended the training programme and the list of participants was submitted to D. G. Audit, Central Excise. The List was also hosted in ICWAI website for use of the Excise Department.
4. The ICWAI made representations to various states which did not include Cost Accountants for audit under VAT Act in their states. The representations were made to the appropriate authorities of the new states like Rajasthan and Madhya Pradesh where VAT had been introduced recently, for recognition of services of Cost Accountants during the next amendment.
5. ICWAI National Awards for Excellence in Cost Management was organized at New Delhi on 22.12.2005 under the guidance of Shri Pravakar Mohanty, President, and Shri Rakesh Singh, CCM, as Convener. A Screening Committee for the Award was constituted under the Chairmanship of Dr. A. G. Agarwal, Executive Director (Finance), Central Electronics Ltd., and a Jury was constituted for selection of recipients of awards under the Chairmanship of Shri T.S. Krishnamurthy, former Chief Election Commissioner. The Awards were presented by Ms. Komal Anand, Secretary, MCA, to the following recipients:

	Public Sector Manufacturing (Turnover more than Rs. 250 Crores)	Private Sector Manufacturing (Turnover more than Rs. 250 Crores)	Small Companies – Manufacturing Sector (Turnover less than Rs. 250 Crores)	Service Sector
1 st Award	Bharat Electronics Ltd.	Hindalco Industries Ltd.	Hindustan Latex Ltd.	Satyam Computers Ltd.
2 nd Award	Gujrat State Fertilizer & Chemicals Ltd.	Tata Steel Ltd.	GKN Driveline India Ltd.	GAIL (India) Ltd. JLPL LPG Transmission Unit, Best performing unit
3 rd Award	GAIL (India) Ltd., Gandhar LPG Plant - Best performing unit	Jindal Steen and Power Ltd.	Central Electronics Ltd.	-

2841 GI/06-9

Good Performance Awards were also presented to (a) Steel Authority of India Ltd., (b) Oil & Natural Gas Corporation Ltd., (c) Bharat Heavy Electricals Ltd., (d) Visakhapatnam Steel Plant – RIN, (e) Shree Cement Ltd., (f) Hero Honda Motors Ltd. and (g) Abhishek Industries Ltd.

6 The following Publications were published for the use of members:

- a) Cost Accounting Standard - 5 on 'Determination of Average (Equalized) Cost of Transportation
- b) Guidance Note on Desk Review
- c) Guidance Note on Valuation Audit Under Central Excise Act
- d) Guidance Note on Cenvat Audit Under Central Excise Act
- e) Reading Materials for Training Programme on Excise Audit and Service Tax

7 Proposals for amendments in Companies Act, 1956 were placed before the

Ministry of Company Affairs for making the following provisions :

- i) Certification of value of inventory for the purpose of Annual Report of the companies by Cost Accountants in place of certificate given by the management to ensure better transparency.
- ii) Proper Cost Accounting system for allocation of common expenses/assets for the purpose of accurate segmental reporting.
- iii) Certification for adoption of proper transfer pricing by Cost Accountants in case of related party transactions.

8. Proposal for formation of the Institute of Corporate Valuers as an independent body to take care of valuation of share/business in case of business restructuring, merger, amalgamation, etc. was submitted to the Ministry of Company Affairs. The MCA constituted two Working Groups. The first Working Group with Shri Chandra Wadhwa, CCM, as Chairman and one Member each from ICAI and ICSI had been entrusted with The responsibility to examine the requirement and make suggestions for an institutional framework for corporate valuers. The second one with Shri S. Santhanakrishnan, CCM, ICAI as Chairman, Shri Rakesh Singh, CCM, as a member and a member from ICSI had been given the task of developing the course curriculum for the Institute.

BANKING, INSURANCE & PSU

The Banking, Insurance & PSU Committee in association with WIRC organized a National Seminar on Innovative Ways and Means in Banking, Insurance and Financial Sector at Mumbai on 25-26 November, 2005. Senior members from Banking and Insurance

Industry shared their expertise in identifying the areas for need of the professional services in this important sector and emphasized for creation of cost data base for supporting the strategic decision making in overall management of various financial products. Shri C. P. Jain, Chairman & Managing Director of NTPC, highlighted the need for statutory Cost Accounting and Cost Audit in Financial Sector. A draft Cost Accounting Records (Banking) Rules could be developed by Shri K. Narsimha Murthy, Practising Cost Accountant.

COST ACCOUNTING STANDARDS BOARD

Draft CAS 6 on Determination of Arm's Length Price and Draft CAS 7 on Cost of Joint Products and By Products were reviewed by the Cost Accounting Standards Board. To expedite finalization of the above two standards, two separate Task Forces were constituted by the Council under the Chairmanship of Shri Chandra Wadhwa, CCM and Shri A. K. Kapoor, Adviser (Cost), Cost Audit Branch, Ministry of Company Affairs, Government of India, for CAS 6 and CAS 7 respectively. Cost Accounting Standards on 'Cost of Inventory', 'Cost of Services' and 'Cost of Input Credit' are in the process of development.

WTO AND INTERNATIONAL AFFAIRS

The WTO and International Affairs Committee put significant efforts in redefining the role of Accountants, particularly Cost Accountants in the WTO regime. The Committee took active part in suggesting the policy directions in this regard.

At a meeting at the Ministry of Company Affairs where representatives from The Institute of Chartered Accountants of India, The Institute of Cost and Works Accountants of India and The Institute of Company Secretaries of India were present, the following policy directions were suggested:

(i) In Accounting Sector India should make a request to more number of countries for allowing access for Indian professionals under Mode 1, 2 and 4. Request under Mode 3 will require a reciprocal offer; the Institutes may examine further the feasibility of making request.

(ii) The Institutes should give more concerned efforts to improve the quality of information and training to get better negotiation advantage for the purpose of MRA with professional bodies of developed countries like U.K., U.S.A., Canada, etc.

(iii) The Institutes should start negotiation with the counterpart of the professional Institute of the above countries and in the second phase the Government will take up the negotiation process with the counterpart in these countries.

A Working Group was formed on WTO by the Ministry with the representatives of the three Institutes to decide on the requests and revised offers to be made in the Negotiation Process under WTO and make recommendation.

The Ministry of Commerce constituted an India-UK Accountancy Task Force to increase cooperation between Indian and British Accountancy professions. Shri Chandra Wadhwa, Chairman, WTO & International Affairs Committee, has been nominated as a member in the Task Force from Indian side.

AUDIT COMMITTEE

The guidelines framed by the Council for functioning of the Committee include the following:

(1) To finalize the policies relating to:

- (a) Accounting policies and manual applicable for all aspects of accounting
- (b) Investment of surplus funds generated by the Institute
- (c) Delegation of financial powers for smooth functioning of the Institute

(2) To design, develop and implement the following systems for facilitating orderly functioning of the Institute :

- (a) Monitoring of capital expenditure
- (b) Progress of implementation of internal and statutory auditors' recommendations
- (c) Implementation of uniform accounting policies across the Institute
- (d) Budgeting process and review thereof
- (e) Consolidation of accounts of the Institute
- (f) Effective risk management of the assets of the Institute

During the year in view, the Committee met five times and took several measures for implementing the above-mentioned guidelines, including formation of four Regional Audit Committees and issuing terms of reference for facilitating implementation across Regional Councils and Chapters.

REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS COORDINATION

During the 47th National Convention, the Chapters' Meet was held on January 20, 2006 at Hotel Swosti Plaza, Bhubaneswar. The Meet was chaired by Shri D. V. Joshi, CCM. Representatives of Regions and Chapters were present and constructive views were exchanged regarding various affairs and professional development matters of the Institute. The following Chapters were awarded with a Scroll of Honour and a

Plaque as a mark of their commendable performance during the year under review:

<u>Name of Regions</u>	<u>Name of Chapters</u>
WIRC	-Pune, Aurangabad and Goa Chapters
SIRC	- Hyderabad, Trivandrum and Madurai Chapters
EIRC	- Cuttack-Bhubaneswar, Asansol and Ranchi Chapters
NIRC	- Jaipur, Hardwar-Rishikesh and Chandigarh Chapters

WESTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

The WIRC undertook the following activities during the year under review :

1. Two day seminar on 'Be A Global Finance Executive' was organized at Pune jointly by Pune Chapter and WIRC on 29-30 July, 2005. Shri R.T. Goyal, Vice-President Finance of Premium Energy Transmission Ltd. was the chief guest and Dr. Girish P. Jakhotiya, Management Consultant, was the main faculty. Shri Ajay Joshi, Director (Finance), Alfa Laval Ltd., also conducted a session.

2. Two day joint programme on CEP with Pune Chapter was held from 27-28 August, 2005 on knowledge management, stress management and team building. Shri R.K. Jain, Govt. Nominee and CCM, was the chief guest. The speakers were Shri Harold D'Costa, Prof. Mrs. Vijaya Puranik and Dr. S.W. Deshpande. S/Shri D.V. Joshi, K.G. Goyal, V.C. Kothari and Chandra Wadhwa, CCMs, also attended the programme. Another programme on 'Integrated approach towards profit Planning process' was conducted on 24.9.2005. Shri A.N. Choksey, Vice-President (Finance & Comml.), Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd (Retd.), was the faculty. A programme on 'Profit Management Incentive System with Thrust on EVA' was conducted on 1.10.2005 wherein Shri A.N. Choksey was also the faculty.

3. A programme on 'Opportunity Consultancy Service Sector' was organized on 8.10.2005. Shri R.N. Bhawe of Reliance Infocom Ltd. was the faculty. A half day programme on 'Advanced in-depth training in Service Tax - Construction Services & Goods Transport Services' was organized on 15.10.2005. Shri V.S. Datey, expert in indirect taxation, was the faculty.

4. Another half day programme on 'Exemptions under Service Tax - Business Auxiliary Services and others' was organized on 12.11.2005. Shri Sanjay Bhargave of WIRC was the faculty. Another programme on 'Investment - A Critical Analysis' was organized on 19.11.2005. Shri Vishwanath R. Berde, a senior Cost Accountant, was the faculty.

5. Two day seminar on Insurance, Banking and Financial Services was organized on 25-26 November, 2005 and was inaugurated by Shri C.P. Jain, Chairman & MD of NTPC Ltd. S/Shri R.K. Jain, D.V. Joshi, K.G. Goyal, Chandra Wadhwa and V.C. Kothari, CCMs, attended the programme. S/Shri R.K. Jain, Govt. Nominee & CCM, J.K. Puri, Chief Advisor (Cost), and past President, Guests of honour addressed the delegates. Shri K.G. Goyal, CCM, introduced the chief guest. Shri Jayraman Iyer, CMD of SHCL, chaired the first technical session. Dr. A.D. Kale, former Executive Director, Mumbai Stock Exchange and Shri N.S. Rao, Director, Brescon Ltd., were the speakers. Shri Chandra Wadhwa chaired the second technical session. The other two speakers were S/Shri K. Rajgopalan, Chief Forex Dealer, Kotak Mahindra Bank Ltd, and Sivakumar, Branch Manager, Bank of Maharashtra. 'Aspects of Forex Management' and 'Criticality of Asset Management' were topics in the session. Shri A.R. Joshi of Aurangabad was the chairman of the third and last technical session of the first day. S/Shri N. Ravinder, Vice-President, TATAAIG, and Deepak Godbole, Dy. Manager, GIC, were the speakers on 'Insurance Claims settlement, Myth and Reality'. The fourth technical session was on 'Risk Management'. Shri P.D. Modh of Ahmedabad Chapter, was in the chair. Shri Prakash Pethe, Foreign Exchange Consultant, was the speaker.

Shri P.D. Phadke, past President, was the chairman of the fifth technical session. S/Shri Jaydeep Devare, Director, Mahindra Insurance Brokers Ltd., and Arnav Pandya of Economic Times, were the speakers on the topic 'Innovative Means and Ways for Marketing of Insurance and Banking'. The sixth technical session was on 'Use of Information Technology for gaining Sustainable Competitive Advantage'. S/Shri Yatrik Vin, Vice-President, National Stock Exchange, Mumbai, was in the chair, Chirag Unadkat, CEO of WERSA India, Mumbai and Harold D'Costa, Software Professional, were the other two speakers. In the valedictory session, Shri Prakash Oak, an Investment Consultant, was the speaker. Shri K.G. Goyal and Prof. B.N. Lad were on the dais. Shri P.D. Phadke, P.S. Nadkarni, V.V. Deodhar, past Presidents, and the Past Chairmen of WIRC, M.K. Kanade, Ajit N. Patel, Kirit B. Mehta, S.R. Kale and Y.R. Doshi, Ashwin G. Dalwadi and Sanjay Bhargave attended the seminar.

6. One day workshop on 'Desk Review under Excise Audit - 2000' was held on 3.12.2005. Shri V.V. Deodhar, past President, was the Chief Guest. S/Shri S.R. Bhargave and V.S. Datey were the faculty. Another programme on the subject jointly with Nagpur Chapter was also held on 20.11.2005, 27.11.2005 and 12.2.2006 at Nagpur, Ahmedabad and Bhopal respectively. A workshop on "Emerging role of Cost Accountants in Desk Review of Excise Audit -2000", jointly organized by Nagpur Chapter and WIRC, was inaugurated by Shri B.S. Ganu, IRS,

Chief Commissioner of Central Excise & Customs, Nagpur. S/Shri P.V. Bhattad and Dr. N.M. Vechalekar spoke on the occasion and V.S. Datey and Sanjay Bhargave were the key speakers. Shri B.S. Vasudev, Commissioner of the Central Excise, inaugurated the programme. Shri S. Joseph, Joint Commissioner of Central Excise, was the chief guest of the seminar at Bhopal where present and past office bearers of WIRC were key speakers.

7. One day Workshop on 'Forex Management/Understanding FEMA 1999 and Opportunities in Deregulated Environment' was held on 4.2.2006. Shri Prakash Pethe, Forex Consultant and Trainer, was the eminent faculty. Lecture on 'Liquidity Management with Thrust on Working Capital' was conducted on 25.3.2006. Shri A.N. Choksey of Godrej & Boyce Mfg. Co. Ltd (Retd.), was the faculty.

8. One day seminar on 'Cost Accounting Records Rules for Bulk Drugs & Formulation Industry and Cost Audit Report Rules' was organized on 22.4.2006. Shri Ashok Kapoor, Advisor (Cost), Cost Audit Branch, inaugurated the seminar. Shri M.H. Narsimhan, Chief Executive, RPG Life Sciences Ltd., was the chief guest. S/Shri Kirit B Mehta, practicing member, V.G. Phadke, Financial Controller, RPG Life Sciences Ltd. and D.V. Joshi, CCM, were the speakers. In addition to the above speakers, S/Shri V.C. Kothari, CCM, and Prakash Sevekari were on panel.

9. Three days programme on 'Central Excise, Service Tax and Rules' was held during 23-25 June, 2006. The programme was inaugurated by Mrs. Lipika Majumdar Roychadhury, Commissioner of Service Tax. S/Shri V.S. Datey, Sanjay Bhargave, Ashok Nawal, an expert in EOU and SEZ, N.K. Nimkar, Cost Accountant, Dr. Nilesh Suchak, D.V. Joshi, A.G. Dalwadi, K.G. Dutta, Supdt. of Central Excise Department, were the speakers. Shri R.K. Bhargav, Commissioner of Central Excise, graced the occasion.

10. A half-day seminar on 'MCA-21 e-Governance Project' was held on 24.6.2006 which was inaugurated by Shri V.S. Rao, Regional Director, MCA, Mumbai. Shri V.A. Vijayan Menon, Registrar of Companies, MCA, graced the occasion. S/Shri D.V. Joshi and V.C. Kothari coordinated the programme.

11. WIRC organized a meeting of members on 20.3.2006. The meeting was chaired by Shri V.C. Kothari. Another members' meet was also organized on 24.6.2006 to have suggestions on the draft Regulations, and other professional matters. Shri V.C. Kothari explained the salient features and important provisions of CWA Act. Shri D.V. Joshi led the discussions on many other matters of professional interest. A large number of members took active part in the discussions.

12. The Regional Cost Conference was held on 23.4.2006 by Nagpur Chapter on 'Evaluation of Impact of WTO on Indian Economy'. The conference was inaugurated by Shri D.K. Verma, Director (Finance), Coal India Ltd. The keynote speaker was Shri D.V. Joshi. Shri B.M. Sharma, Vice-President, presided over the function. S/Shri Shyamal Banerjee, past President, Ashok Kapoor, Advisor (Cost), MCA, Shyamal Bhattacharya, Director (Fin.), WCL, R. K. Jain, and V.C. Kothari, CCM, and P.V. Bhattad also graced the occasion. Shri S. Bhattacharya, Director (Fin.), WCL, highlighted the threat faced by coal mining sector specially in Vidharbha region. Shri D.V. Joshi briefed the details of WTO and various agreements, globalization and its positive impacts on the Indian economy, etc.

The first technical session was chaired by Shri B. Mazumdar, CCM. Speakers were S/Shri Shyamal Banerjee, past President, and Suresh Saluja, past Chairman of the Chapter. While S/Shri Shyamal Banerjee spoke on "WTO and Indian Economy", Suresh Saluja addressed on "Implication of GATS (WTO) on Indian Service Sector & Accelerated Development Model for rapid growth of economy". The second technical session was chaired by Shri Ashwin Dalwadi and comparer was Arun Kumar, Jt. Secretary, Nagpur Chapter. Shri Arun Goyal, Management Consultant, spoke on 'Evaluation on impact of WTO on Agriculture and Industry' and thereafter Shri V.C. Kothari deliberated on the topic 'Anti Dumping'. Shri Sanjay Bhargave chaired the third technical session. Shri Wadhwa spoke on 'Evaluation of Impact of WTO on professional particularly Cost Accountants' while Shri Bhawe delivered on the topic 'Evaluation of Impact of WTO on BPO'. Shri K.G. Goyal chaired the summing up session. Shri P.D. Phadke, past President, and a large number of delegates were also present. A Chapters' Meet and Members' Meet was also arranged during the conference.

13. An applied research project assigned by the Directorate of Khadi Programme and Monitoring, Khadi and Village Industries Commission, Maharashtra, was completed in record time. The research project related to the evaluation of cost of 8 – Spindle Charkha and looms, manufactured at different locations.

14. The WIRC was assigned to conduct a long term training programme for the employees of Reliance Industries Ltd. titled 'Reliance Certified Accountants' at its Jamnagar Petroleum Complex. The programme commenced from July 2004. S/Shri Ashwin G. Dalwadi acted as the chief coordinator of the programme.

15. As committee member on Maharashtra Electricity Regulatory Commission (MERC), the WIRC and its representatives are actively participating in committee

meetings, giving their views and suggestions on various issues like power tariff fixation, electricity distribution to the weaker sections of the society, supply to agriculture at subsidized rates and so on and thus are working towards achieving optimum utilization of scarce resources as a part of social commitment.

SOUTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

The SIRC undertook the following activities during the year under review :

1. The Diamond Jubilee Celebration was organized on 16.4.2005 on 'Competency Building under Global Competition' and was inaugurated by Hon'ble Shri S. Mohan, former Justice of Supreme Court. Shri A. S. Durga Prasad, Chairman of the Convention and CCM, welcomed the gathering and Dr H. R. Subramanya, President, delivered his address. During the occasion six monographs on Joint Product and By Product Costing, Research & Development Costs, Predatory Pricing, Arm's Length Price, Anti-subsidization and Anti-dumping under WTO and Input Credits under Indirect Taxes were released. Shri M. Gopalakrishnan, CCM, made a brief presentation on the monographs. Former Presidents from the Region – S/Shri V. Kalyanaraman, A. V. Ramana Rao, S. Ramanathan, N. P. Sukumaran and B. V. Ramana Murthy – were honoured for the yeomen services rendered by them.

2. As a part of the Celebration, a Diamond Jubilee Seminar on 'Competing in the Global Economy' was organized on 17.4.2005. Shri V. Kalyanaraman, past President, inaugurated the seminar which was divided into three technical sessions, each of which were addressed by eminent personalities from the industry. Shri T.S. Krishnamurthy, Chief Election Commissioner, acted as the Chief Guest in the valedictory session. Dr H. R. Subramanya, President, and Shri Pravakar Mohanty, Vice-President, addressed the participants.

3. The Regional Cost Convention held on 6-7 January 2006 on 'Convergence for Business Excellence' was inaugurated by Ms. Mallika Srinivasan, Director, Tractors & Farms Equipments Ltd. While Shri R. Narayanan, Chairman, Convention Committee, welcomed the delegates, Shri M. Gopalakrishnan, CCM, made a presentation on the subject and Shri Pravakar Mohanty delivered his presidential address. Prof. B. V. Balachandran of Kellogs School of Management, USA, presented the keynote address. There were three technical sessions.

4. The 10th Basavaraju Memorial Lecture was delivered on 15.7.2005 by Hon'ble Shri M. Karpaga Vinayagam, Judge, Madras High Court, on Values of Life. Dr H. R. Subramanya delivered his Presidential

address. Other office bearers of SIRC were also present.

5. The annual convention titled Cost Carnival 2006, held during 17-18 March, 2006 on Strategic Initiatives in Cost Management, was inaugurated by Shri V. Kalyanaraman, past President. The convention was divided into four technical sessions. On 18th the Cost Carnival focused on budget implications which was also divided into two technical sessions.

6. As a part of professional development meetings, a seminar on Antidumping, Antisubsidies and Safeguards was held on 16.12.2005 jointly with ICSI. Shri M. Sai Kumar, IAS, Joint Director, Zonal Directorate of Foreign Trade, inaugurated the seminar. Shri M. Gopalakrishnan, CCM, addressed the participants and Shri J. Sridharan, Chairman SIRC of ICAI, introduced the speaker. The seminar was divided into four technical sessions which were attended by company delegates and practising members of both the Institutes. Another meet was organized on 19.12.2005 on 'Vision Canada - Opportunities available for Professionals' jointly with SIRC of ICSI. Ms. Uma Venkataraman, Director & Immigration Adviser, Canadian Society of Immigration Consultants, addressed on education and employment opportunities for professionals in Canada. A joint meeting with ICAI and ICSI on 'E-Governance Project under MCA 21' was organized on 25.3.2006. Shri R. Vasudevan, Regional Director, MCA, inaugurated the programme. The presentation on Highlights of MCA 21 was made by Tata Consultancy Services followed by open house discussion wherein Shri B. N. Harish, Registrar of Companies, clarified the questions raised therein. More than 300 participants from the three Institutes participated in the programme. A Practitioners' Meet was held on 8.5.2005 which was presided over by Shri P.S.M. Hameed, Chairman, SIRC. Shri M. Gopalakrishnan, CCM, clarified the questions raised by the members. Another meet was held on 26. 6. 2005 wherein Shri P.S.M. Hameed welcomed the members. Shri M. Gopalakrishnan clarified the questions raised therein. Many practitioners attended both the meets.

7. A seminar on Fringe Benefit Tax and Service Tax was held on 24.6.2005. Shri S. Rajaratnam, Tax Consultant, inaugurated the seminar. Shri R. Narayanan, Vice-Chairman, welcomed the chief guest and gave an overview. Shri M. Gopalakrishnan explained the significance of the topic which was divided into four technical sessions. A seminar on 'TDS, ETDS and Accounting Standards' was held on 20.7.2005. Shri R. Narayanan welcomed the delegates and speakers of the sessions which were divided into four technical sessions. A half-day seminar on Fringe Benefit Tax was held on 29.8.2005 which was inaugurated by Shri R. Narayanan. The seminar was divided into two technical sessions. A two-day training programme on

Finance for Non-Finance Executives was held during 12-13 September, 2005 which was well attended by company delegates. Another seminar on Transfer Pricing was organized on 20.10.2005 which was inaugurated by Shri R. Narayanan. The seminar was divided into three technical sessions. A half-day workshop on Central Excise - Desk Review Audit was organized on 29.10.2005. Shri R. Narayanan welcomed the participants and Shri M. Gopalakrishnan, CCM, introduced the topic. Shri N. Srinivasan, Assistant Director - Cost, Dept. of Central Excise, Kochi, made a presentation on the subject. A three-day seminar on Central Excise for practising members was organized by SIRC and Centre for Excellence during 20-22 February 2006. The seminar was inaugurated by Shri S.C. Nayak, Commissioner of Central Excise, Chennai - III. Shri M. Gopalakrishnan, Coordinator, Centre for Excellence, welcomed the chief guest and members. Shri R. Narayanan also addressed the members. There were six technical sessions.

8. The other professional development meetings held during the year include topics like time management, strategic pricing, stress management, interaction meet (for practitioners), accounting packages - Tally (Levels I and II), working on spreadsheet, joint product and by-product, presentation skills - oral and written communications, foreign exchange management, Companies Act, operations audit, value based management, lean manufacturing principles, Sarbons Oxley Act - international perspective, benchmarking in power sector, quality cost, current trends in cost management, Central Excise : Desk Review - a practical approach, balanced score card, role of independent directors and discussion on Union Budget.

9. Video/CD programmes on latest cost management techniques were screened for students and a career guidance programme was also conducted at different places. SIRC participated in Career Exhibition Programme organized at Anna University during 3-9 March, 2006. A Refresher Course for postal coaching students of Intermediate was held in and around Chennai only on Sundays wherein nearly 300 students attended the classes. A Blood Donation Camp was also organized on 8.10.2005 where more than 100 students and members donated blood.

10. An All India Students' Meet was organized on 17-18 September, 2005 jointly with the Forum for Elite Students of Cost Accounting (FESCA). The meet was inaugurated by Shri S. Srivathsan, Vice-President (Fin.) & Secretary, Wheels India Ltd. and Shri K. Subash, Chairman, FESCA, welcomed the Chief Guest. Shri M. Gopalakrishnan and other office bearers of SIRC and FESCA addressed the delegates.

11. Guest lecture for students on Indirect Taxation - Central Sales Tax was organized on 12.11.2005 and

14.11.2005 and another lecture on Central Excise was held on 14.11.2005. Prof. N. S. Govindan, expert in indirect taxation, addressed the students. Shri R. Narayanan welcomed the students and the speaker.

12. A campus interview was conducted on 18.3.2006 for final students in which six prospective corporates participated. Around 60 students from all over the Southern Region appeared, out of which 42 candidates were short-listed.

13. While the Region organized a Chapters' Meet on 30.7.2005, another Meet was organized on 6.1.2006 to coincide with the Regional Cost Convention.

14. To coincide with the Diamond Jubilee Celebrations, a Press Meet was held on 15.4.2005. Dr H. R. Subramanya, President, S/Shri A.S. Durga Prasad, M. Gopalakrishnan, and P.S.M. Hameed of SIRC, addressed the press. Another Press Meet was held on 4.1.2006 wherein S/Shri A. S. Durga Prasad and M. Gopalakrishnan briefed the press about the recent developments of the profession and the Institute.

EASTERN INDIA REGIONAL COUNCIL

The EIRC undertook the following activities during the year under review :

1.1 The EIRC and Cuttack Bhubaneswar Chapter jointly organized the 47th National Convention from 20-22 January, 2006 at Hotel Swosti Plaza Ltd. Bhubaneswar on 'Emergent Trends in Corporate Sustainability'. Dr. Bansidhar Panda, Chairman of IMFA Group and an eminent Scientist, and Shri Ajit Mohapatra, CMD of Kalinga Group of Companies, inaugurated and graced the occasion in presence of S/Shri P. Mohanty, President, B.M. Sharma, Vice-President, N. Swain, Chairman of EIRC and U. B. Mohapatra, Chairman of the Chapter. Shri Pravakar Mohanty, President, inaugurated monograph "Risk Based Internal Audit of Commercial Banks" and addressed the gatherings. The plenary session was chaired by Shri C.R. Pradhan, CMD, NALCO. Shri Ajeet Prasad, M.D. and CEO, ASREC (India), Dr. S.K. Tamotia, Vice-Chairman, VISA International Ltd., Shri V.S.G. Chandra Sekhar, CGM, SBI, LHD, Bhubaneswar, Dr. Debasis Bagchi, Secretary, ICWAI and Shri S.C. Mohanty, Vice-Chairman, EIRC were also present. Shri S.C. Mohanty, extended vote of thanks.

There were two technical sessions on Business Environment in Global Perspective & Economic Legislation & Financial Risk. Shri A.S. Durga Prasad chaired the first technical session. Shri Amin Ullah Khan of India Development Centre and Dr. D. Jagannathan were speakers. Vote of thanks was extended by Dr. S. Bandyopadhyaya, CCM. The second technical session was chaired by Shri Rakesh Singh, CCM and Smt. M. Thambi, Regional Head,

Stock Holding Corporation of Kolkata. Shri Sanjay Gupta, Secretary, NIRC, extended vote of thanks. There were three technical sessions on 21st January, 2006. The session was inaugurated by Shri M.A. Kharval Swain, Hon'ble MP (Lok Sabha) as Chief Guest and Shri Bajayanata Panda, Hon'ble MP (Rajya Sabha) as Guest of Honour in presence of S/Shri A. K. Das, Director (Finance), NCL and Past President, V. Kalyanaraman, Past President, A.N. Raman, Past CCM, Pravakar Mohanty, President, and S.C. Mohanty, Vice-Chairman, EIRC. The third Technical Session on Revenue Prospective and Management Accountant was chaired by Mr. T. Haokip, Commissioner, Central Excise and Shri Ramesh Kailasan, Oracle Corpn. and Prof. S. Sampat, Corporate Tax Consultant presented papers. The fourth technical session on Emerging Issues was chaired by Shri B.C. Jana, Member, Orissa Electricity Regulatory Commission and Shri R.P. Mohapatra, Consultant and Smt. Indu Liberhan, Principal Adviser (Finance), TRAI addressed the gatherings. The fifth technical session was chaired by Shri P.K. Mishra, IAS (Retd.), Ex-Secretary, Ministry of Coal, Govt. of India, on Advancing Corporate Business. Prof. R.K. Bal, Utkal University and Prof. D.V. Ramana, XIMB presented papers on the session.

On 22.1.2006 Prof. B. Mishra, Ex-Vice Chancellor OUAT, chaired the sixth technical session on International Finance and Indian Economy. S/Shri R. Rangan, DGM, SBI, R. S. Rath, DGM, RBI, K. Balu, DGM, RBI, Chennai and Kunal Banerjee, Past CCM, presented papers. Shri K. G. Goyal, CCM, extended vote of thanks. The valedictory Session was inaugurated by Shri S. B. Mishra, IAS (Retd). Ex-Chief Secretary, Govt. of Orissa, in presence of S/Shri Pravakar Mohanty, President, B. M. Sharma, Vice-President, S.G.Y. Narayanan, CCM, Ajit Mohapatra, CMD, Kalinga Group of Companies and S.C. Mohanty, Vice-Chairman. Shri P.K. Sahoo, Vice-Chairman, extended vote of thanks.

1.2. During the year nine Management Development Training Programmes were organized for the practicing members and executives of different Industries. Representations and interaction were made with Shri M.N. Roy, Principal Secretary, Panchayat & Rural Development, Principal Secretary Health & Family Welfare, Principal Secretary, Dept. of Commerce & Industry, Commissioner, Commercial Taxes, Govt. of West Bengal, for exploring the professional avenues. The EIRC had the opportunity to interact with the authorities of M/s. BSNL, Jharkhand Circle for assignment of Cost Accounting Records to the Practising members. CMD & D(F) of M/s. CCL had been requested for assignment of Internal Audit to our members. The Council Members also interacted with Director (Finance) ECL, CMD/Director (Finance) of BCCL and discussed about professional matters. Training and Management Development Programmes were conducted for accounts executives of Indian Oil

Corporation, programme on VAT for Industry and Members, workshop on VAT, seminar on ISO 9001, 2000 and Management Accountant, seminar on recent development in indirect taxation, analysis of Union Budget, seminar on Central Excise, MCA 21 and its effect, risk-based internal audit in banking sector and valuation and Cenvat.

1.3 On 15th August 2005 Flag Hoisting ceremony was organized where Shri Pravakar Mohanty, President, hoisted the flag. A blood donation camp was inaugurated by Shri Mohanty on the same day wherein students and members donated blood on the occasion. The employees and students also celebrated Rabindra Centenary on 9th May 2006.

1.4 The members of the Council interacted with different inactive chapters for their activation. Defunct chapters were requested to carry the professional and coaching activities to achieve professional goals.

2.1 Apart from oral coaching for students of Intermediate and Final Examinations, oral coaching for foundation course was also conducted. 622 students were enrolled for oral coaching, out of which 573 students completed and obtained Coaching Completion Certificates. In the previous year the corresponding figures were 568 and 498 respectively. There was an increase of 9.5 per cent in enrollment during the year. 926 students were enrolled for postal coaching and 803 students completed and obtained coaching completion certificates. The previous year's corresponding figures of postal coaching were 836 and 689 respectively showing an increase of 10.77 per cent enrolment during the year. 650 students were enrolled for Foundation course. The number of students registered during 2005-2006 was 2052 as against 1725 in 2004-2005.

2.2 Compulsory Computer Training was conducted for students. 413 students were enrolled for the Computer Training Course and completed the course. To have better facility nine Pentium IV Computers were hired and used in the Computer Centre in addition to existing facilities.

2.3 Career Counselling programmes was held in and around Kolkata. At the request of Asansol Chapter Shri M K Thakur, Prof. Biswajit Saha, senior faculty of oral coaching and Shri S. Banerjee visited Asansol on 9th and 10th April, 2006 to guide the students. The EIRC participated in Career Fair organized at Nabagram Hiralal Paul College from 4.1.2006 to 6.1.2006.

2.4 Campus interviews were held for eight times for organizations such as Mahanagar Telephone Nigam Ltd, Kalpataru Rice Mills Pvt. Ltd., Suvidha Consultants Pvt. Ltd., GECIS, V.M. Processor, Konar Mustaphi & Associates and Genpact for their selection in different grades. It also organized a Refresher Test for the Intermediate students on the

Sundays commencing from 16th April, 2006. On 19th and 22nd May, 2006, the examinees of the Refresher test were given an opportunity to interact with the concerned examiners.

2.5 The EIRC published a monthly newsletter styled as 'EIRC News' for the members and students which contained different contemporary articles in addition to the news related to EIRC and Chapters.

3. An Audit Committee was constituted and functioned in order to effectively discharge the functions of the Regional Council. A similar instruction also conveyed to the chapters. Defunct/Inactive chapters were requested to submit the annual accounts and report in time.

NORTHERN INDIA REGIONAL COUNCIL

The NIRC undertook the following activities during the year under review :

1. The NIRC celebrated 59th Independence Day wherein S/Shri J. K. Puri, R. J. Goel, D.C. Bajaj - former Presidents, R.K. Jain, Govt. Nominee and CCM, Subhash Agrawal, past Chairman, Rakesh Singh and Chandra Wadhwa, CCMs, graced the occasion. S/Shri Sanjay Gupta, Atul Kr. Gupta, U.K. Shukla and D.C. Arya of NIRC were also present. Shri J.K. Puri, Chief Guest, congratulated NIRC for continuously organizing Independence Day.

2. A Modular Training Programme was organized during 20-24 September, 2005. Shri Rakesh Singh, CCM, initiated the programme by giving a speech which was followed by small note given by S/Shri Atul Gupta, Chairman, NIRC. Shri Sanjay Gupta also gave an encouraging speech. The speakers of the programme were S/Shri Mridul Tandon and Vinay Sharma, both Consultants and Trainers. A campus interview was organized from 26-28 September, 2005 to recruit potential candidates. Various companies like Century NF Castings, TDI Marketing Pvt. Ltd., Inapex Limited, HBD Packaging and many others visited the campus and recruited many freshers.

3. Two-days' Regional Conference was held on 14-15th October, 2005 on "Global Competition - Management Accountant's Approach". Shri Ajay Maken, Hon'ble MP and the chief guest, inaugurated the programme. Other dignitaries like S/Shri C.P. Jain, CMD - NTPC, J.K. Puri, Chief Advisor (Cost), Rakesh Singh, CCM, R.K. Jain, Govt. Nominee and CCM, Hari Kishan Goel, Sanjay Gupta and Atul Kumar Gupta of NIRC inaugurated the conference. The conference comprised of four technical sessions. On 14.10.2005 the first technical session was on "Fringe Benefit Tax" which was addressed by two speakers namely S/Shri Girish Ahuja, a renowned tax expert and Pradeep Goel of HFCL Infotel Ltd. The second technical session was on "Cost Management Strategy & MIS in

Telecom Sector". The honorable chief guest was Shri Pradeep Bajjal, Chairman-TRAI. The noted guests of honour were Ms Indu Liberhan, Principal Advisor (TRAI), Shri S.D.Saxena, Director (Finance) BSNL and Shri Rakesh Mehrotra, Chief Officer (Regulatory), TATA Teleservices Ltd. Vote of thanks was given by S/Shri Sanjay Gupta and Rakesh Singh.

On 15th October, 2005, the third session was on "Financial Risk Management & Market Risk Management". There were three Guests of Honour, S/Shri H.P Kumar, CMD (NSIC), T.N. Thakur, CMD, Power Trading Corporation, P.K Choudhary, CMD (ICRA). The other speakers were S/Shri K.N. Dey, Director, Basic Forex & Financials Solutions Pvt. Ltd, Shiban Bakshi, Director, Dua Consulting Pvt. Ltd. The last technical session was on "Vat and Implication of Vat on Planning" which was inaugurated in the presence of S/Shri Ramesh Chandra, IAS (Retd), Member Secretary, Empowered Committee of State Finance Minister, B.M Sharma, Vice President, and Yashpal Garg, Jt. Commissioner of Delhi VAT Deptt were the Guest of Honour. The session was accompanied in the presence of Shri K.G Goyal, CCM. The valedictory session was accompanied in the presence of Shri N.N Jha, former Lt. Governor and the Chief Guest of the session, S/Shri J.K Puri, B.M Sharma, Vice-President, Sanjay Gupta and Atul Kumar Gupta.

4. The NIRC started the mandatory personality development and communications classes for all the oral students from 11.11.2005. These classes were designed to help the students to improve their critical communication skills of listening. An Essay Competition was organized on 25.11.2005.

5. A Cricket Match was organized on 23.10.2005 to focus on all round development of the students. S/Shri Rakesh Singh and Chandra Wadhwa, CCM, Subhash Agrawal, and H.K.Goel – former Chairmen, Atul Kumar Gupta, Sanjay Gupta, U.K. Shukla and D.C. Arya were present

6. A Practitioners' Meet was organized on 21.12.2005. Shri Pravakar Mohanty, President, was the Chief Guest. S/Shri A. S. Durga Prasad, M. Gopalakrishnan, Chandra Wadhwa, Rakesh Singh, CCMs, and Atul Kumar Gupta, U.K. Shukla and Sanjay Gupta were also present.

7. The "New Year Party" was organized on 30.12.2005 which was initiated by welcoming Shri J.K. Puri. S/Shri Atul Kumar Gupta, Sanjay Gupta, Hari Krishan Goel, and U.K. Shukla welcomed the guests.

8. A talk was organized on 5.1.2006 on Competency Building - A Road Map to CWA Professionals by Shri K.V. Ramanathan, Professor and Chairman of Accounting, University of Washington Business

School. S/Shri Atul Kumar Gupta, Sanjay Gupta and U.K Shukla welcomed the speaker.

9. A workshop on Desk Review under Excise was organized on 17.1.2006 where Shri A.K Singhal, Advisor-Cost, Ministry of Finance, was the Chief Guest. S/Shri R.C Bhatt, Deputy Director-Cost, Tariff Commission, G.V Venkatesh, Deputy Director - Cost, MCA and Jayabrata Bose, Deputy Director- Cost, MCA, were eminent speakers. S/Shri Rakesh Singh, CCM, along with office bearers were present in the workshop.

10. A conference on "Monograph on Joint & By Product Costing" was organized on 31.1.2006 in association with Alkalies Manufacturers Association of India (AMAI) wherein Shri J.K Puri, graced the occasion. The conference was attended by the Cost Auditors of Caustic Soda Producer and persons of the relevant industry as well as practicing members.

11. NIRC organized two sessions of British Counselling & Educational Services on 2nd and 15th February, 2006 for students. Two Universities participated on behalf of BCES, i.e., University of Glamorgan, UK and Robert Gordon University, Aberdeen.

12. A seminar on Strategic Cost Analysis - Tool for Decision Making was organized on 21.2.2006 where Shri Narendra Bhat, Vice-President - Business Development from SCA Technologies, Pittsburgh, was the key speaker. For attending the same our Members has given 1 CEP Hrs. S/Shri Ashok Sinha from SCA Technologies, Rakesh Singh and Chandra Wadhwa, CCM, and Hari Krishan Goel, Subhash C. Agrawal, U.K Shukla, also attended the programme. A seminar on Strategic Cost Analysis - Tool for Decision Making was held on 22.2.2006. Companies like NDPL, Panacea Biotech, GAIL, HFCL, Orient Fashions, Telserra, SAIL, Birlasoft and many others participated.

13. A talk on Union Budget was organized on 7.3.2006 where S/Shri Girish Ahuja, tax expert, Ashok Goel, Founder & Chairman – Global Advisors Ltd and Atul Kumar Gupta participated. Another talk on Mergers and Amalgamations was held on 26.4.2006 wherein S/Shri Harish K. Vaid, President (Corporate) and CS -Jaiprakash Associates Ltd. and Ashok Juneja, Partner-Kesar Dass B. Associates spoke. S/Shri Rakesh Singh and Chandra Wadhwa, D.C. Bajaj, past President, and other office bearers attended the talk. Another talk on New Trends in Capital Market - IPO/Institutional Placement was organized on 10.5.2006. The chief guest was Shri J.K.Puri and the guest of honour was Shri S.K. Gupta, Executive Vice President, DCM Ltd.

14. A Workshop on MCA-21 and a presentation on art of living programme was organized on 22.3.2006. The Chief Guest was Shri Navrang Saini, Registrar of

2841 GI/06-11

Companies-NCT of Delhi & Haryana. The presentation was given by the analysts from Tata Consultancy Services Limited (TCS). Other office bearers and S/Shri Rakesh Singh and Chandra Wadhwa attended the workshop.

15. The ninth Modular Training Programme was held from 30th July to 14th August, 2005. Shri D.C. Bajaj, former President, graced the occasion. The NIRC put up a stall at Book Fair at Pragati Maidan from August 27 to September 4, 2005.

16. A seminar on Service Tax was held on 21.6.2006 which was inaugurated by S/Shri Rajeev Kumar, IRS, Chief Commissioner-Service Tax (Delhi) and J.K.Puri, Chief Advisor (Cost). The first technical session was taken by S/Shri Subash Agrawal, past chairman and Sushil Aggarwal, AICWA. The second technical session was taken by S/Shri Bipin Sapra, IRS, Joint Commissioner, Service Tax, Delhi, and Atul Kumar Gupta. Shri Chandra Wadhwa and other office bearers attended the seminar. On 23.6.2006 a seminar on Right to Information Act, 2005 was organized which was inaugurated by S/Shri J.K. Puri and the guest of honour was D.C. Bajaj, Advisor (Cost). The speakers were S/Shri Sumant Batra and Ashok Juneja, leading Corporate & Commercial Lawyers.

17. A seminar on Personality Development & Communication Enhancing Skills was held on 24.6.2006. S/Shri S.K.Gupta, Executive VP-DCM, Vinay Sharma and Mridul Tandon spoke on the subject. A seminar on Cost Audit Report Rules & MCA - 21 was also held on 25.6.2006. The guest of honour was Shri A.K. Shah, Deputy Director (Cost), Cost Audit Branch. The speakers were Shri S. Koley of NIRC of ICSI who spoke on MCA - 21. S/Shri S.K.Jain and Manoj Kulshrestha spoke on the Cost Audit Report Rules.

18. In January, 2006 three In-House Counselling Sessions were arranged on every working Saturdays, i.e. January 7th, January 21st and January 28th. A presentation session of British Counselling & Educational Services was held on 2.2.2006 to make the students aware about the University of Glamorgan, UK and the ranges of courses they are offering.

19. In the furtherance to achieve one of the institutional objectives to organize vigorous seminars and conferences on subjects of professional and industrial interest in different parts of the country, the NIRC announced an option of "Corporate Membership". The NIRC by setting up effective Management systems, equipped their Members with the knowledge and skills to enhance their competence by meeting the challenges and exploiting the opportunities in these turbulent times. The NIRC was awarded the Best Newsletter among the four

Regional Councils at the National Convention held in 2006.

Annexure I

COMPOSITION OF RECONSTITUTED STANDING AND OTHER COMMITTEES OF THE COUNCIL OF THE INSTITUTE FOR THE YEAR 2005-2006

President : Shri Pravakar Mohanty
Vice-President : Shri B. M. Sharma

President, Vice-President and Secretary are Permanent Invitees to all Committees except Standing Committees.

STANDING COMMITTEES

1. Executive Committee (Quorum - 3)

- (i) **Shri Pravakar Mohanty, President - Chairman**
- (ii) **Shri B. M. Sharma, Vice-President - Member**
- (iii) **Shri M. Gopalakrishnan - Member**
- (iv) **Shri Rakesh Singh - Member**
- (v) **Dr Sanjiban Bandyopadhyaya - Member**
Dr Debasis Bagchi - Secretary

2. Disciplinary Committee (Quorum - 2)

- (i) **Shri Pravakar Mohanty, President - Chairman**
- (ii) **Shri A. S. Durga Prasad - Member**
- (iii) **Shri Praveen Kumar - Member**
Dr Debasis Bagchi - Secretary

3. Examination Committee (Quorum - 2)

- (i) **Shri B. M. Sharma, Vice-President - Chairman**
- (ii) **Shri Rakesh Singh - Member**
- (iii) **Shri M. Gopalakrishnan - Member**
Smt. Chandana Bose, Director - Secretary

OTHER COMMITTEES

4. Training, Educational Facilities & Computerisation Committee (Quorum - 3)

- (i) **Shri A. S. Durga Prasad - Chairman**
- (ii) **Shri M. Gopalakrishnan - Member**
- (iii) **Shri Chandra Wadhwa - Member**
- (iv) **Shri R. K. Jain - Member**
- (v) **Dr Sanjiban Bandyopadhyaya - Member**
Shri A. P. Kar, Director - Secretary

5. Research & Journal Committee (Quorum - 3)

- (i) **Shri A. S. Durga Prasad - Chairman**
- (ii) **Shri M. Gopalakrishnan - Member**
- (iii) **Shri K. G. Goyal - Member**
- (iv) **Shri S.G.Y. Narayanan - Member**
- (v) **Dr Sanjiban Bandyopadhyaya - Member**
Shri Siddhartha Sen, Director - Secretary

6. Continuing Education Programme Committee (Quorum - 3)

- (i) **Dr Sanjiban Bandyopadhyaya - Chairman**
- (ii) **Shri D. V. Joshi - Member**
- (iii) **Shri Rakesh Singh - Member**
- (iv) **Shri K. G. Goyal - Member**
- (v) **Shri R. K. Jain - Member**
Shri D.Chandru, Jt. Director - Secretary

7. Professional Development (Technical) Committee (Quorum – 3)

- (i) Shri Pravakar Mohanty – Chairman
- (ii) Shri D. V. Joshi – Member
- (iii) Shri A. S. Durga Prasad – Member
- (iv) Shri K. G. Goyal – Member
- (v) Shri R. K. Jain – Member
- (vi) Dr Sanjiban Bandyopadhyaya – Member
- (vii) Shri A.K. Kapoor – Member (Co-opted),
Adviser (Cost), Govt. of India
- (viii) Shri P.K. Jain – Member (Co-opted)
Shri A. P. Kar, Director - Secretary

8. Members' Services & Members' Facilities Committee (Quorum – 3)

- (i) Shri Rakesh Singh – Chairman
- (ii) Shri S.G.Y. Narayanan – Member
- (iii) Shri D. V. Joshi – Member
- (iv) Shri A.S. Durga Prasad – Member
- (v) Shri K. G. Goyal – Member
- (vi) Dr Sanjiban Bandyopadhyaya – Member
Shri Kaushik Banerjee, Dy. Director - Secretary

9. Regional Councils & Chapters Coordination Committee (Quorum – 3)

- (i) Shri D. V. Joshi – Chairman
- (ii) Shri Rakesh Singh – Member
- (iii) Shri M. Gopalakrishnan – Member
- (iv) Shri K. G. Goyal – Member
Shri R. N. Pal, Director – Secretary

10. Cost Accounting Standards Board (Quorum – 3)

- (i) Shri M. Gopalakrishnan – Chairman
- (ii) Shri Chandra Wadhwa – Member
- (iii) Shri Rakesh Singh – Member
- (iv) Shri A.S. Durga Prasad – Member
- (v) Dr D. Jagannathan – Member
- (vi) Shri A.K. Kapoor – Member (Co-opted),
Adviser (Cost), Govt. of India
Shri A. P. Kar, Director - Secretary

11. Banking, Insurance & PSU Committee (Quorum 3)

- (i) Shri K. G. Goyal – Chairman
- (ii) Shri Rakesh Singh – Member
- (iii) Shri A.S. Durga Prasad – Member
- (iv) Dr Sanjiban Bandyopadhyaya – Member
- (v) Shri R. K. Jain – Member
Shri A.P. Kar, Director - Secretary

12. WTD & International Affairs Committee (Quorum 3)

- (i) Shri Chandra Wadhwa – Chairman
- (ii) Shri Rakesh Singh – Member
- (iii) Shri M. Gopalakrishnan – Member
- (iv) Shri K. G. Goyal – Member
- (v) Dr D. Jagannathan – Member
Shri Siddhartha Sen, Director - Secretary

13. Audit Committee (Quorum 2)

- (i) Shri S.G.Y. Narayanan – Chairman
- (ii) Shri M. Gopalakrishnan – Member
- (iii) Dr Sanjiban Bandyopadhyaya – Member
Shri S. R. Saha, Jt. Director - Secretary

Gupta & Co.
Chartered Accountants

53A, Mirza Ghalib Street Kolkata - 700 016
Phone: 2229-2638, 2229-6241, 2229-0871/72
Fax: (91) (033) 2229-1859
Email: guptaco55@hotmail.com

Auditor's Report

To the Members of the Institute of Cost and Works Accountants of India

1. We have audited the attached Balance Sheet of The Institute of Cost and Works Accountants of India ("the Institute") as at 31st March 2006 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date set out on pages 1 to 23. These accounts are the responsibility of the Institute's management. Our responsibility is to express an opinion on these accounts based on our audit.

2. We conducted our audit in accordance with auditing standards generally accepted in India. Those standards require that we plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the accounts are free of material misstatement. An audit includes examining on a test basis, evidence supporting the amounts and disclosures in the accounts. An audit also includes assessing the accounting principles used and significant estimates made by management, as well as evaluating the overall accounts presentation. We believe that our audit provides a reasonable basis for our opinion.

3. We draw attention to the following:

- a. As stated in Notes B.2 and B.3 of Schedule 18 to the accounts, advances to Regional Councils and Chapters for Silver Jubilee Capital Grant aggregating to Rs.21.32 lakhs and Rs. 102.02 lakhs for construction of Building remain unadjusted / non capitalized for a long period due to lack of necessary documents and information from the respective Regional Councils and Chapters.
- b. Building loan to Chapters (Schedule 9(A) aggregating to Rs.23.33 lakhs and Computer loan to Chapters of Rs.5.97 lakhs have not been repaid despite reminders from the Institute.
- c. Documents of title deeds for free hold land aggregating to Rs.18.28 lakhs and building amounting to Rs. 161.59 lakhs were not available for our examination.
- d. As stated in Note B.11 to the accounts, confirmations of account balances of different Regional Councils and Chapters are subject to reconciliation and consequent adjustments if any, on receipt of such confirmations.
- e. Age analysis of sundry debtors of Rs 97,55,240/- (mostly from Regional Council and Chapters.) was not available. Accordingly, we are unable to comment on the ultimately realisability of these debtors.
- f. We are informed that, identification and verification of fixed assets is in progress.
- g. As indicated in Note B.1 to the accounts, bank transactions remaining unlinked for four years are

adjusted through General Fund. As a result unlinked bank transactions are not followed up and adjusted on yearly basis.

h. As stated in Note 14 returned drafts amounting to RS.1, 16,245 received from members/students has been taken in income.

i. The discrepancies noticed during the physical verification of stocks carried out by the management during the year amounting to Rs.6.36,094 shortages of stock has not been accounted for in these accounts.

j. In our opinion and according to the explanations given to us, the internal control procedures with regard to reconciliation of tuition fees, transactions with Regional Councils and Chapters and reconciliation of various accounts and unlinked items including bank transactions need to be strengthened. Further the scope and coverage of Internal Audit requires further improvement

4. We further report that, had the observation made by us in paragraph 3.(h) & (i) above been considered, the surplus for the year would have been RS.34.91 lakhs (as against the reported figure of Rs.42.43 lakhs) and the balance of general fund would have been Rs.870.44 lakhs (as against the reported figure of Rs.8.77.96 lakhs) The effect of other items mentioned at 3 above could not be determined.

5. Further, to our comments in paragraph 3 above, we report that:

- i) Subject to para 3(a) to 3(g) above, we have obtained, all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purposes of our audit;
- ii) In our opinion, proper books of account in conformity with the requirements of The Cost and Works Accountants Act, 1959 and the Cost and Works Accountants Regulations, 1959 have been kept by the Institute so far as appears from our examination of those books.
- iii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with by this report are in agreement with the books of Account;
- iv) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, subject to our remarks in para 3 above, the said accounts read together with the notes thereon give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India;
- (a) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Institute as at 31st March, 2006; and,
- (b) in the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date on the basis as described in Note A2 of Schedule 18 to the accounts.

For Gupta & Co.
Chartered Accountants

Sd/-
S.K. Ganguli
Partner

Kolkata
Dated July, 21, 2006

Membership No. 6622

The Institute of Cost and Works Accountants of India				
BALANCE SHEET as at 31st March, 2006				
Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	SCH. NO.	This year 2005 - 2006	
Rs.			Rs.	Rs.
	INSTITUTE FUND :			
80,561,994	General Fund	(1)		87,796,323
10,784,000	Employees' Gratuity Fund	(2)		12,529,000
6,890,000	Employees' Leave Encashment Fund	(3)		7,299,000
377,246	Employees' Benevolent Fund	(4)		383,648
804,995	Misc. Prize & Other Fund	(5)		1,039,233
99,418,235	TOTAL			109,047,204
	REPRESENTED BY :			
	Fixed Assets :	(6)		
56,449,290	a) Gross Block		58,683,957	
33,460,029	b) Less Depreciation		35,720,293	
22,989,261	c) Net Block			22,963,664
500	Investment	(7)		500
59,069,322	Current Assets	(8)	70,413,944	
19,213,264	Loans & Advances	(9)	18,526,366	
78,282,586			88,940,310	
3,615,961	Less : Current Liabilities & Provisions	(10)	3,738,194	
74,666,625	NET CURRENT ASSETS			85,202,116
1,761,849	Miscellaneous Expenditure			880,924
	(to the extent not written off)			
99,418,235	TOTAL			109,047,204
	Notes on Accounts	(18)		
Schedules referred to above form part of the Accounts				
As per our report attached.				
For Gupta & Co. Chartered Accountants	B.M.Sharma Vice President		Pravakar Mohanty President	
S. K. Ganguli Partner Membership No.6622				
Kolkata Dated : 21st July, 2006	R. N. Pal Director (Admn.& Finance)		Dr. Debasis Bagchi Secretary	

2841 GI/06-12

The Institute of Cost and Works Accountants of India				2
INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT				
for the year ended 31st March, 2006				
Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	Sch. No.	This year 2005 - 2006	
Rs.			Rs.	
	INCOME :			
8,472,814	Annual Members' Subscription	(11)	8,195,135	
42,930,434	Tuition Fees & Others	(12)	44,846,376	
23,796,527	Examination Fees & Others	(13)	25,450,616	
8,488,905	C. E. Programme Income		13,090,964	
423,286	Journal Fee (Incl. Advt.)		380,782	
-	Research Study Project - Tea Board		100,000	
170,829	Publication Income		280,059	
1,563,578	Interest		2,029,997	
85,846,373	Total :		94,373,929	
	EXPENDITURE :			
33,182,856	Establishment	(14)	36,177,377	
8,871,224	Office Expenses	(15)	10,282,942	
43,200	Statutory Audit Fee		44,080	
55,100	Internal Audit Fee		55,423	
1,656,349	Travelling & Conveyance		2,168,791	
9,025,625	Exam. Exp. incl. S/Ans. & Exam. Form consumed		8,501,685	
2,410,254	Council & Comm. Meeting Exp.		2,688,820	
880,925	Election Expenses		880,925	
-	Election Tribunal Expenses		230,394	
2,443,595	Journal Expenses		2,373,103	
6,655,353	Contribution to Regional Councils	(16)	7,166,809	
104,604	Contribution to Chapters (Grant)		119,212	
1,236,079	Membership Subscription To Foreign Bodies		896,460	
48,692	Conference & Meeting International		111,406	
-	Research Study Project - Tea Board		49,034	
6,004,479	C. E. Programme Expenses		9,386,768	
183,302	Professional Development Expenses		576,148	
268,452	Advance for Fixed Assets Written Off		-	
-	Non Moving Stock Written Off		1,445,006	
4,264,470	Study Materials incl. Prospectus Consumed		4,369,109	
149,828	Publication Stock Consumed		166,662	
2,475,835	Depreciation		2,440,036	
79,960,222	TOTAL		90,130,190	
5,886,151	Surplus for the year c/d		4,243,739	
85,846,373	TOTAL		94,373,929	
5,886,151	Surplus for the year b/d		4,243,739	
-	Prior Period Income		20,000	
6,380,540	Prior Period Expenses	(17)	618,965	
6,145,000	Transferred from General Fund		-	
5,650,611	Net Surplus transferred to General Fund		3,644,774	
Schedules referred to above form part of the Accounts				
As per our report attached.				
For Gupta & Co. Chartered Accountants	B.M.Sharma Vice President	Pravakar Mohanty President		
S. K. Ganguli Partner Membership No. 6622 Kolkata Dated : 21st July, 2006	R. N. Pal Director (Admn. & Finance)	Dr. Debasis Bagchi Secretary		

SCHEDULE FORMING PART OF ACCOUNTS			
SCHEDULE NO.1 : GENERAL FUND as at 31st March, 2006			
Last year 2004 - 2005 Rs.	PARTICULARS	This year 2005 - 2006	
		Rs.	Rs.
78,992,936	Balance as per last account		80,561,994
	Add :		
-	i) Capitalization of Chapter's Building -		
	Thrissur Chapter	783,265	
	Kolhapur Sangli Chapter	381,560	
118,495	ii) Transfer from Non Specific Deposit	71,274	
195,174	iii) Unlinked Transction in Bank Account(Net)	184,397	
48,185	iv) Others		1,420,496
79,354,790			81,982,490
	Less :		
177,300	i) Adjustment of Debtors	15,425	
86,127	ii) Others		15,425
79,091,363			81,967,065
	iii) Capital Grants to Regional Councils :		
80,297	for Library	86,726	
6,000	for Furniture	9,000	95,726
79,005,066			81,871,339
443,197	Add : Entrance Fee (Member)	330,570	
1,608,120	Entrance Fee (Student)	1,949,640	2,280,210
81,056,383			84,151,549
6,145,000	Less : Transfer to Income & Expenditure A/c		-
74,911,383			84,151,549
5,650,611	Add : Net Surplus for the year :		3,644,774
	Income & Expenditure Account		
80,561,994	Total		87,796,323
SCHEDULE NO. 2 : EMPLOYEES' GRATUITY FUND as at 31st March,2006			
9,446,000	Balance as per last account		10,784,000
1,701,687	Add : Contribution for the year		2,554,245
11,147,687			13,338,245
830,648	Add : Interest earned on Investment of Fund for the year		859,711
11,978,335			14,197,956
1,194,335	Less : Gratuity paid to Employees' during the year		1,668,956
10,784,000	Total		12,529,000
SCHEDULE NO. 3 : EMPLOYEES' LEAVE ENCASHMENT FUND as at 31st March,2006			
-	Balance as per last account		6,890,000
7,745,138	Add : Contribution for the year		2,592,602
7,745,138			9,482,602
855,138	Less : Paid to Employees during the year		2,183,602
6,890,000	Total		7,299,000
SCHEDULE NO. 4 : EMPLOYEES' BENEVOLENT FUND as at 31st March,2006			
361,573	Balance as per last account		377,246
	Add : Contribution during the year		
6,316	Employers'	6,008	9,012
3,158	Employees'	3,004	
20,855	Add : Interest earned on Investment of Fund for the year		21,610
391,902			407,868
14,656	Less : Paid to Employees during the year		24,220
377,246	Total		383,648

SCHEDULE NO. 5 : MISC. PRIZE & OTHER FUND AS AT 31.03.2006

Name of the Prize Fund	Opening Balance (Rs.)	Add : during the year (Rs.)	Income credited (Rs.)	Total (Rs.)	Cost of Prizes (Rs.)	Closing Balance (Rs.)
B.D. Puri Prize Fund	13,105.98		692.00	13,797.98	3,054.96	10,743.02
Wazir Debi Puri Prize Fund	12,970.13		660.00	13,630.13	3,054.96	10,575.17
B. C. Chakraborty Prize Fund	11,736.70		332.00	12,068.70		12,068.70
D. D. Kalra Prize Fund	14,559.30		356.00	14,915.30	497.00	14,418.30
A. K. Biswas Prize Fund	39,430.88		301.00	39,731.88	3,054.96	36,676.92
Bikramjit Mazumdar Prize Fund	11,648.30		620.00	12,268.30	246.00	12,022.30
B. N. Ganguly Prize Fund	8,264.30		305.00	8,569.30		8,569.30
K. Ramachandran Prize Fund	6,162.26		457.00	6,619.26		6,619.26
Sm.Rajamma M.R.S. Iyengar Prize Fund	6,295.70		351.00	6,646.70		6,646.70
U. N. Sur / D. Merry Sur Prize Fund	12,164.50		864.00	13,028.50		13,028.50
Maujiram Jain Prize Fund	17,498.00		1,068.00	18,566.00		18,566.00
Pune Chapter of Cost Accountants Prize Fund	11,773.00		663.00	12,436.00		12,436.00
Gangadas Mundhra Prize Fund	10,683.13		1,053.00	11,736.13	3,054.96	8,681.17
V. Srinivasan Prize Fund	11,900.13		943.00	12,843.13	3,054.96	9,788.17
V. K. Cansal & S. P. Cansal	32,080.00		1,576.00	33,656.00		33,656.00
J. N. Bose Prize Fund	11,327.13		632.00	11,959.13	3,054.96	8,904.17
Subhas Adhya Prize Fund	4,614.04		262.48	4,876.52		4,876.52
N. Sarkar Prize Fund	13,587.56		525.50	14,113.06		14,113.06
G. Indira Debi Prize Fund	19,688.24		791.00	20,479.24	3,054.96	17,424.28
Pusparani De Prize Fund	13,145.68		1,416.00	14,561.68	3,054.96	11,506.72
Srinivasan Jagannathan Prize Fund	28,822.75		1,200.00	30,022.75	3,054.96	26,967.79
Sultan Chand Prize Fund	43,966.00		1,612.00	45,578.00	1,469.00	44,109.00
K. K. Dutta Prize Fund	23,346.83		777.00	24,123.83	2,036.64	22,087.19
Kedarnath Prahaladrai Dhanuka Prize Fund	26,676.00		969.00	27,645.00	752.00	26,893.00
Dhanapati Goel Prize Fund	27,369.04		1,104.00	28,473.04	3,054.96	25,418.08
Kanshi Ram Prabhakar Prize Fund	27,126.64		1,104.00	28,230.64	4,073.28	24,157.36
Mandakini Vasant Limaye Prize Fund	3,682.50		264.00	3,946.50		3,946.50
Colonel Ambuja Nath Bose Prize Fund	43,199.13		1,576.00	44,775.13	3,054.96	41,720.17
M. Krishna Murthy Prize Fund	9,984.00		524.00	10,508.00		10,508.00
Laxmibai Dhandopant Kavishwar Prize Fund	8,425.00		265.00	8,690.00		8,690.00
Kamala Mukherjee Prize Fund	15,901.00		800.00	16,701.00		16,701.00
P.Ganguly Memorial Prize Fund	120,999.00		5,916.00	126,915.00		126,915.00
Principal Smt.V.J.Talati Prize Fund	31,825.00		1,436.00	33,261.00	1,018.32	32,242.68
Annapurna & Rebatil R Bhattacharjee P.Fund	23,862.00		1,152.00	25,014.00	859.00	24,155.00
A.V.S.Rao Endowment Lecture Fund	11,920.00		689.00	12,609.00		12,609.00
Northern Coal Field Merit Award Prize Fund		100,000.00	1,935.00	101,935.00	1,759.00	100,176.00
K.G.Goyal Hindi Medium Prize Fund		21,000.00	649.00	21,649.00		21,649.00
Ranjan Kumar Basu Memorial Prize Fund		20,000.00	701.00	20,701.00	553.00	20,148.00
Diamond Jubilee Prize Fund		100,000.00	3,111.00	103,111.00	1,018.32	102,092.68
Students Benevolent Fund	75,255.00		1,472.00	76,727.00		76,727.00
TOTAL :-	804,994.85	241,000.00	41,123.98	1,087,118.83	47,886.12	1,039,232.71

SCHEDULE NO. 6 : FIXED ASSETS AS AT 31ST MARCH, 2006

Description of Assets	Gross Block				Depreciation				Net Block	
	Opening Cost 01.4.05	Addition during the period	Less : Sale/ Adjustment of Fixed Assets during the period	Total as on 31.03.2006	Upto 1.4.05	For the year	Less : Depre- ciation on Sale/ Adjustment of Fixed Assets during the year	Upto 31.03.2006	This year 2005 - 2006	Last year 2004 - 2005
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
FREEHOLD LAND										
Headquarter	140,000			140,000	-			-	140,000	140,000
Regional Councils & Chapters	3,319,783	168,800		3,488,583	-			-	3,488,583	3,319,783
FREEHOLD BUILDING										
Headquarter	2,707,998			2,707,998	1,603,318	110,468		1,713,786	994,212	1,104,680
Regional Councils & Chapters	34,145,662	1,496,025		35,641,687	18,294,770	1,734,692		20,029,462	15,612,225	15,850,892
LEASEHOLD LAND :										
Regional Councils & Chapters (Durgapur, Nagpur, Ukkunagram, Visakhapatnam, Pune & Bhilai)	407,070			407,070	140,479	13,496		153,975	253,095	266,591
FURNITURE & FITTINGS :										
Headquarter	2,665,558	10,631		2,676,189	2,064,645	61,154		2,125,799	550,390	600,913
LIBRARY BOOKS :										
Headquarter	843,536	38,794		882,330	514,411	36,792		551,203	331,127	329,125
OFFICE EQUIPMENTS :										
Headquarter	3,073,629	408,643		3,482,272	2,110,219	137,205		2,247,424	1,234,848	963,410
GENERATORS :										
Headquarter	280,545			280,545	275,736	1,202		276,938	3,607	4,809
LIFT :										
Headquarter (EIRC Premises)	416,062			416,062	342,012	18,513		360,525	55,537	74,050
MOTOR CAR :										
Headquarter	663,874		186,328	477,546	530,494	26,676	179,772	377,398	100,148	133,380
COMPUTER :										
Headquarter	7,785,573	298,102		8,083,675	7,583,945	299,838		7,883,783	199,892	201,628
Total :	56,449,290	2,420,995	186,328	58,683,957	33,460,029	2,440,036	179,772	35,720,293	22,963,664	22,989,261

2241 GI/06-13

SCHEDULE NO.7 : INVESTMENT (AT COST) AS AT 31ST MARCH 2006

Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	This year 2005 - 2006	
Rs.		Rs.	Rs.
	SHARES (GENERAL FUND) :		
500	5 Shares of Rs.100/- each in Jai Brindaban Premises Trust Fund, Bombay		500
500	TOTAL		500

SCHEDULE NO.8 : CURRENT ASSETS AS AT 31ST MARCH,2006

3,081,460	Publication Stock (at Cost)		2,607,016
684,684	Paper Stock (at Cost)		812,506
4,001,698	Study Material incl. Prospectus Stock (at Cost)		2,084,212
4,735	Stock Silk Ties		4,735
1,677,353	Other Receivables		1,959,917
9,393,282	Sundry Debtors		9,755,240
	Cash and Bank Balances :		
61,426	In hand (including Cash and Postage Stamps)	38,205	
313,888	At Post Office (Ref.Note No.B-18 Sch.18)	329,387	
	Balances with Scheduled Banks :		
6,890,603	On Current Account	10,928,497	
1,382,409	On Savings Account	25,445	11,321,534
	Fixed Deposits :		
11,144,645	Employees' Gratuity Fund	11,144,645	
19,500,000	Institute's Fund	29,550,000	
360,861	Employees' Benevolent Fund	360,861	
572,278	Misc. Prize & Other Fund	813,278	41,868,784
59,069,322	Total		70,413,944

**SCHEDULE NO.9 : LOANS AND ADVANCES
as at 31st March,2006**

	Building Loan to Chapters :		
2,236,441	5% Building Loan	2,236,441	
96,241	4% Building Loan	96,241	2,332,682
611,947	Computer Loan to Chapters	(B)	597,414
10,702,000	Advance to Regional Councils & Chapters for Building cons.	(C)	10,202,000
2,132,138	Silver Jubilee Cap.Grants(Adv.)to Chaters	(D)	2,132,138
200,000	Loan to Regional Council - EIRC		811,101
1,111,804	Building Loan to Employees		977,921
11,815	Vehicle Purchase Advance to Employees		6,900
838,394	Other Advances		147,226
194,585	Festival Advance to Employees		181,485
585,890	Advance Membership Subscription to Foreign Bodies - CAPA & IFAC		665,598
2,370	Salary Advance to Employees for Provident Fund Contribution		2,370
137,469	Prepaid Expenses		89,361
352,170	Deposits		380,170
19,213,264	Total		18,526,366

SCHEDULE NO. 9(A) : BUILDING LOAN TO CHAPTERS
as at 31st March 2006

Last year 2004 - 2005		Name of the Chapter	This year 2005 - 2006	
4% Loan Rs.	5% Loan Rs.		4% Loan Rs.	5% Loan Rs.
6,241		Goa	6,241	
	100,000	Kolhapur-Sangli		100,000
	82,800	Aurangabad		82,800
	200,000	Coimbatore		200,000
	150,000	Ranipet Vellore		150,000
90,000		Howrah	90,000	
	150,000	Bokaro Steel City		150,000
	200,000	Durgapur		200,000
	200,000	Asansol		200,000
	200,000	Dhanbad - Sindri		200,000
	191,897	Serampore		191,897
	186,744	Cuttack-Bhubaneswar		186,744
	135,000	Jaipur		135,000
	200,000	Udaipur		200,000
	100,000	Kanpur		100,000
	140,000	Kota		140,000
96,241	2,236,441	Total	96,241	2,236,441

SCHEDULE NO. 9(B) : COMPUTER LOAN TO CHAPTERS
as at 31st March 2006

Last year 2004 - 2005	Name of the Chapter	This year 2005 - 2006
Rs.		Rs.
64,150	Goa	64,150
62,150	Ahmedabad	62,150
8,240	Visakhapatnam	6,240
50,889	Cochin	49,429
14,267	Neyveli	12,267
43,074	Trivandrum	34,001
64,150	Howrah	64,150
64,150	Durgapur	64,150
64,150	Asansol	64,150
53,773	Cuttack-Bhubaneswar	53,773
58,804	Jaipur	58,804
64,150	Udaipur	64,150
611,947	Total	597,414
Realisation of Computer Loan during 2005 - 2006		Amount Rs.
Cochin Chapter		1,460
Neyveli Chapter		2,000
Trivandrum Chapter		9,073
Visakhapatnam Chapter		2,000
Total :		14,533

SCHEDULE NO. 9(C) : ADVANCE TO REGIONAL COUNCILS & CHAPTERS FOR CONSTRUCTION OF AS AT 31ST MARCH, 2006

Last year 2004 - 2005 (Rs.)	Name of the Chapter	This year 2005 - 2006 (Rs.)
3,892,000	N.I.R.C.	3,892,000
2,700,000	W.I.R.C.	2,700,000
300,000	Bhilai	300,000
300,000	Udaipur	300,000
300,000	Lucknow	300,000
200,000	Nasik-Ojhar	200,000
300,000	Cuttack-Bhubaneswar	300,000
300,000	Durgapur	300,000
300,000	Bokaro Steel City	300,000
200,000	Kolhapur-Sangli	-
300,000	Asansol	300,000
200,000	Kanpur	200,000
300,000	Dhanbad - Sindri	300,000
300,000	Mysore	300,000
300,000	Serampore	300,000
300,000	Thrissur	-
210,000	Kota	210,000
10,702,000	Total	10,202,000

SCHEDULE NO. 9(D) : SILVER JUBILEE CAPITAL GRANTS(ADVANCE)TO CHAPTERS AS AT 31ST MARCH,2006

100,000	Kanpur	100,000
100,000	Durgapur	100,000
100,000	Asansol	100,000
32,138	Jaipur	32,138
100,000	Ahmedabad	100,000
100,000	Howrah	100,000
100,000	Jamshedpur	100,000
100,000	Naihati Ichapur	100,000
100,000	Faridabad	100,000
100,000	Chandigarh - Pachkula	100,000
100,000	Cuttack-Bhubaneswar	100,000
100,000	Bokaro Steel City	100,000
100,000	Vijaywada	100,000
100,000	Kalyan-Ambarnath	100,000
100,000	Baroda	100,000
100,000	Bhopal	100,000
100,000	Trivandrum	100,000
100,000	Nagpur	100,000
100,000	Goa	100,000
100,000	Lucknow	100,000
100,000	Nashik Ojher	100,000
100,000	Mysore	100,000
2,132,138	Total	2,132,138

SCHEDULE NO.10 : CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS AS AT 31ST MARCH,2006

	Current Liabilities :	
453,831	Library Deposit	455,186
1,705,072	Sundry Creditors	2,347,009
771,002	Other Liabilities - Net	588,249
366,056	Book Overdraft	27,750
320,000	Provisions	320,000
3,615,961	Total	3,738,194

ANNEXURE TO SCHEDULE NO.10 SCHEDULES OF PROVISION

	Provisions :	
30,000	Provision for Grants to Co-op.Cr.Soc.Pvt.Ltd.	30,000
140,000	Provision for Golden Jubilee Contribution to Regional Councils & Chapters	140,000
150,000	Provision for Rates & Taxes	150,000
320,000	Total	320,000

SCHEDULE NO.11 : INCOME		
ANNUAL MEMBERS' SUBSCRIPTION :		
for the year ended 31st March,2006		
Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	This year 2005 - 2006
Rs.		Rs.
6,234,581	Annual Membership Fees	6,843,426
840,233	Members Certificate of Practice Fee	817,800
1,356,375	Grad C.W.A. Fees	451,285
18,125	Members Restoration Fee	82,374
550	Members Complaint Fee	250
22,950	Nomination Fee	-
8,472,814	Total	8,195,135
SCHEDULE NO.12 : INCOME		
TUTION AND OTHER FEES :		
for the year ended 31st March,2006		
2,412,180	Student Registration Fee	2,924,460
21,192,407	Tuition Fees	23,712,503
2,889,084	Computer Training - Net	3,346,093
-	Recognition Fee	900
58,100	Annual Recurring Fees	53,850
5,080,085	Service Fees	5,505,641
2,095,736	Revalidation of Coaching Completion Certificates Fees	1,412,168
2,011,061	Sale of Prospectus	2,515,683
7,130,266	Sale of Study Notes	5,345,953
12,800	Sale of Postal Coaching & Denovo Forms	7,899
48,715	Sale of Coaching Revalidation Forms	21,226
42,930,434	Total	44,846,376
SCHEDULE NO.13 : INCOME		
EXAMINATION AND OTHER FEES :		
for the year ended 31st March,2006		
21,221,689	Examination Fees	22,513,309
213,010	Verification of Answers Paper Fees	264,725
1,533,137	Sale of Suggested Answer including Scanner	1,373,664
577,520	Sale of Exam. Forms	1,011,237
251,171	Sundry Income	287,681
23,796,527	Total	25,450,616
SCHEDULE NO.14 : ESTABLISHMENT		
for the year ended 31st March,2006		
25,913,485	Salaries & Allowances	26,866,280
1,701,687	Employer's Cont. to Employees' Gratuity Fund	2,554,245
2,317,198	Employer's Cont. to Employees' Provident Fund	2,455,815
6,316	Employer's Cont. to Employees' Benevolent Fund	6,008
1,727,138	Employer's Cont. to Employees' Leave Encashment	2,592,602
1,184,759	Medical Benefit to Employees	1,191,126
155,000	Leave Travel Allowance to Employees	163,000
63,358	Employer's Contribution to Employees E.D.L.I.	52,070
493	E.D.L.I. Inspection Charges	477
34,812	Administrative Charges to R.P.F.C.	36,811
78,610	Training & Development (H.R.D.)	258,943
33,182,856	Total	36,177,377

2241 GI/06-14

SCHEDULE NO.15 : EXPENDITURE OFFICE EXPENSES for the year ended 31st March,2006						
Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	This year 2005 - 2006				
Rs.		Rs.				
1,681,266	Printing & Stationery	1,604,880				
2,091,186	Postage, Telegrams, Telephones & Fax	2,644,855				
704,922	Electricity Charges	729,124				
30,960	Generator Expenses	31,278				
173,765	Rates & Taxes	147,510				
39,775	Insurance	46,560				
1,080,765	Repair & Maintenance	1,405,904				
628,031	Car Expenses	797,569				
6,800	Interest on Caution Money Deposit	6,800				
645,828	Study Material Distribution Expenses	553,532				
208,900	Legal Charges	742,707				
167,364	Bank Charges	154,237				
571,494	Computer Expenses incl. Hire Charges	322,246				
38,869	Public Relation Expenses	55,910				
66,244	Watch & Ward Expenses	52,776				
106,309	Books & Periodicals	130,494				
4,250	Delegate Fee	52,750				
197,180	Gazette Notification	204,180				
201,028	Staff Welfare	206,276				
226,288	Sundry Expenses	393,354				
8,871,224	Total	10,282,942				
SCHEDULE NO.16 : REVENUE GRANTS TO REGIONAL COUNCILS INCLUDING REIMBURSEMENT OF REVENUE EXPENSES for the year ended 31st March, 2006						
A) Amount reimbursed to the Regional Councils during the year on following accounts and merged with Income & Expenditure Account :						
Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	E.I.R.C.	S.I.R.C.	W.I.R.C.	N.I.R.C.	This year 2005 - 2006
Rs.		Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
23,717	Repair & Maintenance	2,948	886	6,000	12,632	22,466
65,376	Rates & Taxes		32,642		33,268	65,910
89,093	Total (A) :	2,948	33,528	6,000	45,900	88,376
290,354	T.A. Grants	75,000	75,000	75,000	75,000	300,000
240,000	Running Expenses Grant	60,000	60,000	60,000	60,000	240,000
6,124,999	Revenue Grants	779,559	3,019,350	914,850	1,913,050	6,626,809
6,655,353	Total (B) :	914,559	3,154,350	1,049,850	2,048,050	7,166,809
6,744,446	Total (A) + (B) :	917,507	3,187,878	1,055,850	2,093,950	7,255,185
SCHEDULE NO.17 : PRIOR PERIOD EXPENSES for the period ended 31st March,2006						
Last year 2004 - 2005	PARTICULARS	This year 2005 - 2006				
Rs.		Rs.				
93,766	Office Expenses	228,784				
-	Journal Expenses	20,668.00				
-	Membership Subscription to Foreign Body (SAF)	295,939.00				
62,048	C.E.Programme Expenses	32,133.00				
8,862	C.C.M.	9,441.00				
43,925	Examination Charges					
6,018,000	Employer's Cont. to Employees' Leave Encashment					
550	Travelling & Conveyance					
126,983	Depreciation / Rent on Leasehold Land					
26,406	PD Expenses	32,000				
6,380,540	Total	618,965				

**NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS
FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2006
SCHEDULE NO.18**

A. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICY

1. Fixed Assets:

- a) Fixed Assets are stated in the accounts at cost less depreciation provided at diminishing value method irrespective of the date of purchase at the rate prescribed under the Income Tax Rules from time to time.
- b) Leasehold lands are being amortized over the period of lease.
- c) Assets under creation are shown as capital work in progress.

2. Income and Expenditure Recognition:

- a) Incomes are normally treated in the accounts on cash basis except Interest Income and transactions with the Regional Councils and Chapters in respect of sale of various publications of the institute.
- b) Expenditures other than Annual Grants to Chapters is considered on mercantile basis. Election related expenses are charged off in the accounts over three years.

3. Investments:

Investments are stated at cost.

4. Inventories:

Inventories are comprised of various publications, papers and study materials, which have been valued at Cost of Purchase plus other related incidental charges. The Stock of Publication and Study Materials are valued at weighted average cost and Stock of Paper is valued by using First in First out method. However, un-consumable / un-saleable publications and study materials are not included in stock value.

5. Employees' Retirement Benefits:

- a) Gratuities are provided in the Accounts on the basis of actuarial valuation in accordance with the Payment of Gratuity Act, 1972.
- b) Provident Funds are paid to the Trustees as per the Institute's Rules in this regard and Institute's contribution are charged against revenue each year.
- c) Leave Encashment benefit on retirement is provided on the basis of actuarial valuation.

6. Foreign Currency Transactions:

Foreign currency transactions are accounted for in the accounts on Collection/Payment in rupee, i.e. when it is received and incurred in rupee value. All transactions made in foreign currencies for monetary items are translated at the rate prevailing on date of transactions or at the closing rates.

7. Prior Period Income/Expenditure:

Prior period specific revenue portion is shown below the line of the Income and Expenditure Accounts and other adjustments for prior period are done to and from General Fund.

B. NOTES FORMING PART OF ACCOUNTS:

1. An amount of Rs.184397 (comprising credit of Rs.1556558 and debit of Rs.1372161) has been adjusted through General Fund in terms of the decision of 174th Council Meeting dt 21/07/1996 to write off partial outstanding in Bank Reconciliation Statement of various Bank Accounts of the Institute.
2. The unadjusted balance amounting to RS.21,32,138/- (Previous Year RS.21,32, 138/-) towards Silver Jubilee Capital Grants(Advance) could not be adjusted for want of relevant documents.
3. Land and Building of two Chapters viz Thrissur and Kolhapur Sangli Chapter has been capitalized during the year at a gross value of Rs.16,64,825/-. Unadjusted balance in Advance to Regional Councils and Chapters for construction of building is RS.1,02,02,000/- (Previous Year Rs.1,07,02,000/-) which is pending Capitalization for want of relevant documents and information.

4. Exemption in respect of Income Tax has been granted u/s 10(23A) read with Section 11 of the Income Tax Act, 1961. Accordingly, no provision for Income Tax has been made.

5.

5. Employees' Leave Encashment Fund as at 31st March 2006 is RS.72,99,000/- as per actuarial valuation.

6. Employees' Gratuity Fund as at 31st March, 2006 is RS.1,25,29,000/- (Previous Year Rs.1,07,84,000/-) as per actuarial valuation as against the investment including accrued interest thereon of Rs. 1,13,15,236/-. Thus there is short fall of investment amounting to Rs 12,13,764 (Previous Year RS.1,13,17,866/-). This will be made good in the current year year.

7. Employees' Benevolent Fund as on 31st March, 2006 is RS.3,72,608/- (Previous Year Rs.3,77,246/-) as against the investment including accrued interest thereon of Rs.4,13,906/- (Previous Year Rs.3,92,296/-).

8. All Prize Funds and Students' Benevolent Fund maintained by the Institute have been incorporated in the accounts together with relevant investments thereof in terms of the decision of the Council. Since the funds have been sponsored by the different donors, the Income/ Expenditure thereof have no bearing with the Institute's Accounts. During the year Institute has received an additional amount of RS.1,00,000/- for Diamond Jubilee Award, RS.20,000/- from Lt. Ranjan Kumar Basu Memorial Prize, RS.1,00,000/- for Merit Award, from Northern Coalfields Ltd., RS.21,000/- for Shri K. G. Goyal Hindi Medium Prize Fund. All the funds have been invested during the year.

9. As per past practice, the accounts of the Regional Councils are not incorporated, though at the time of computation of Trust Income under the Income Tax Act, 1961 these are considered

10. Election related expenses (1/3 portion) amounting to RS.8,80,925/- (2004-07) and Rs.2,30,394/- on account of Election Tribunal Expenses has been charged to the Income & Expenditure Account and RS.8,80,924/- has been shown under the head Misc. Expenses to be charged in the next year as per Accounting Policy No. 2(b)

11. Request for confirmation of Account Balances to different Regional Councils and Chapters are awaited and the balances reflected in these accounts are as per books.

12. Fixed Deposit of RS.73.00 lakhs (Institute Fund) has been kept under the lien with Central Bank of India, New Market Branch, Kolkata for the Overdraft Facility granted

13. In terms of the decision of the Council, collection through Bank Challan has been discontinued w.e.f 26/09/2005. However any amount deposited to SBI through Bank Challan is collected and the accounting made on the basis of second copies of challan received from the bank, as per past practice.

14. Receipts from Members / Students for the current year includes return draft amounting to RS.1,16,245/-. Steps have been taken for realization of the same.

15. Previous year's figures have been regrouped wherever found necessary to conform to the current year's groupings.

Sd/-
B. M. Sharma
Vice President

Sd/-
Pravakar Mohanty
President

Sd/-
R.N. Pal
Director (Admn & Finance)

Sd/-
Dr. Debasis Bagchi
Secretary

Kolkata
Dated 21st July, 2006

Dr. DEBASIS BAGCHI, Secy.

[ADVT III/IV/71/Ext/06]